सेवामित्र मोबाइल एप से घर पहुंचेगी सुविधा

गोण्डा। सेवायोजन विभाग द्वारा sewamitra.up.gov.in नाम से सेवामित्र पोर्टल व मोबाइल एप विकसित किया गया है, इस डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर आम नागरिकों व सभी विभागों को घरेलू सेवायें सर्विस प्रोवाइडर द्वारा कुशल कामगारों के माध्यम से उपलब्ध करायी जाती है। घरेलू सेवाओं का लाभ लेने एवं देने वाले कामगारों की सुविधा के लिए टोल फ्री नम्बर-155330 सेवामित्र हेल्पलाइन की सुविधा उपलब्ध करायी गई है। इन सेवाओं में पैथालाजी, डा0 आनकाल, प्लम्बर, इलैक्ट्रीशियन, एसी / टी0वी0 रिपेरिंग मोटर मैकेनिक, टैक्सी बुकिंग, बढ़ई, रंगाई-पुताई, इत्यादि सेवायें उपलब्ध है। सहायक निदेशक सेवायोजन आशा वर्मा ने बताया कि कुशल कामगार सेवामित्र एप पंजीयन कराकर अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें। जिससे हर हाथ को काम घर बैठे प्राप्त हो सकें।

देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

नासिरा प्रेस

मालवीयनगर-गोण्डा

मो0-9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

गोण्डा बुधवार 04 अक्टूबर 2023 वर्ष 39 अंक 47 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स-05262-230683 डाक पंजीयन संख्या-NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ- 8 मूल्य 2.00 रुपये

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर।

कालाकोट जंगल में दो आतंकी ढेर, 48 घंटे से चल रही मुठभेड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय सुरक्षाबलों ने मंगलवार को दो आतंकियों को राजौरी के कालाकोट जंगल में मार गिराया है। 48 घंटे से चल रही इस मुठभेड़ में तीन पैराकमांडो घायल हुए हैं। भारतीय सुरक्षाबलों को आतंकियों के राजौरी स्थित कालाकोट जंगल में छिपे होने की सूचना मिली थी।

इसके बाद आतंकियों की तलाश जंगल में शुरू हो गई। सुरक्षाबलों को करीब आते देख आतंकियों ने फायरिंग शुरू की और फिर जवाबी फायरिंग में दो आतंकी मारे गए। 9 पैरा कमांडो स्पेशल यूनिट के तीन जवान भी चोटिल हुए हैं।

घने जंगल और गुफाओं से घिरा है

भारतीय सुरक्षा बलों को अभी भी यहां तीन आतंकियों के होने की सूचना है। पूरे इलाके में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। कालाकोट का यह इलाका काफी घने जंगल से घिरा हुआ है। इसमें गुफाएं भी हैं। ऐसे में आतंकियों के लिए यह बेहतर पनाहगाह बन गया है। आतंकियों की तलाश के लिए खोजी कुत्तों और ड्रोन की भी मदद ली जा रही है।

48 घंटे से चल रहा आपरेशन

कालाकोट जंगल में 48 घंटे से आपरेशन चल रहा है। भारतीय सेना, सीआरपीएफ और जम्मू और कश्मीर पुलिस के जवान आपरेशन में लगे हुए हैं। तीनों सुरक्षाबलों के आला अधिकारी भी नजर बनाए हुए हैं। गौरतलब है कि करीब 10 दिन पहले ही अनंतनाग के कोकेरनाग में सात दिनों तक आतंकी आपरेशन चला था। इसमें सेना के दो अधिकारी व एक जवान शहीद हो गए थे वहीं जम्मू कश्मीर पुलिस के भी एक डीएसपी ने शहादत दी।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान की हुई शुरुआत

घर - घर जाकर संचारी रोगों के बारे में किया जायेगा जागरूक

निज संवाददाता

गोण्डा। जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए मंगलवार को संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ पूरे उत्तर प्रदेश शुरू हो गया है। गोण्डा में लोगों को जागरूक करने के लिए शहर के गांधीपार्क से एससीपीएम कालेज की छात्र- छात्राओं द्वारा रैली निकाली गयी। जिलाधिकारी नेहा शर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी एम.अरुन्मोली व सीएमओ डा. रश्मि वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।? यह अभियान पूरे अक्टूबर महीने तक चलेगा। इस दौरान स्वास्थ्य टीम घर घर जाकर लोगों को जागरुक करेगी।

गांधी पार्क से संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ करते हुए डीएम नेहा शर्मा ने कहा कि जल जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए लोगों को खुद सजग रहने की आवश्यकता है। इसके लिए अपने घरों के आसपास जलभराव न होने दें। पानी भरे हुए स्थान पर मिट्टी डाल दें। जिससे मच्छरों को पनपने का मौका नहीं मिलेगा और इस रोग को नियंत्रित करने में मदद मिल सकेगी।

डीएम ने अपील की कि सभी लोग एकजुट होकर इस अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसके लिए विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है। अभियान में स्वास्थ्य विभाग के अलावा पंचायती राज विभाग, पशुपालन, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, कृषि एवं सिंचाई विभाग, उद्यान, नगरपालिका व नगर पंचायत और सूचना विभाग को शामिल किया गया है। अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

16 से 31 अक्टूबर तक चलेगा दस्तक अभियान

गोण्डा। सीएमओ ने बताया कि इसी बीच 16 से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। दस्तक अभियान के तहत क्षय रोगियों को भी खोजा जाएगा, जिसमें आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर टीबी के संभावित रोगियों की पहचान करेंगी। इसके अलावा लंबे समय से बुखार, खांसी जैसे लक्षणों वाले मरीजों के बारे में भी जानकारी लेंगी।उनका नाम, पता, मोबाइल नंबर सहित पूरा विवरण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भेजा जाएगा। आशा कार्यकर्ता मौसमी बीमारियों से बचाव और उसके इलाज के बारे में भी जानकारी देंगी। दस्तक अभियान के दौरान घर-घर टीबी के संभावित मरीजों की भी स्क्रीनिंग की जाएगी। क्षय रोग के लक्षण वाले किसी व्यक्ति की सूचना प्राप्त होने पर उस व्यक्ति का नाम पता एवं मोबाइल नंबर सहित संपूर्ण विवरण क्षेत्रीय एएनएम के माध्यम से ब्लॉक मुख्यालय पर उपलब्ध कराएंगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 रश्मि वर्मा, यूनिसेफ डॉक्टर शेषनाथ सिंह सहित सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीएमओ ने बताया कि जनपद में संचारी रोग नियंत्रण माह एक से 31 अक्टूबर तक एवं 16 से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि दस्तक अभियान में स्वास्थ्य कार्यकर्ता सावधानी रखते हुए लोगों को मलेरिया, डेंगू, चिकिनगुनिया, फाइलेरिया, टीबी से बचाव के बारे में बेहतर तरीके से जागरूक करेंगे। संचारी रोगों के रोकथाम को लेकर मंगलवार को आयोजित जागरुकता रैली को रवाना करने से पहले डीएम ने सभी उपस्थित छात्र -छात्राओं व अन्य लोगों को स्वच्छता अपनाने की शपथ भी दिलायी।

इस मौके पर डिप्टी सीएमओ, अधिशासी अधिकारी नगरपालिका गोण्डा संजय कुमार मिश्र, डिप्टी सीवीओ, एससीपीएम के डारेक्टर अजिताब दूबे, सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा जातीय गणना डाटा रिलीज करने का मामला, 6 को होगी सुनवाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। बिहार सरकार द्वारा भले ही जातीय गणना का डाटा रिलीज कर दिया गया है, लेकिन इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायकर कर दी गई है। इस तरह से जातीय गणना का मामला मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। याचिकाकर्ता ने यह मामला कोर्ट के सामने उठाया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इस मामले पर अभी हम कुछ नहीं कह सकते, हम 6 अक्टूबर को इसकी सुनवाई करेंगे। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि बिहार सरकार ने जातिगत जनगणना के आंकड़ा सार्वजनिक कर दिया है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा वह अभी मामले में कोई टिप्पणी नहीं करेगा। 6 अक्टूबर को मामला सुनवाई के लिए लगा है उसी समय आपकी दलील सुनेंगे। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने सोमवार को बहुप्रतीक्षित जाति आधारित गणना के निष्कर्ष जारी किए, जिसमें खुलासा हुआ कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) राज्य की कुल आबादी का 63 प्रतिशत हैं।

बिहार के विकास आयुक्त विवेक सिंह द्वारा यहां जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य की कुल जनसंख्या 13.07 करोड़ से कुछ अधिक है, जिसमें से 36 प्रतिशत के साथ ईबीसी सबसे बड़ा सामाजिक वर्ग है। इसके बाद ओबीसी 27.13 प्रतिशत हैं। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि ओबीसी समूह में शामिल यादव समुदाय प्रदेश की कुल आबादी का 14.27 प्रतिशत है। राज्य के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी इसी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। राज्य में जनसंख्या के मामले में यह समुदाय सबसे अधिक है। बिहार सरकार ने राज्य में जाति आधारित गणना का आदेश पिछले साल तब दिया गया था जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया था कि वह आम जनगणना के हिस्से के रूप अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अलावा अन्य जातियों की गणना नहीं कर पाएगी।

चंद्रबाबू नायडू को अंतरिम राहत नहीं, 9 अक्टूबर को सुनवाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तेलुगु देशम पार्टी प्रमुख और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की याचिका पर अंतरिम राहत देने से मना कर दिया। नायडू कथित कौशल विकास निगम घोटाले से जुड़े मामले में सलाखों के पीछे हैं। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने मामले को 9 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दिया। इसी बीच सुनवाई पीठ ने राज्य सरकार से आंध्र उच्च न्यायालय के समक्ष दायर सभी दस्तावेजों का संकलन पेश करने को कहा है। उन्होंने तर्क दिया कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए, जो पुलिस को पूर्व अनुमोदन के अलावा किसी लोक सेवक के खिलाफ कोई भी पूछताछ या जांच करने से अक्षम करती है, आपराधिक प्रक्रिया के दुरुपयोग को रोकने के लिए पेश की गई थी। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि आरोप की प्रत्येक जांच जहां कथित अपराध लोक सेवक की किसी सिफारिश या लिए गए निर्णय से संबंधित है के लिए पूर्व मंजूरी की आवश्यकता होती है। 27 सितंबर को हुई आखिरी सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एसवी. भट्टी ने खुद को मामले की सुनवाई से अलग कर लिया था।

बाद में उसी दिन, सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने नायडू की याचिका पर किसी अन्य पीठ में तत्काल सुनवाई के लिए कोई निर्देश पारित नहीं किया या उन्हें कोई अंतरिम राहत नहीं दी। वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने दलील दी थी कि आंध्र के पूर्व सीएम को केवल 2024 के लोकसभा चुनाव के कारण एक के बाद एक एफआईआर में फंसाया जा रहा है। नायडू ने 22 सितंबर को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एस. रेड्डी की एकल न्यायाधीश पीठ के उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर और न्यायिक हिरासत को रद्द करने की याचिका खारिज करने के बाद एक विशेष अनुमति याचिका दायर करके सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

6.2 तीव्रता वाले भूंकप से हिला दिल्ली

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस हुए। भूकंप के झटके इतने जोरदार थे कि ये लखनऊ, दिल्ली, गुरुग्राम सहित जयपुर में भी महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र नेपाल था। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 6.2 मांपी गई। यह झटके भारतीय समय अनुसार, 02ः51 बजे महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस करने के बाद लोग अपने दफ्तरों से बाहर निकले और कुछ देर के लिए अफरा-तफरा का माहौल बन गया। इस बीच दिल्ली पुलिस ने भी लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। दिल्ली पुलिस ने ट्वीट किया, हेलो दिल्ली वालों! हमें आशा है कि आप सभी सुरक्षित हैं। कृपया अपनी इमारतों से बाहर सुरक्षित स्थान पर आ जाएं, लेकिन घबराएं नहीं। लिफ्ट का प्रयोग न करें। इसके पहले सोमवार को मेघालय में 5.2 तीव्रता का भूकंप आने से असम और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में झटके महसूस किए गए थे। भूकंप सोमवार शाम करीब 6ः15 बजे आया, जिसका केंद्र रेसुबेलपारा से 3 किमी दूर उत्तरी गारो हिल्स में जमीन से 10 किमी की गहराई में था। वहीं, रविवार रात को हरियाणा के कुछ इलाकों में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए थे। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक रविवार रात 11.26 बजे 2.6 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र हरियाणा में रोहतक से 7 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में स्थित था।

यूपी के हर जिले में होगा बस पोर्ट, होंगी अत्याधुनिक सुविधाएं, पहले चरण में शामिल होंगे ये शहर

लखनऊ। परिवहन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह कहना है कि प्रदेश के हर जिले में एक बस पोर्ट विकसित किया जाएगा। आगामी चार वर्ष में प्रदेश का एक भी जिला ऐसा नहीं होगा जहां बस पोर्ट न हो। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की ओर से प्रदेश के प्रत्येक जिले में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी मोड) पर एक बस पोर्ट (अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बस स्टैंड) स्थापित किया जाएगा। निगम ने 16 जिलों में 18 बस स्टैंड के लिए लिए कैबिनेट प्रस्ताव तैयार कर लिया है। वहीं शेष जिलों में बस पोर्ट बनाने के लिए सलाहकार संस्था चयन की कार्यवाही शुरू हो गई है।

प्रदेश सरकार ने पहले चरण में पायलट प्रोजेक्ट पर प्रयागराज, कौशांबी, लखनऊ के गोमतीनगर, गाजियाबाद बस स्टैंड को बस पोर्ट के लिए चयन किया था। इसके लिए फर्म का चयन लगभग हो गया है। चयनित फर्म ने बस स्टैंड के प्लान का प्रस्तुतीकरण भी कर दिया है। परिवहन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह कहना है कि प्रदेश के हर जिले में एक बस पोर्ट विकसित किया जाएगा। आगामी चार वर्ष में प्रदेश का एक भी जिला ऐसा नहीं होगा जहां बस पोर्ट न हो। उन्होंने बताया कि करीब 50 से अधिक जिलों में बस पोर्ट के लिए सलाहकार संस्था का चयन किया जा रहा है। प्रत्येक जिले में बस पोर्ट के लिए मौजूदा समय में उपलब्ध जमीन और शहर की आवश्यकता के अनुसार प्रस्तावित नई जगह पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। रिपोर्ट मिलने पर वहां भी पीपीपी मोड पर बस पोर्ट विकसित किया जाएगा।

इन बस स्टैंड के लिए प्रस्ताव तैयार

यूपीएसआरटीसी ने गाजियाबाद के साहिबाबाद, आगरा के ट्रांसपोर्ट नगर और ईदगाह, मथुरा के पुराना बस स्टैंड, कानपुर के कानपुर सेंट्रल (झकरकटी), वाराणसी के कैंट, प्रयागराज के जीरो रोड और लखनऊ के अमौसी बस स्टैंड के लिए कैबिनेट प्रस्ताव तैयार किया है।

लखनऊ के चारबाग, मेरठ के सोहराबगेट, अलीगढ़ के रसूलाबाद, गोरखपुर के गोरखपुर, अयोध्या के अयोध्याधाम, बरेली के सैटेलाइट, रायबरेली और मिर्जापुर में बस पोर्ट के लिए भी प्रस्ताव तैयार किया है। बुलंदशहर के बुलंदशहर और मेरठ के गढ़मुक्तेश्वर नया बस स्टैंड बनाने के लिए भी प्रस्ताव तैयार किया है।

826 डीजल और 125 इलेक्ट्रिक बसें खरीदेगा निगम

योगी कैबिनेट ने हालही में यूपीएसआरटीसी में 1000 नई बसें खरीदने के लिए 400 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। निगम के एमडी मासूल अली सरवर ने बताया कि 826 डीजल बसें खरीदी जाएंगी। वहीं 125 इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जाएंगी।

रेडियो अवध का टैलेंट हंट पांच को

गोंडा। श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज से संचालित रेडियो अवध 90.8 एफएम द्वारा स्थानीय प्रतिभाओं की तलाश के लिए कराए जा रहे टैलेंट हंट के क्रम में आनलाइन आवेदन करने वाले प्रतिभागियों के मध्य आगामी पांच अक्टूबर को तीन स्थानों पर आडीशन कराया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए रेडियो अवध के कार्यक्रम निदेशक जानकी शरण द्विवेदी ने बताया कि संस्थान द्वारा स्थानीय प्रतिभाओं की खोज तथा उन्हें प्रशिक्षित करके रेडियो में काम करने का अवसर उपलब्ध कराने के लिए चार विधाओं आरजे, लोक गायन, भजन कीर्तन और कविता कहानी में प्रतियोगिता हेतु आनलाइन आवेदन करवाया गया था। अब तक जिले के 400 से अधिक युवक युवतियों ने आनलाइन आवेदन किया है। द्विवेदी ने बताया कि सभी विधाओं का आडीशन आगामी 05 अक्टूबर को पूर्वान्ह 10 बजे से तीन स्थानों पर कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि आनलाइन आवेदन करने वाले एलबीएस कालेज में अध्ययनरत सभी छात्र छात्राओं का आडीशन कालेज के ही ललिता शास्त्री सभागार में, एससीपीएम कालेज हारीपुर के छात्र छात्राओं का आडीशन उसी कालेज के सभागार में तथा अन्य सभी युवक युवतियों का आडीशन पांच अक्टूबर को टाउन हाल में कराया जाएगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपील किया है कि वे आडीशन के लिए नियत तिथि व स्थान पर पहुंचकर प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

आउटसोर्सिंग कर्मी को ना किया जाए सीधे भुगतान - आयुक्त

गोण्डा। आउटसोर्सिंग कर्मचारी के मानदेय का भुगतान विभाग द्वारा सीधे उनके खाते में किए जाने को लेकर देवीपाटन मंडल के आयुक्त ने मंडल के सभी जिलाधिकारियों एवं समस्त मंडलीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के खाते में विभाग द्वारा सीधे अथवा चेक के माध्यम से मानदेय का भुगतान बिल्कुल ना किया जाए। यदि किसी विभाग द्वारा इस तरह से भुगतान किया जा रहा है तो उसे तत्काल बंद कराकर नियमानुसार ही भुगतान की कार्रवाई की जाए।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई महात्मा गांधी व शास्त्री जी की जयंती

गांधी व शास्त्री जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट में डीएम ने किया पौधरोपण

निज संवाददाता

गोण्डा। राष्ट्र के दो महापुरूषों राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पूरे जनपद में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सभी सरकारी, अर्ध सरकारी कार्यालयों तथा शैक्षिक संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ ही राष्ट्र की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए लोगों ने संकल्प लिया। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कलेक्ट्रेट में राष्ट्रध्वज फहराया तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र का अनावरण कर माल्यार्पण किया गया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह को हथियार बनाकर आजादी की लड़ाई में अपना योगदान दिया। उन्होंने गांव को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और मूलभूत सुविधाएं विकसित करने हेतु ग्राम स्वराज की अवधारणा से देश की आत्मनिर्भरता के लिए सार्थक प्रयास किए जिसकी आज भी प्रासंगिकता है। देश की आत्मनिर्भरता के लिए स्वदेशी का महत्वपूर्ण योगदान है।

उन्होंने शास्त्री जी के सादा जीवन उच्च विचार तथा देश के लिए किए गए योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज के दिन लिये गए संकल्प के अनुसार सभी लोग अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन कर देश के विकास में अपना योगदान दें। जिलाधिकारी ने दोनों महापुरुषों के जयंती के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी केवल भारत तक ही सीमित नहीं थे बल्कि उनके आदर्श पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक है। उन्होंने भारत रत्न शास्त्री जी की सादगी और उनकी देश सेवा को भी स्मरण किया।

कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में संकल्प दोहराने के पश्चात जिलाधिकारी ने कहा कि सत्य का प्रयोग करते हुए आग्रह पूर्वक कार्य करें। गांधी जी ने कभी कथनी करनी में अंतर नहीं रखा। आज हमारी अस्मिता लुप्त होती जा रही है। व्यक्ति जो दिखता है, वह होता नहीं, और जो होता है, वह दिखता नहीं। अतः हम मौलिक बनें। हम दूसरों से उसी समान पेश आएं, जैसा हम अपने लिए चाहते हैं। हम माइक पर उदात्त आदर्श की बात करते हैं किंतु जब क्रियान्वयन का समय आता है, तब भूल जाते हैं। सामाजिक नियंत्रण का ताना बाना भी कमजोर हो गया है। इसलिए अब कानून की ज्यादा जरूरत पड़ती है। बापू की ग्राम स्वराज की संकल्पना आज हमारे जीवन में हर जगह दृष्टिगोचर होती है। आज की पंचायत प्रणाली गांधी जी की ही देन है। शास्त्री जी ने जय जवान, जय किसान का नारा देकर सीमा सुरक्षा के साथ ही खाद्यान्न के मामले में निर्भर बनाने का काम किया। आज उन्हीं की बदौलत हम लगातार आत्मनिर्भर होते चले गए।

वहीं कार्यक्रम के दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में जीजीआईसी इंटर कॉलेज की छात्राओं ने देश भक्ति गीत प्रस्तुत किये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी सुरेश कुमार सोनी, सीआरओ महेश प्रकाश, सिटी मजिस्ट्रेट चन्द्रशेखर, कलेक्ट्रेट संघ के अध्यक्ष मनमोहन अरोड़ा व मंत्री संदीप तिवारी सहित अन्य अधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। जीजीआईसी की छात्राओं द्वारा बापू के प्रिय भजनों की मनमोहक प्रस्तुति की गई। डीएम ने छात्राओं को उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी

शान द्वारा नामित नोडल अधिकारी श्रीमती कंचन वर्मा, निबंधक स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन उत्तर प्रदेश ने जनपद में पहुंचकर बस स्टॉप, सिविल लाइन, गुरु नानक चौराहा, अंबेडकर चौराहा सहित कई स्थानों पर जाकर स्वच्छता व साफ-सफाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी ने जनपद के विभिन्न स्थानों पर साफ -सफाई व्यवस्था में लगे सफाई कर्मचारी एवं स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम से संबंधित कर्मचारियों व अधिकारियों को सम्मानित किया। उन्होंने मौके पर कहा कि स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अवसर पर हमें अपने घर से लेकर कार्यालय तक साफ - सफाई तथा स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

निरीक्षण के समय मुख्य विकास अधिकारी एम.अरुन्मोली, नगर मजिस्ट्रेट चंद्रशेखर, जिला कार्यक्रम समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन नगरीय नितेश कुमार राठौर सहित सभी संबंधित अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी नईम अहमद, न्याय सहायक चन्द्र प्रकाश मिश्र, नाजिर वीरेंद्र तिवारी, ओएसडी शिवराज शुक्ला, सहित कलेक्ट्रेट अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ना खुद गंदगी करेंगे और न किसी को गंदगी करने देंगे - आयुक्त

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। गांधी जी सत्य व अहिंसा के पुजारी थे उनके द्वारा दी गई शिक्षा आज भी दुनिया मे प्रांसगिक है। गांधी जी के अहिंसावादी विचारों व आदर्शो को अपने जीवन में उतारें। ऐसे महापुरूष विश्व मे बहुत कम जन्म लेते है जो अहंकार को त्याग कर जनहित में सदैव कार्य करते उन्होंने कहा कि हमे अपने आस-पास के वातावरण को साफ व स्वच्छ रखना चाहिये तथा लोगो को भी स्वच्छता के प्रति जागरुक करना चाहिये। हमे अपने गली-मौहल्ले व कार्य स्थल को स्वच्छ रखना चाहिये जिससे शुद्ध वातावरण मिले और जीवन स्वस्थ हो।

ये अनमोल विचार देवीपाटन मंडल के आयुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने गांधी जयंती के अवसर पर व्यक्त किये। गांधी जयंती के अवसर पर उन्होंने आयुक्त कार्यालय परिसर में राष्ट्रध्वज फहराकर सभी कर्मचारियों को 卐स्वच्छता ही सेवा卐 की शपथ दिलाई और सभी को स्वच्छता बनाये रखने का संदेश दिया। इस बाद उनके द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र का माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गयी। इसके बाद सभागार में सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, स्कूली बच्चों व अध्यापकों के साथ विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें गांधी जी व लाल बहादुर शास्त्री जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की गई। सभी लोगों ने गांधी जी से प्रेरणा लेते हुए दूसरों की सहायता करने और देश को आगे बढ़ाने का प्रण लिया।

इस दौरान अपर आयुक्त सहित अन्य अधिकारी कर मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

दो थानेदार समेत अन्य पुलिस कर्मियों पर केस दर्ज

ग्रेटर नोएडा। दलित छात्र को हिरासत में लेकर मारपीट के मामले में अनिल राजपूत, अनुज कुमार, देवेंद्र राठी समेत छह से अधिक पुलिसकर्मियों पर केस दर्ज हुआ है। बीटा-दो थाने में दो थानेदार समेत अन्य पुलिसकर्मियों पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की गई है, हालांकि इस मामले में आधिकारिक रूप से कोई बयान नहीं दिया गया है। अलीगढ़ निवासी एलएलबी के छात्र जितेंद्र उर्फ जीतू ने छह महीने पहले जेल से छूटने के बाद बीटा-दो थाना पुलिस पर हिरासत में रखकर मारपीट का आरोप लगाया था। छात्र का आरोप था कि उसे यूरिन भी पिलाया गया। छात्र के मोबाइल में हिडन कैमरा लगा हुआ था, जिसमें पिटाई आदि की तस्वीर कैद हुई थी। इसी के आधार पर छात्र ने पुलिस और अधिकारियों से शिकायत की लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। बताया गया है कि कार्रवाई नहीं होने से परेशान छात्र कुछ दिन पहले लखनऊ पहुंचा था और उसने आत्मदाह की कोशिश की थी। अब अधिकारियों के निर्देश पर इस मामले में केस दर्ज किया गया है। जबकि पुलिस का कहना था कि स्पा संचालिका से रंगदारी मांगने के मामले में उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। नामजद किए गए तत्कालीन बीटा-दो थाने में तैनात पुलिसकर्मी में से अधिकांश अब दूसरे थाने में तैनात है।

हिंडन नदी में कचरा गिरा रहीं 310 इंडस्ट्री

नोएडा। 310 इंडस्ट्री अपना औद्योगिक कचरा गिराकर हिंडन नदी को प्रदूषित कर रही हैं। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को आदेश दिया है कि जो इंडस्ट्री हिंडन नदी को प्रदूषित होने से रोकने के लिए गंभीर नहीं है, उसके खिलाफ हर्जाना लगाने की कार्रवाई की जाए। वहीं, अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित कराने के लिए कहा गया है कि कोई भी नाला हिंडन नदी में नहीं गिरे। एनजीटी के चेयरपर्सन जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव, सदस्य जस्टिस सुधीर अग्रवाल, डॉ. ए सेंथिल वेल ने अभिष्ट कुसुम गुप्ता की एक याचिका की सुनवाई पर यह आदेश दिया है। इस याचिका पर एक संयुक्त टीम से जांच करवाने के बाद रिपोर्ट एनजीटी ने मांगी थी। इस जांच रिपोर्ट में बताया गया कि 310 इंडस्ट्री हिंडन नदी को प्रदूषित करने का काम कर रही हैं। एनजीटी के आदेश पर यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पर्यावरणीय क्षति के लिए हर्जाने का नोटिस भी इन इंडस्ट्री को जारी कर दिया है। यह हर्जाना इंडस्ट्री के कुल टर्नओवर का 10 फीसदी तक हो सकता है। हालांकि, अधिकारियों ने नदी में कचरा गिरने से रोकने के लिए कोई कार्ययोजना एनजीटी से साझा नहीं की। एनजीटी ने अपने आदेश में कहा है कि यूपीपीसीबी के अधिकारी यह भी देखें कि ऐसी कौनसी इंडस्ट्री हैं जो नदी को प्रदूषित करने के लिए दोषी है। हर इंडस्ट्री के केस को सुनवाई का मौका देते हुए विधिक रूप से हर्जाना लगाने की कार्रवाई की जाए।

कर अधीक्षक ने तीन के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

इटावा। जिले के नंगलाताल निवासी राजेंद्र सिंह यादव नगर पालिका में कर अधीक्षक के पद पर तैनात हैं। वह शहर के बंगाली मोहाल में किराये के मकान में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 30 सितंबर को ड्यूटी पर थे। मोहल्ला मांझखोर रमेड़ी निवासी सतेंद्र सिंह का करीबी आया और उसने सतेंद्र सिंह का नाम पालिका अभिलेखों में दर्ज होने की बात पूछी। उन्होंने नामांतरण शुल्क जमा कराने के लिए कहा। बताया कि उसी रात करीब आठ बजे सतेंद्र सिंह दो साथियों के साथ आया और उसे पकड़ लिया और गाली गलौज करते हुए मारने लगे। साथ ही धमकी दी कि तीन अक्तूबर तक कार्य नहीं हुआ तो जान से मारकर नदी में फेंक देंगे। मकान मालिक और उनके नाती ने किसी तरह उनकी जान बचाई। कोतवाल दुर्गविजय सिंह ने बताया कि एक नामजद व दो अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

सड़क किनारे खुले मेनहोल बन रहे जान की आफत

फतेहपुर। शहर में जगह-जगह सड़कों के किनारे खुले मेनहोल दुर्घटनाओं को दावत दे रहे हैं। सर्दी के मौसम में कोहरे की धुंध में मेनहोल में गिरने से कभी भी दुर्घटना हो सकती है। इसके बावजूद नगर पालिका लापरवाही कर रही है। प्रशासन भी खुले मेनहोल बंद कराने की अनदेखी कर रहा है। शहर की जलनिकासी के लिए प्रमुख सड़कों के किनारे आठ से 10 फीट गहरे नालों का निर्माण चल रहा है। कार्यदायी संस्था जल निगम नालों का निर्माण करा रही है। नालों के बीच-बीच में मेनहोल बने हैं। इनके ढक्कन मेनहोलों के बगल में रखे हैं। जल निगम और नगर पालिका के अधिकारी खुले मेनहोलों को बंद कराने की सुधि नहीं ले रहे। जीटी रोड पर बीएसए कार्यालय के संपर्क मार्ग के बगल में अरसे मेनहोल खुला पड़ा है। इसी के पास से जीटी रोड से बीएसए कार्यालय, सीएमओ ऑफिस जाने वाले वाहन मुड़ते हैं। थोड़ी सी चूक होने पर कोई भी वाहन मेनहोल में गिरकर दुर्घटना ग्रस्त हो सकता है। रेलवे स्टेशन से जिला अस्पताल मार्ग पर पटेल सेवा संस्थान मोड़ से खलीलनगर की सड़क पर मेनहोल खुला है। इसी के पास से खलीलनगर और आवास विकास कालोनी जाने वाले वाहन मुड़ते हैं। इस स्थिति में कोई भी वाहन दुर्घटना का शिकार हो सकता है।

युवकों ने छात्र को पीटा, हालत गंभीर

फतेहपुर। सुबह टहलने गए 9 वीं कक्षा के छात्र के साथ कुछ युवकों ने मारपीट की। पुलिस ने घायल छात्र को सीएचसी में भर्ती कराया। डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के कैंथा गांव निवासी जगदीश पाल ने बताया कि उनका पुत्र सत्यम (13) शहर के कक्षा 9 का छात्र है। गुरुवार सुबह सत्यम गांव के बाहर टहलने निकला था। आशु राजपूत आदि ने लूटपाट के उद्देश्य से खाना तलाशी ली। विरोध करने पर छात्र के साथ मारपीट की। बेसुध अवस्था में छोड़ कर भाग गए। परिजन घायल छात्र को कोतवाली ले कर पहुंचे। पुलिस ने सीएचसी में भर्ती कराया। सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया। बताया सिर में गंभीर चोट व हाथ में फ्रैक्चर है। बताया पुलिस ने जानलेवा हमले के मामले में मामूली मारपीट में मुकदमा दर्ज किया है। वहीं घायल छात्र को आरोपियों से खतरा बना हुआ है। जनसुनवाई पोर्टल में ऑनलाइन शिकायत करते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

दौड़ में उत्कर्ष, सुमित क्विज की विजेता बनीं अनन्या

फतेहपुर। सर्व ब्राह्मण विकास परिषद महिला जिला इकाई ने प्राथमिक विद्यालय बदनपुरा में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई। इस अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष अनामिका बुधौलिया ने कहा कि संपूर्ण राष्ट्र महात्मा गांधी, लालबहादुर शास्त्री का कृतज्ञ है। कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देना आवश्यक है। रुचि के अनुसार खेलकूद में भाग लेना चाहिए। 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में उत्कर्ष प्रथम, 200 मीटर दौड़ में सुमित प्रथम और काव्या ने द्वितीय स्थान पाया। क्विज में अनन्या व युग अव्वल रहे। बच्चों को स्टेशनरी के साथ ही बिस्किट, चाकलेट व फल वितरित किए गए। उपाध्यक्ष साधना बुधौलिया, महामंत्री प्रियंका द्विवेदी, संध्या ज्योतिषी, रेनू गुबरेले आदि रहीं।

सामूहिक विवाह के लिए होगा ऑनलाइन आवेदन

हापुड़। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के आवेदन के लिए लोगों को अब समाज कल्याण विभाग कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। सामूहिक विवाह योजना के लिए जिले में कहीं से भी ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। इससे बिचौलियों पर भी अंकुश लगेगा और चयन में हेरफेर की आशंका भी नहीं रहेगी। एससी-एसटी, अन्य पिछड़ा वर्ग के गरीब बेटियों के विवाह के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना संचलित है। जिसमें पात्र लाभार्थियों को 51 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है। अब तक आवेदन ऑफलाइन किए जाते थे, जिसके लिए समाज कल्याण विभाग कार्यालय के चक्कर भी लगाने पड़ते थे और बिचौलिये भी सीधे साधे गरीब लोगों को झांसे में ले लेते थे। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए समाज कल्याण विभाग को 250 जोड़ों की शादी कराने का लक्ष्य मिला है। अब योजना का लाभ पाने के लिए आवेदन ऑनलाइन पोर्टल पर किए जा सकेंगे। जरूरी अभिलेखों के विवरण सहित लाभार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदक अपना आवेदन पत्र जन सुविधा केंद्र, कॉमन सर्विस सेंटर, साइबर कैफे या विभाग की वेबसाइट पर स्वयं भी भर सकते हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी शिवकुमार का कहना है मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए लाभार्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। वर्तमान वित्तीय वर्ष में ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। ऑनलाइन किए गए आवेदनों का सत्यापन संबंधित विकास खंड कार्यालय, नगर निकाय कार्यालय को प्रेषित किया जाएगा। पात्र परिवार ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ उठा सकते हैं।

पुत्रवधू पर लगाया जान से मारने की धमकी का आरोप

हापुड़। देहात थानाक्षेत्र के जेके कालोनी निवासी एक वृद्ध ने अपनी पुत्र वधू सहित दो अन्य लोगों पर पर अभद्रता कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इस संबंध में पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। शिकायती पत्र में श्योराज सिंह ने बताया कि उनका बड़ा बेटा और पुत्र वधु उनसे अलग रहते हैं, लेकिन कृषि भूमि बैनामा कराने का दबाव बना रहे हैं। जिस कारण वह आए दिन उसके साथ अभद्रता करते रहते हैं। पंद्रह दिन पूर्व पुत्र वधू दो अज्ञात लोगों के साथ उनके घर पहुंची और बैनामा न करने पर काम तमाम करने की धमकी दी। जिसके बाद से पीड़ित खौफ में है। इस संबंध में देहात थाने में भी शिकायत दर्ज कराई गई।

बदहाल वेंडिंग जोन-महीने का किराया 3000, सुविधाएं नाकाफी

नोएडा। वेंडिंग जोन में महीने का किराया तीन हजार रुपये हैं, लेकिन सुविधाएं नाकाफी है। सफाई से लेकर नाला ढकने जैसे काम तक नहीं किए गए हैं। ऐसे में खान-पान के सामान वेंडर्स खुले नाले के ऊपर बेचने को मजबूर हैं। यहां तक कि धूप-बारिश से बचाव तक के लिए सुविधाओं की मांग नोएडा प्राधिकरण से पूरी नहीं की गई हैं। सेक्टर-59 के वेंडर जोन नंबर -13 में 19 लोगों को लाइसेंस जारी किए गए थे। सुविधाओं के अभाव में यहां अब केवल पांच वेंडर ही अपना कारोबार कर रहे हैं। सुविधाएं देने के उलट रविवार को यहां प्राधिकरण की तरफ से कार्रवाई कर वेंडर्स की खुद की लगाई तिरपाल फाड़ दी गई। इसका विरोध भी वेंडर्स ने किया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन में नोएडा में प्राधिकरण ने 129 वेंडिंग जोन बनाने का काम किया। यहां करीब 4339 वेंडर्स को कारोबार करने के लिए जगह दी जानी है। वेंडर्स का कहना है कि केवल जगह देने का काम प्राधिकरण ने किया। जरूरी सुविधाएं जैसे पीने का पानी, टॉयलेट, सफाई, शेड तक नहीं उपलब्ध कराए गए। हर महीने प्राधिकरण लाइसेंस फीस तो वसूल करती है। सुविधाएं नहीं दे रही। कई जगह तो नाले के किनारे वेंडिंग जोन बना दिए गए हैं। सुरक्षा और हाइजीन के लिए इन नालों को कवर किया जाना चाहिए। जबकि, ऐसा नहीं किया गया। सेक्टर-62 में फोर्टिस अस्पताल के पास नाले पर वेंडिंग जोन में नाले के किनारे जूस और दूसरे खाने के सामान बेचे जा रहे हैं।

नाला कवर हो तो ग्राहक भी आएं

सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल के पास बने वेंडर जोन के जूस विक्रेता ने बताया कि यहां दुकान लगाने के लिए हमें हर माह 3000 रुपए प्राधिकरण को देना होता है। इसके बदले में कोई खास सुविधा नहीं मिलती है। खुले नाले के बराबर के बने इस वेंडिंग जोन की हालत काफी खराब हैं। दुकानदारों का कहना है यहां प्रतिदिन सफाई कराने के बाद भी खुला नाला होने के कारण यहां बैठकर लोग खाने-पीने में कतराते हैं। नाला कवर कर दिया जाए तो वेंडिंग जोन दिखने में भी अच्छा लगेगा। सेक्टर-37 में बने वेंडिंग जोन के दुकानदारों ने बताया कि हम हर माह लाइसेंस फीस देते हैं। बदले में हमें भी सुविधा मिलनी चाहिए। अगर अधिकारी वेंडिंग जोन में टीन शेड लगाकर कवर कर दें, तो दुकानदारों व ग्राहकों को काफी सुविधा होगी।

शिवगंगा एक्सप्रेस की चपेट में आकर दो की मौत

इटावा। साहब सिंह को प्लेटफार्म पर चढ़ाने के दौरान साहब सिंह व गुड्डू दोनों ट्रेन की चपेट में आ गए। इनमें साहब सिंह की मौके पर मौत हो गई, जबकि गुड्डू घायल हो गया। उसकी इलाज के दौरान सैफई में मौत हो गई। इटावा जिले में रेलवे स्टेशन पर रविवार की देर रात दो व्यापारी शिवगंगा एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। हादसे में दोनों की मौत हो गई। यह दोनों बनारस के रहने वाले हैं। आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार रविवार की रात साहब सिंह (55) व गुड्डू (40) गांव छितौनी, थाना चौबेपुर जनपद बनारस चार-पांच व्यापारियों के साथ मटर लेने इटावा आए थे। रविवार की रात इन्हें किसी ट्रेन से बनारस जाना था। रात 11:24 बजे साहब सिंह लघुशंका करने प्लेटफार्म नंबर तीन को पार कर दूसरी ओर गए थे। लौटकर प्लेटफार्म नंबर तीन पर चढ़ना चाह रहे थे। उसी दौरान प्लेटफार्म नंबर तीन पर कानपुर जाने वाली नॉन स्टापेज ट्रेन आ गई। साहब सिंह को प्लेटफार्म पर चढ़ाने के दौरान साहब सिंह व गुड्डू दोनों ट्रेन की चपेट में आ गए। इनमें साहब सिंह की मौके पर मौत हो गई, जबकि गुड्डू घायल हो गया। उसकी इलाज के दौरान सैफई में मौत हो गई।

गांधी जी से अहिंसा तो शास्त्री जी से सीखें शालीनता

गाजीपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर जिलेभर में कार्यक्रम आयोजित हुए। रायफल क्लब सभागार कक्ष में मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने कहा कि जहां महात्मा गांधी ने हमसब को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाया, वहीं लाल बहादुर शास्त्री के जीवन से सौम्यता एवं शालीनता के पथ पर चलते रहने राह मिली। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने कहा कि इन दो महान विभूतियों ने जिस प्रकार अपने जीवन को जीया है उनके आदर्शों को आज हम अपने जीवन में आत्मसात करते हुए कार्य करें यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह, सीडीओ संतोष कुमार वैश्य, एडीएम अरूण कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी सदर प्रखर उत्तम आदि उपस्थित थे।

कृषि विज्ञान केंद्र, पीजी कॉलेज में स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह की अगुवाई में आमघाट स्थित पार्क में स्थापित महात्मा गांधी के प्रतिमा और शास्त्री नगर चौक पर स्थापित लाल बहादुर शास्त्री की आदमकद मूर्ति पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सपा के जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में ध्वजारोहण, विचार गोष्ठी एवं माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संचालन जिला सचिव एवं मीडिया प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव ने किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अध्यक्ष सुनील राम के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने महापुरुषों की जयंती पर आमघाट गांधी पार्क स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के मूर्ति पर पुष्प अर्पित की।

पूर्व सांसद एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मसूरिया दिन पासी के चित्र पर माल्यार्पण कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रतिमा के समक्ष गोष्ठी कर, बहलोलपुर, जंगीपुर की दलित बस्ती में भोजन कर उन्हें याद किया। स्वामी सहजानंद पीजी कालेज में गांधी और अहिंसा विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. वी के राय ने कहा कि बुद्ध और गांधी के देश ने विश्व को अहिंसा का अनुपम उपहार दिया। समाज शास्त्र विषय के अध्यक्ष प्रो. अवधेश नारायण राय ने कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर हमें व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक जीवन में सरलता-सादगी, सुचिता, स्वच्छता, कर्तव्यनिष्ठा जैसे सूत्रों को आत्मसात करना होगा। यही तभी इन महापुरुषों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। संचालन राजनीति शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. कृष्णा नंद चतुर्वेदी ने किया।

श्री चित्रगुप्त वंशीयसभा सभा ददरी घाट ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के मूर्ति पर किया माल्यार्पण किया। श्री चित्रगुप्त वंशीयसभा ददरी घाट के पदाधिकारी ने जन सहभागिता के साथ नगर के क्रमशः आमघाट पार्क एवं शास्त्री नगर चौराहे पर स्थित मूर्तियों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट आनंद शंकर श्रीवास्तव तथा संचालन मंत्री अजय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

संस्था के मंत्री अजय कुमार श्रीवास्तव, पूर्व प्राचार्य डॉ रमाशंकर लाल एवं पूर्व प्राचार्य डॉ केपी श्रीवास्तव अनिल श्रीवास्तव एडवोकेट ,नीरज श्रीवास्तव , शिव शंकर सिन्हा, प्रमोद सिन्हा, सुनील दत्त श्रीवास्तव, विभोर श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

पीआरडी जवानों ने 70 किमी दूर ड्यूटी लेने से खड़े किए हाथ

फर्रुखाबाद। लखनऊ निदेशालय से पीआरडी जवानों की 70-80 किमी दूर ड्यूटी लगा दी है। इससे परेशान जवानों ने ड्यूटी से हाथ खड़े कर दिए। उन्होंने गृह ब्लॉक में ड्यूटी देने के लिए मुख्यमंत्री, डीएम व सीडीओ से गुहार लगाई। जनपद में करीब 435 पीआरडी जवान हैं। प्रति माह 268 जवानों को ड्यूटी मिलती है। इसमें 198 जवानों की विभागीय ड्यूटी लगती है, जबकि 70 को निजी संस्थानों में भेजा जाता है। अभी तक जिला मुख्यालय से ड्यूटी का वितरण किया जाता था। इसमें ड्यूटी के नाम पर आए दिन शिकायतें भी होती रहती थीं। इस माह पहली बार लखनऊ निदेशालय से ड्यूटी लगाकर सूची भेजी गई। ड्यूटी चार्ट देखते ही पीआरडी जवान भौचक्के रह गए। अधिकतर जवानों की दूसरे ब्लॉकों में 50 से 80 किमी दूर ड्यूटी लगी है। इससे परेशान पीआरडी जवान सोमवार को जिला पंचायत के पार्क में एकत्र हुए।

उन्होंने बताया कि 28 जवानों को तो उनके घर से मात्र दो-चार किमी की दूरी पर ड्यूटी मिली, जबकि शेष जवानों की दूसरे ब्लॉकों में दूरस्थ ड्यूटी लगा दी है। वर्ष में बमुश्किल तीन-चार माह ही काम मिलता है, शेष दिनों में वह लोग मजदूरी करने को मजबूर हैं। 395 रुपये प्रतिदिन भुगतान पर 80 किमी दूर ड्यूटी कैसे हो पाएगी। उन्होंने बताया कि होमगार्ड को 27000 प्रति माह वेतन मिलने के बावजूद ब्लॉक कंपनी में ड्यूटी लगाई जाती है। जबकि पीआरडी जवानों को उनसे आधा भी मानदेय होने पर भी दूसरे ब्लॉकों में भेज दिया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भोजपुर विधायक नागेंद्र सिंह राठौर को सौंपा। इसके अलावा जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी को ज्ञापन देकर मांग की कि पूर्व में जिस तरह जिला मुख्यालय से ड्यूटी दी जाती थी, उसी तरह पोर्टल से भी गृह ब्लॉक में ड्यूटी लगाई जाए। इससे वह लोग परिवार का भरण-पोषण कर सकें। विनोद कुमार तिवारी, सत्यपाल सिंह, आनंद सिंह, प्रमोद कुमार, शिवशंकर मिश्र, अशोक, शिवरतन सिंह, रामनरेश, अभिषेक आदि मौजूद रहे।

चोरों ने बंद घर से उड़ाई नकदी और जेवर

फतेहपुर। थाना क्षेत्र के गांव लहुरीसरांय में चोरों ने बंद घर से नकदी और जेवर पार कर दिए। सूचना पर पहुंचे मकान स्वामी ने पुलिस को तहरीर दी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। गांव निवासी अशोक उत्तम ने बताया कि वह कानपुर में रहकर मकान बनवा रहे हैं। दो दिन पहले पत्नी भी घर में ताला डालकर उनके पास कानपुर गई थी। रविवार रात चोर घर का ताला तोड़कर घुसे। कमरे में रखे अलमारी-बक्से तोड़े। वहां रखे 16 हजार रुपये, सोने की चेन, मंगलसूत्र, कान की झुमकी, अंगूठी, चांदी की माला, पायल सहित अन्य कीमती सामान चुरा ले गए। सोमवार को पड़ोसियों की सूचना पर गांव पहुंचे। घर का सारा सामान बिखरा था। उन्होंने लगभग तीन लाख रुपये की चोरी होने की आशंका जताई है। प्रभारी निरीक्षक अनिरुद्ध दुबे ने बताया कि चोरों की तलाश की जा रही है।

दरिंदगी के बाद व्यवस्था की प्रताड़ना झेल रही शिक्षिका

ग्रेटर नोएडा। स्कूल मालिक की दरिंदगी का शिकार हुई शिक्षिका को व्यवस्था की प्रताड़ना भी झेलनी पड़ रही है। पीड़िता की शिकायत पर पहले रिपोर्ट दर्ज करने में देरी हुई फिर तीन दिन बाद सोमवार को मेडिकल परीक्षण के लिए बुलाया गया। पीड़ित शिक्षिका को जिला अस्पताल से भंगेल सरकारी अस्पताल व भंगेल से जिला अस्पताल टरकाया। पीड़िता को दो-दो बार दोनों अस्पताल जाना पड़ा तब जाकर लगभग सात घंटे में पीड़िता का मेडिकल परीक्षण हुआ।

सेक्टर निवासी शिक्षिका ने बीटा-2 थाने में स्कूल मालिक पर दुष्कर्म का केस दर्ज कराया था। शिक्षिका का आरोप है कि वह लगभग दो साल से स्कूल में पढ़ाती हैं। फरवरी में स्कूल मालिक मोहित नागर ने उन्हें अपने दफ्तर में बुलाया और अश्लील बातें करने लगा। शिक्षिका ने विरोध किया तो आरोपी ने बंधक बनाकर उनके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने पीड़िता की अश्लील वीडियो क्लीपिंग तैयार कर ली और वायरल करने की धमकी देकर लगभग छह माह तक यौन शोषण करता रहा। आरोपी की दरिंदगी से पीड़िता काफी परेशान रहने लगी। पीड़िता के पति और बच्चों को जान से मारने की धमकी देता था। पति को सारी जानकारी देने के बाद पीड़िता ने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने तीन दिन बाद मीडिया में मामला आने पर शुक्रवार को केस दर्ज किया। सोमवार को मेडिकल परीक्षण कराने के लिए पुलिस पीड़िता को सुबह दस बजे जिला अस्पताल लेकर गई। लेकिन वहां कहा गया कि ग्रेटर नोएडा के मामले में मेडिकल परीक्षण भंगेल में होगा। इसके बाद पीड़िता पुलिस के साथ भंगेल पहुंची। वहां से फिर जिला अस्पताल भेज दिया गया। इसके बाद फिर से पीड़िता को भंगेल अस्पताल भेजा गया।

ग्रेनो की ईशा को भी मिला सोनिया अख्तर जैसा दर्द

ग्रेटर नोएडा। सोनिया अख्तर की तरह पति की बेवफाई का दर्द ग्रेनो की ईशा को भी मिला है। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र की सोसाइटी में दस साल के मासूम बेटे के साथ रहने वाली ईशा को छोड़कर पति राहुल 16 महीने पहले ओमान चला गया। आरोपी ने महिला से संपर्क तोड़ लिया है और संबंध विच्छेद के लिए दबाव बना रहा है। ईशा ने पति पर किसी दूसरी महिला से शादी करने या गैर कानूनी गतिविधियों में लिप्त होने का आरोप लगाया है। लगभग छह महीने की काउंसलिंग के दौरान न तो आरोपी पति पारिवारिक विवाद निस्तारण केंद्र पहुंचा और न ही उसके परिजन यहां आए। सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने मामले में आरोपी पति और ससुराल वालों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की है।

ईशा ने बताया कि वह और उसके पति राहुल मूलरूप से दिल्ली के रहने वाले हैं। परिजन की रजामंदी से 14 साल पहले ईशा और राहुल का विवाह हुआ था। राहुल नोएडा की एक आईटी कंपनी में जॉब करता था। आठ साल पहले दंपती ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर क्षेत्र की एक कालोनी में आकर रहने लगे थे। अब दंपती का एक दस साल का बेटा है। सूरजपुर कोतवाली में दर्ज की गई एफआईआर में ईशा ने लिखा है कि जुलाई 2022 में राहुल ने कहा था कि उसे ओमान में एक अच्छी नौकरी मिली है। राहुल ने उससे वादा किया कि वह पहले वहां जाकर ज्वाइन करेगा और एक दो महीने में ईशा व बेटे को साथ लेकर ओमान चला जाएगा। लेकिन इसके बाद से राहुल पत्नी और बेटे के पास नहीं लौटा। ईशा न्याय के लिए भटक रही है। ईशा ने शक जाहिर किया है कि राहुल ने ओमान जाकर दूसरी युवती से विवाह कर लिया और वह उससे तलाक लेना चाहता है। राहुल ने ईशा को धमकी दी है कि वह उसे संपत्ति से भी हिस्सा नहीं देगा। उसके बेटे को केवल 18 साल का होने तक पढ़ाई का खर्च देगा। ईशा ने पुलिस से कहा है कि उसे न्याय नहीं मिला और वीजा आदि मिल गया तो वह ओमान जाकर न्याय की लड़ाई लड़ेगी।

वीपीएन का प्रयोग कर करता है कॉल

ईशा ने एफआईआर में आरोप लगाया है कि लोकेशन ट्रैस होने से बचने के लिए उसका पति वीपीएन (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) का प्रयोग करता है। इससे ईशा को शक है कि उसका पति किसी गैर कानूनी गतिविधियों में भी लिप्त है। ईशा ने अप्रैल में पुलिस को आरोपी के खिलाफ शिकायत दी थी। पुलिस ने इस मामले में पारिवारिक विवाद निस्तारण केंद्र भेज दिया। यहां काउंसलिंग के लिए कई तिथि देकर राहुल व उसके परिवार के लोगों को बुलाया गया। लेकिन कोई काउंसलिंग में नहीं पहुंचा।

अपंजीकृत तीन क्लीनिक सील

इटावा। कस्बा सरसईनावर में प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान तीन अपंजीकृत क्लीनिकों को सील कर दिया। एक संचालक अपनी डिग्री नहीं दिखा सका। वहीं, दो टीम को देखकर क्लीनिक से भाग खड़े हुए। सोमवार को तहसीलदार मोहम्मद असलम व प्रभारी राजस्व निरीक्षक रोहित कुमार व स्वास्थ्य टीम सीएचसी अधीक्षक डॉ. उदय प्रताप सिंह, डॉ. तेज प्रताप सिंह व स्टाफ नर्स हरिनरायण शुक्ला ने कस्बे में छापामार अभियान चलाया। सबसे पहले आयुष्मान क्लीनिक पर टीम पहुंची। वहां ऐलोपैथिक दवाएं मिलीं। संचालक अजय दिवाकर के पास से कोई डिग्री या क्लीनिक पंजीकरण के कागज नहीं मिले। क्लीनिक में एक बेड पर बच्ची को ड्रिप लगाई जा रही थी।, इसके साथ ही चार मरीज दिखाने के लिए बैठे मिले।

मौके से लोपेरामाइड टेबलेट के साथ बेटनीसोल इंजेक्शन भी मिले। क्लीनिक संचालक के पास स्नातक की डिग्री मिली। वह स्वास्थ्य से संबंधित कोई डिग्री व डिप्लोमा नहीं दिखा सका। दो झोलाछाप टीम को आता देखकर शटर गिराकर भाग खड़े हुए। तहसीलदार ने दोनों झोलाछाप के क्लीनिकों को सील कर दिया। झोलाछाप अपनी बाइक छोड़कर भाग गया। पुलिस ने बाइक को लावारिस में कार्रवाई करते हुए थाने भिजवा दिया।

प्रेमी ने घर में घुसकर की थी पिंकी की हत्या, मुठभेड़ में लगी गोली

ग्रेटर नोएडा। हबीबपुर गांव में पिंकी (23) की हत्या के मामले में पुलिस का दावा है कि कन्नौज निवासी प्रेमी सुमित ने उसकी हत्या की है। सोमवार को मुठभेड़ के बाद पुलिस ने सुमित और उसके चचेरे भाई कौशल को गिरफ्तार किया है। शनिवार रात सुमित पिंकी से मिलने उसके घर पर गया था। पिंकी ने ही अंदर से दरवाजा खोला। इसके बाद किसी बात पर विवाद होने पर आरोपी ने ईंट से पहले सिर और फिर चेहरे पर कई वार कर हत्या कर दी। आरोपी घर से नकदी-आभूषण लूटकर भाग गया। पिंकी के पास सो रहे परिजन को इसकी जानकारी नहीं हुई। अगले दिन रविवार को ग्रामीण ने हत्या की जानकारी थाने पर दी। इस वजह से खुलासे को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। डीसीपी सुनीति और एडीसीपी डॉ. राजीव दीक्षित ने बताया कि पिंकी की हत्या के खुलासे के लिए तीन टीमों का गठन किया गया था। आरोपी सुमित से पूछताछ के बाद पता चला कि उसकी पिंकी से डेढ़ दो साल से पहचान थी। वह पहले पिंकी के घर में ही किराये पर रहता था, लेकिन दोनों के संबंध की जानकारी होने पर वह गांव में ही दूसरे घर में किराये पर रहने लगा था, लेकिन पिंकी के घर अक्सर मिलने आता था। शनिवार रात भी वह पिंकी से मिलने आया था। पिंकी ने ही दरवाजा खोलकर उसे अंदर बुलाया, लेकिन किसी बात पर दोनों में विवाद हो गया। दरवाजे के पास रखी ईंट से वारकर सुमित ने पिंकी की हत्या कर दी। आरोपी घर से एक बैग लूटकर ले गया। इसमें दो लाख के सोने-चांदी के आभूषण और 15 हजार रुपये और आधार कार्ड आदि सामान थे। आरोपी ने बैग चौगानपुर के पास कहीं छुपा दिए थे। पुलिस ने सुमित और कौशल को सोमवार को संगम विहार, दिल्ली से गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपी की निशानदेही पर बरामदगी के लिए चौगानपुर पुलिस चौकी से आगे सीएनजी पंप के पास ले गई। पुलिस ने नकदी, आभूषण और पिंकी का मोबाइल बरामद किया है।

पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनकर आरोपी ने चलाई गोली

चौगानपुर में बैग और सामान की बरामदगी के दौरान आरोपी ने पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनकर गोली चलाई। इसमें पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गया। जवाबी कार्रवाई में सुमित के पैर में गोली लगी। पुलिस का कहना है कि वारदात के बाद आरोपी सामान छुपाकर कौशल के साथ दिल्ली चला गया था। पुलिस का कहना है कि पिंकी की दिसंबर में शादी होनी थी, आरोपी इससे खुश नहीं था। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद की बात सामने आ रही है।

यह सवाल भी उठ रहे

- पिंकी के कमरे में उसकी मां-बहन भी सो रही थी लेकिन उन्हें घटना की जानकारी नहीं हुई।
- सुमित के घर में आने और वारदात कर फरार होने के परिवार के अन्य सदस्यों को जानकारी नहीं हुई।
- परिजन ने घटना की सूचना पुलिस को नहीं दी, एक ग्रामीण ने थाने जाकर हत्या की सूचना दी।
- पिंकी ने दरवाजा खोलकर सुमित को बुलाया तो ऐसा क्या विवाद हुआ कि चेहरा कुचलकर हत्या की।
- घर में लगे सीसीटीवी के तार किसने हटाए थे।
- पिंकी के पिता की मौत भी एक राज है, ग्रामीण उनकी की हत्या की आशंका जता रहे थे।

यह है पूरा मामला

हबीबपुर गांव में पिंकी, मां प्रकाशो देवी और अन्य परिजनों के साथ रहती थी। शनिवार रात पिंकी घर की दूसरी मंजिल पर मां, बड़ी बहन और उनकी बेटी के साथ कमरे में सो रही थी। रात में ही ईंट से चेहरा कुचलकर व सिर में वारकर पिंकी की हत्या कर दी गई। रविवार सुबह शव दूसरे कमरे में लहूलुहान हालत में पड़ा मिला, लेकिन परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को नहीं दी।

सुबह लगभग करीब छह बजे पिंकी को परिजन दादरी लेकर गए थे। बताया गया है कि वह किसी निजी अस्पताल में गए थे और बाद में वापस गांव आए। पिंकी की हत्या की सूचना पड़ोस में रहने वाले ग्रामीण सुबह लगभग 8:40 पर थाने जाकर पुलिस को दी। पिंकी के पिता जीत सिंह की डेढ़ साल पहले संदिग्ध हालत में मौत हुई थी। इससे पहले पिंकी के एक भाई की भी मौत हो चुकी है।

30 हजार में 12वीं और 80 हजार में बनाते थे इंजीनियर, 5000 जारी कर चुके फर्जी अंकपत्र; तीन गिरफ्तार

गाजियाबाद। कोरियर कंपनी से लोगों के घर पर कोरियर कराने के बाद कंपनी की वेबसाइट से डाटा भी डिलीट करा देते थे। 2020 से अब तक आरोपी पांच हजार से अधिक लोगों को फर्जी मार्कशीट बनाकर दे चुके हैं। बताया जा रहा है कि यह आंकड़ा और बढ़ेगा, क्योंकि अभी आरोपियों के पुराने रजिस्टर नहीं मिले हैं। पुलिस ने फर्जी मार्कशीट बनाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा किया है। आरोपी 20 हजार में हाईस्कूल, 30 हजार में 12वीं और 80 हजार रुपये में बीटेक की फर्जी मार्कशीट बनाकर देते थे। इसके बाद एक कोरियर कंपनी से लोगों के घर पर कोरियर कराने के बाद कंपनी की वेबसाइट से डाटा भी डिलीट करा देते थे। 2020 से अब तक आरोपी पांच हजार से अधिक लोगों को फर्जी मार्कशीट बनाकर दे चुके हैं। बताया जा रहा है कि यह आंकड़ा और बढ़ेगा, क्योंकि अभी आरोपियों के पुराने रजिस्टर नहीं मिले हैं।

एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि 26 सितंबर को अनूपशहर के गांव अनीवास निवासी रविंद्र कुमार ने पुलिस को शिकायत देकर बताया था कि 2021 में उसके बेटे ने एक स्कूल से इंटरमीडिएट की पढ़ाई की थी। इसके बाद भारतीय थल सेना की भर्ती के दौरान उसकी मार्कशीट को फर्जी बता दिया था। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की तो फर्जी मार्कशीट बनाने वाले एक गिरोह के बारे में जानकारी मिली। अनूपशहर पुलिस ने मामले में जांच करते हुए डिबाई क्षेत्र के एक मकान से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से विभिन्न शिक्षण संस्थान की 167 मार्कशीट, दो लैपटॉप, 16 मोबाइल, 22 एटीएम कार्ड, फर्जी मार्कशीट बनाने के उपकरण, नकदी बरामद की गई है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना नाम देवेंद्र सिंह निवासी मोहल्ला मंडी हरदेव डिबाई, दिलीप निवासी मोहल्ला सराय किशनचंद्र डिबाई और राहुल सिमैया निवासी पटेल बाई मुन्ताई मध्यप्रदेश बताया। गिरफ्तार आरोपी राहुल ने पुलिस को बताया कि पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों को अच्छे नंबर की मार्कशीट बनाकर देते थे। इसके लिए उन्होंने कीमत तय कर रखी थी और यदि कोई युवक कुछ रुपये कम देने की बात करता था उसे भी मार्कशीट बनाकर दे देते थे। अभी तक वह हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, बीटेक, बीकॉम, बीएससी समेत अन्य कोर्सों की पांच हजार से ज्यादा फर्जी मार्कशीट बना चुके हैं। स्कूल कॉलेज की पुरानी मार्कशीट लेकर उन्हें स्कैन करते थे। उसके बाद मोहर लगाकर लोगों को कोरियर से भेज देते थे, जिससे उसके फर्जीवाड़े की पहचान नहीं हो पाती थी।

फर्जी वेबसाइट से देते थे झांसा, कई राज्यों में हैं कार्यालय

गिरफ्तार आरोपी राहुल ने पुलिस को बताया कि वह गिरोह बनाकर पूरे फर्जीवाड़े को अंजाम देते हैं। इसके लिए विभिन्न स्कूल-कालेजों की वेबसाइट पर विजिट करने वाले लोगों के फोन नंबर प्राप्त कर उनसे बात कर अच्छे नंबर की मार्कशीट बनवाने का झांसा दिया जाता था। इसके लिए उन्होंने राजस्थान, पंजाब, दिल्ली, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु में अपने कार्यालय खोल रखे हैं। बताया कि फर्जीवाड़े में जयपुर व लुधियाना निवासी दो अन्य आरोपी भी उनका सहयोग करते हैं। गिरफ्तार आरोपी देवेंद्र डिबाई के एक निजी स्कूल में 10 साल से अधिक समय तक प्रधानाचार्य के पद पर रहा है। जबकि स्कूल की मान्यता रद्द होने के बाद उसे स्कूल से निकाल दिया गया था। आरोपी के खिलाफ डिबाई थाने में जुआ अधिनियम समेत अन्य मामलों में तीन मुकदमे दर्ज हैं।

20 हजार से अधिक हो सकती है ठगी से पीड़ितों की संख्या

उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, पंजाब समेत अन्य राज्यों में आरोपियों ने पिछले तीन वर्षों में बड़े स्तर पर गोरखधंधा शुरू कर दिया था। पहले आरोपी स्कूल-कालेजों की फर्जी वेबसाइट बनाते थे और फिर लोगों से संपर्क कर उनसे ठगी करते थे। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि जो विद्यार्थी पढ़ाई में अच्छे नहीं होते थे और परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी होती थी, वह आसानी से रकम देने को तैयार हो जाते थे। बताया जा रहा है कि अभी पुलिस करीब 15 फीसदी ही जांच कर सकी है, जबकि पूरी जांच के लिए एसपी देहात के निर्देशन और सीओ अनूपशहर के नेतृत्व में एक एसआइटी का गठन किया गया है। एक माह में एसआइटी जांच पूरी करने के बाद रिपोर्ट एसएसपी को देगी। इसके बाद ही फर्जी मार्कशीट के असली आंकड़ों का खुलासा हो सकेगा।

पीडब्ल्यूडी के नोटिस मिलने पर अतिक्रमणकारियों में खलबली

टूंडला। शहर के वीआईपी रोड से अतिक्रमण ध्वस्त कराने के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा भेजे नोटिस प्राप्त होते ही अतिक्रमणकारियों में खलबली मच गई है। अतिक्रमण अभियान न चले इसके लिए राजनीतिक रसूक रखने वाले लखनऊ से लेकर दिल्ली तक दौड़ लगा रहे हैं। वहीं कुछ लोग हाईकोर्ट की शरण में जाने की बात कह रहे हैं। प्रयागराज मंडल का प्रमुख टूंडला रेलवे स्टेशन का विश्वस्तर पर पुनर्निर्माण किया जा रहा है। 42.10 करोड़ की लागत से स्टेशन को भव्य रूप देते हुए कायाकल्प किया जा रहा है। 70-70 फीट की चौड़ी सड़कें, भारतीय लुक में स्टेशन का भवन व अन्य सुविधाओं से सुसज्जित किए जाने का कार्य युद्धस्तर पर शुरू हो गया है। वहीं शहर के प्रमुख वीआईपी मार्ग के संकुचित होने के साथ ही अतिक्रमण के चलते अधिकतर जाम के हालात बने रहते हैं। आगरा कमिश्नर रितु माहेश्वरी के निर्देश पर डीएम डॉ. उज्वल कुमार ने टूंडला शहर को अतिक्रमण मुक्त कराने के आदेश जारी किए हैं। इसी के तहत में पीडब्ल्यूडी ने अपनी डिवाइडर से 55-55 फीट जगह खाली कराने के लिए अतिक्रमणकारियों को 25 सितंबर को नोटिस जारी कर दिए थे। चिह्नित अतिक्रमणकारियों को नोटिस भेजे जा चुके हैं। अवकाश के चलते चिह्नीकरण का कार्य नहीं हो सका है। जल्द ही गठित कमेटी व पुलिस बल के साथ चिह्नीकरण कर दिया जाएगा। कृपाशंकर यादव, सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी

लोक निर्माण विभाग द्वारा डिवाइडर से 55-55 फीट दोनों ओर जगह खाली कराने के लिए अतिक्रमणकारियों को नोटिस भेज दिए हैं। नोटिस का समय समाप्त होते ही पीएसी व व्यापक पुलिस फोर्स के साथ सख्ती से अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया जाएगा। सत्येंद्र सिंह, उप जिलाधिकारी, टूंडला

संक्षिप्त समाचार

स्वच्छता जागरूकता अभियान के उदघाटन कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण

बहराइच। उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में महात्मा गांधी जी के जन्मदिवस 02 अक्टूबर के उपलक्ष्य में 02 से 08 अक्टूबर 2023 तक आयोजित होने वाले स्वच्छता जागरूकता अभियान का इलाहाबाद उच्च न्यायालय स्थित वीडियो कान्फ्रेंसिंग कक्ष में उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष द्वारा उदघाटन किया गया। दीवानी न्यायालय सभागार में उद्घाटन कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। इस अवसर पर परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायधीश शेष मणि, प्रथम अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश राम प्रकाश पाण्डेय, विशेष न्यायधीश एससी/एसटी एक्ट इन्द्र प्रकाश, अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश (पाक्सो एक्ट) वरूण मोहित निगम, अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश (एफ.टी.सी.)/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विराट शिरोमणि, अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश आनन्द शुक्ला, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवेन्द्र कुमार मिश्रा व अन्य न्यायिक अधिकारी, पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा तथा बार के पदाधिकारी व सदस्यगण मौजूद रहे।

विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में निकाली गई स्वच्छता जागरूकता रैली

बहराइच। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में 02 से 08 अक्टूबर 2023 तक आयोजित होने वाले स्वच्छता ही सेवा एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान की जनजागरूकता हेतु तारा महिला इण्टर कालेज की छात्राओं द्वारा ए.डी.आर. भवन से जागरूकता रैली निकाली गई। इस अवसर पर अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विराट शिरोमणि ने महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर तारा महिला इण्टर कालेज मे छात्राओं को स्वच्छता ही सेवा की शपथ दिलायी गयी। इस अवसर पर कालेज की प्रधानाचार्या, शिक्षिकाएं, पी.एल.वी. आशीष कुमार वर्मा तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी उपस्थित रहे। स्वच्छता पखवाड़े के अन्तर्गत तहसील विधिक सेवा समितियों में भी विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया एवं प्रभात फेरी निकाली गयी।

धान खरीद समीक्षा बैठक 04 अक्टूबर को

बहराइच। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में मूल्य समर्थन योजना अन्तर्गत धान खरीद की समीक्षा हेतु 04 अक्टूबर 2023 को मध्यान्ह 12:00 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता बैठक आहूत की गई है। यह जानकारी देते हुए जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि धान खरीद से सम्बन्धित अद्यतन सूचनाओं के साथ ससमय बैठक में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

सेवानिवृत्त कर्मी को डीएम ने सपरिवार दी विदाई

बहराइच। जिलाधिकारी शिविर कार्यालय पर कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कार्मिक इन्द्र बहादुर द्वारा अधिवर्षता की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर जिलाधिकारी मोनिका रानी व परिवार के अन्य सदस्यों ने अंगवस्त्र, वाकिंग स्टिक, धार्मिक पुस्तक, स्मृतिचिन्ह, पुष्पगुच्छ, मिष्ठान व अन्य उपहार भेंट कर सम्मानित ही नहीं किया बल्कि सपरिवार अपने सरकारी आवास से बाहर आकर सेवानिवृत्त कार्मिक को वाहन पर सवार कर परिवार के बुजुर्ग की भांति पूरे सम्मान के साथ गन्तव्य की ओर रवाना किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी के विशेष कार्याधिकारी के.के. श्रीवास्तव सहित शिविर कार्यालय पर कार्यरत सभी कार्मिक व सुरक्षा कर्मी मौजूद रहे।

चोरी कर सामान ठेले पर लाद रहा था चोर, ग्रामीणों ने पकड़ा

गाजीपुर। गहमर कोतवाली क्षेत्र के भदौरा गांव स्थित एक मकान में रविवार की रात घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे एक चोर को ग्रामीणों ने धर- दबोचा। जमकर धुनाई करने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। भदौरा गांव निवासी राजाराम कुशवाहा ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि देर रात एक चोर घर में घुस गया। साथ ही रखा हुआ पाइप, दो साइकिल, बाल्टी, लोहे का एंगल सहित अन्य सामान उठाकर ठेले पर लादकर जाने लगा। इधर रमेश सिंह मौर्य की नजर जब चोर पर पड़ी तो उन्होंने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया गया। आवाज सुनकर ग्रामीण भी घटना स्थल पर पहुंच गए और चोर की जमकर धुनाई शुरू कर दी। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि चोर सोनू ठेकेदार के घर में घुसकर अहाते में रखा हुआ लोहे का राड, राजाराम कुशवाहा के घर से दो साइकिल और सिंचाई के लिए रखा हुआ करीब 700 मीटर पाइप, ट्रैक्टर का सामान, गंगासागर कुशवाहा के सबमर्सेबुल का पाइप व अन्य कीमती सामान लादकर ले जा रहा था, जिससे रंगे हाथ पकड़ लिया गया। पूछताछ में चोर ने अपना नाम याहर कोतवाली के मीर अशरफ अली मुहल्ला निवासी सलीम सुलेमानी उर्फ कल्लू बताया। इस संबंध में गहमर कोतवाल पवन कुमार उपाध्याय ने बताया कि मुकदमा दर्जकर विधिक कार्रवाई की जा रही है। चोरी का सामान भी बरामद कर लिया गया है। मामले की छानबीन चल रही है।

बारिश से वाराणसी में मौसम का मिजाज बदला, पूरे पूर्वांचल में दो दिन भारी बारिश की चेतावनी

गाजीपुर। वाराणसी में सुबह की शुरुआत बारिश के साथ हुई। आसमान में बादलों का डेरा है। इससे मौसम खुशनुमा हो गया है। इधर, मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक वाराणसी समेत पूरे पूर्वांचल में बिजली गिरने के साथ भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वाराणसी समेत आसपास के जिलों में सोमवार सुबह से मौसम का मिजाज बदला-बदला नजर आ रहा है। वाराणसी में सुबह की शुरुआत बारिश के साथ हुई। आसमान में बादलों का डेरा है। इससे मौसम खुशनुमा हो गया है। इधर, मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक वाराणसी समेत पूरे पूर्वांचल में बिजली गिरने के साथ भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वाराणसी में रविवार को भी बारिश हुई थी। इससे लोगों ने गर्मी से राहत तो महसूस की लेकिन कई सड़कों पर जलभराव होने से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। रविवार का अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

शादी टूटने पर युवक कर रहा बदनाम, केस दर्ज

गोरखपुर। इलाके में रहने वाली युवती की शादी टूटने के बाद मंगेतर उसे सोशल मीडिया पर बदनाम कर रहा है। जबकि, अब युवती की शादी हो चुकी है। मां का आरोप है कि बेटी की शादी उन्होंने पहले पिपराइच क्षेत्र के गोविंद जायसवाल से तय की थी। लेकिन, शादी से पहले ही पता चला कि गोविंद प्रतिदिन शराब पीता है और जुआ खेलने का आदी है। इस वजह से शादी तोड़कर दूसरी जगह कर दी गई। आरोप है कि शादी के बाद गोविंद इंस्टाग्राम व फेसबुक पर फोटो के साथ वीडियो बनाकर अभद्र तरीके से डाल रहा है। उसका गांव में भी आना जाना है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पहले पति की लाश से लिपटकर खूब रोई, पकड़ी गई तो बोली-वीरू के बिना नहीं जी सकती

गाजीपुर। स्वतंत्र भारती हत्याकांड में पकड़ी गई मृतक की पत्नी कंचन का दोहरा चरित्र सामने आया। पहले पति की योजना बनाकर हत्या कराई फिर उसके शव पर फूट-फूट कर रोई। कॉल डिटेल्स खंगालने पर शक के दायरे में आई कंचन ने सख्ती के बाद पूरी सच्चाई उगल दी और बोली वह वीरु के बिना नहीं रह सकती थी, उससे प्यार करती है। हालांकि वीरू अभी फरार चल रहा है।

पुलिस के मुताबिक हत्या के करीब आधा घंटा पहले स्वतंत्र के फोन पर कंचन की कॉल गई थी। 10 मिनट तक बात की। पुलिस ने इस बारे में कंचन से बात की तो उसने कहा कि उसने स्वतंत्र को चॉकलेट लाने के लिए भेजा था। इसके बाद कंचन की कॉल रिकॉर्ड को खंगाली तो मामला सामने आ गया। उसने पति को फोन करने के बाद वीरू को फोन किया था। वीरू कौन है का जवाब जानने की कोशिश की तो उसने उसे अपना दोस्त बताया। लेकिन सख्ती करने परव पूरी कहानी बता दी। बोली वह उससे प्यार करती थी। दूसरी जाति का होने के कारण उसकी शादी वीरु से परिवार के लोगों ने नहीं की। मेरी शादी स्वतंत्र से मेरी मर्जी के खिलाफ की गई थी। शादी के बाद वीरू मेरे बिना नहीं रह पा रहा था। मैं भी उसके बिना नहीं रह पा रही थी। हमारी रोज बात होती थी। एक रोज वीरू ने मुझसे बात की और खूब रोया। मैं उसका दर्द नहीं देख सकती थी। मैं उसके साथ ही रहना चाहती थी। इसलिए मैंने वीरू को कहा कि स्वतंत्र को मार डालो। इसके बाद वीरू ने मुझे पूरी प्लानिंग बता दी। वह उसे गोली मारने वाला था। उस दिन उसने मुझसे कहा कि किसी तरह स्वतंत्र को बिहारीगंज जाने वाली सड़क पर भेजो। वो रास्ता सुनसान होता है। तो मैंने स्वतंत्र को चॉकलेट लाने की जिद की। उससे कहा कि महंगी चॉकलेट लाना। वह जब दुकान से निकला था, तभी मुझे वीरू ने बता दिया था कि आज इसका काम तमाम हो जाएगा।

गॉधी जी व शास्त्री जी के जीवन आदर्शों को आत्मसात करना ही सच्ची श्रद्धांजलि-जिलाधिकारी

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच। गॉधी जयन्ती के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी जी तथा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती की शुभकामनाएं एवं बधाई देते कहा कि गॉधी जी व शास्त्री जी के सत्य और अहिंसा पर आधारित विचार हमेशा प्रासंगिक रहेंगे। सादा जीवन उच्च विचार, मितव्ययिता, नैतिकता, भाई-चारा तथा सर्वधर्म संभाव जैसे आदर्श जीवन मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा हमें महात्मा गॉधी जी से मिलती है। मोनिका रानी ने सभी का आहवान किया कि किसी दूसरे की आलोचना किये बिना हम जहॉ पर भी हैं, अपने कर्तव्यों का निर्वहन भली प्रकार से करें यही देश के शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। डीएम ने कहा कि हमें गॉधी जी व शास्त्री जी के आदर्शों का संकल्प लेकर पूरी जिम्मेदारी के साथ देश की उन्नति के लिए कार्य करना होगा।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए एम.एल.सी. डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी ने कहा कि हम सभी अपनी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी के साथ निभाने की प्रेरणा गांधी जी व शास्त्री जी के जीवन से मिलती है। उन्होंने लोगों का आहवान कि हमें मा. प्रधानमंत्री जी व मुख्यमंत्री जी के विज़न के अनुसार आत्म निर्भर बनना होगा। सदर विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल ने कहा कि 02 अक्टूबर ऐसी तिथि है जिस दिन देश ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व की दो महान विभूतियां महात्मा गांधी जी व लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्मदिवस है। श्रीमती जायसवाल ने कहा कि मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा सम्पूर्ण भारत में स्वच्छता अभियान संचालित कर बापू को स्वच्छांजलि अर्पित की जा रही है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य राजस्व अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र, नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर, प्रशिक्षु पीसीएस प्रिन्स वर्मा, ईदगाह के इमाम मौलाना वलीउल्लाह, डॉ. राधेश्याम पाण्डेय, कलेक्ट्रेट कर्मी गुलाम अली शाह, फादर प्रकाश सौरंग सहित अन्य वक्ताओं ने गांधी जी व शास्त्री जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। जबकि लक्ष्मीकान्त त्रिपाठी 'मृदुल', आज़न बहराइची, नज़र बहराइची, मंज़ूर बहराइची, भानू जायसवाल सहित अन्य कवियो एवं शायरों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत रचनाएं प्रस्तुत की गई। डा. वेद मित्र शुक्ल ने गांधी जी के प्रिय भजन ''रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीता राम'' को बॉसुरी वादन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी ने एम.एल.सी. व सदर विधायक के साथ स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी आश्रित तारिक बेग, ज़मीला, राजू मिश्रा व कर्मवीर सिंह व अन्य को पुष्पगुच्छ, मिष्ठान व शाल भेंट कर सम्मानित किया तथा राष्ट्रगान प्रस्तुत करने वाली माण्टेसरी स्कूल की छात्राओं को पुरस्कृत भी गया। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने कलेक्ट्रेट में ध्वजारोहण किया तदोपरान्त अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों व संभ्रान्तजन के साथ गांधी जी व शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात डीएम ने जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ त्रिमूर्ति स्थल पर जाकर माल्यार्पण किया गया।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम का संचालन कलेक्ट्रेट कर्मी संदीप मिश्र ने किया। इस अवसर पर लीड बैंक प्रबन्धक जितेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, जिला पर्यटन सूचना अधिकारी मनीष श्रीवास्तव, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी, कलेक्ट्रेट एवं कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी, गणमान्य व संभ्रान्तजन मौजूद रहे।

बगैर मर्जी के विवाह से खफा थी, प्रेमी से कराई थी पति की हत्या

गाजीपुर। खानपुर थाना क्षेत्र के सिधौना गांव निवासी व्यापारी स्वतंत्र भारती की हत्या उसकी पत्नी ने ही प्रेमी और उसके साथियों से मिलकर करवाई थी। वजह बिना इच्छा उसकी शादी व्यापारी से हुई थी, जबकि वह अपने प्रेमी के साथ रहना चाहती थी। पुलिस ने हत्याकांड में शामिल मृतक की पत्नी और दो हत्यारोपियों को धर-दबोचा। जबकि मुख्य आरोपी प्रेमी को दबोचने के लिए पुलिस की दो टीम संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। सोमवार को हत्याकांड का खुलासा एसपी ओमवीर सिंह ने पत्रकार वार्ता के दौरान किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बीते 29 सितंबर की शाम मोबाइल दुकानदार व्यापारी स्वतंत्र भारती की बाइक सवार हत्यारों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने छानबीन शुरू की तो घटना स्थल के आस-पास काम कर रही महिलाओं से बातचीत और पूछताछ में हत्यारोपियों हुलिया और पोशाक की जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस ने जब हत्याकांड की कड़ी जोड़नी शुरू की तो मृतक की पत्नी के हत्याकांड में शामिल होने की जानकारी मिली। इसके बाद मृतक और उसकी पत्नी का मोबाइल खंगाला गया तो वारदात की परत दर परत खुलती चली गई। एसपी ने बताया कि मृतक स्वतंत्र भारती का विवाह मार्च माह में कंचन गिरी से हुई थी। आरोपी महिला ने पूछताछ में बताया कि वह वीरु से प्रेम करती थी।

शादी मृतक स्वतंत्र भारती से मेरी मर्जी के खिलाफ हुई थी। मैं वीरू के साथ रहना चाहती थी। ऐसे में रास्ते से हटाने के लिए प्रेमी वीरू और उसके साथियों गोविंद एवं गामा के साथ मिलकर साजिश करके पति स्वतंत्र भारती की गोली मरवाकर हत्या करवा दी थी। खानपुर पुलिस, स्वाट और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने चेकिंग के दौरान दिनौरा तिराहा मृतक की पत्नी कंचन गिरी, आरोपी नंदगंज थाना के डिहिया गांव निवासी गोविंद यादव और हकीमपुर सोंथी निवासी गामा बिंद को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही दो तमंचा, दो कारतूस और हत्या में प्रयुक्त बाइक बरामद किया गया।

जनपद में उत्साह के साथ मनाया गया स्वच्छता के लिए श्रमदान कार्यक्रम

जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में ग्राम व नगरों में रही स्वच्छता अभियान की धूम

बहराइच। शहरों और गांवो को स्वच्छ बनाने हेतु सार्वजनिक कार्यो को प्रेरित करने तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के लिए उनकी जयन्ती की पूर्व सन्ध्या पर एक स्वच्छांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आहवान पर आकांक्षात्मक जनपद बहराइच के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों व नोडल अधिकारियों के नेतृत्व में ग्राम पंचायतों, ब्लाकों, तहसील व जिला स्तर पर ''एक तारीख एक घण्टा स्वच्छता के लिए श्रमदान'' कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस स्वच्छता अभिदान का मुख्य फोकस कूड़ा करकट वाले संवेदनशील क्षेत्रों और अधिक आवाजाही वाले स्थानो पर वास्तविक रूप से सफाई गतिविधियों को संचालित करने पर गांव और शहर सुन्दर और स्वच्छ होंगे।

नगर की हृदय स्थल घण्टाघर पार्क में जिलाधिकारी मोनिका रानी ने शासन द्वारा नगर विकास के लिए नामित नोडल अधिकारी उप निदेशक नगर विकास सुनील यादव, नगर पालिका परिषद बहराइच की अध्यक्ष श्रीमती सुधा देवी, भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय, उपाध्यक्ष राघवेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष श्यामकरन टेकड़ीवाल व अन्य पार्टी पदाधिकारियों, गणमान्य व संभ्रान्तजन, स्वैच्छिक संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्यगण, समाजसेवी, व्यापारियो व उद्यमियों, नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर, उप जिलाधिकारी सदर डॉ. पूजा यादव, ई.ओ. प्रमिता सिंह व अन्य अधिकारियों तथा आमजन के साथ श्रमदान में भाग लिया। इस अवसर पर डीएम ने अन्य अतिथियों एवं अधिकारियों के साथ नगर पालिका परिषद बहराइच की ओर से तैयार कराये गये स्वच्छता गीत का विमोचन कर कार्यक्रम स्थल पर स्थापित किये गये बैनर पर हस्ताक्षर कर स्वच्छता हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत की।

''एक तारीख एक घण्टा स्वच्छता के लिए श्रमदान'' कार्यक्रम अन्तर्गत रेलवे ट्रैक के आस पास की झाडियों/कचरा एवं रेलवे स्टेशन, बस अडडा, टोल प्लाजा व आस-पास के क्षेत्रों में सड़क के किनारे की पटरियों, तालाब, पोखर, पुलो के नीचे, बाजार, गलियों, पूजा स्थलो के आस पास का क्षेत्र, सार्वजनिक एवं निजी कार्यालयों के आस पास के क्षेत्र, मुख्य पर्यटन स्थल, वन्य जीव क्षेत्र, गौशाला, आवासीय मुहल्लों, अस्पताल, आंगनबाडी केन्द्रों, स्कूलों एवं कालेजों के आस पास के क्षेत्र, पार्को, खुली जगहों, मुख्य चौराहों एवं गन्दी बस्तियों आदि स्थलों पर विशेष सफाई एवं सिंगिल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबन्ध के साथ अन्य विकल्प हेतु जागरूक किया गया तथा ग्राम पंचायत एवं नगर निकायों के सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों और सार्वजनिक स्थानों की विशेष सफाई की गयी।

सेंगर नदी में नहाते समय किशोर की डूबने से मौत

इटावा। खितौरा गांव में अपने छोटे भाई और दो अन्य साथियों के साथ बकरी चराने गया किशोर सेंगर नदी में नहाते समय डूब गया। पुलिस ने सोमवार को घटना स्थल से करीब सात किमी दूर बीस घंटे बाद लापता किशोर का शव नौगांवा के पास से बरामद किया। पोस्टमार्टम के बाद शव को पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया। खितौरा गांव निवासी अशोक यादव का पुत्र आदित्य (13) कक्षा छह में पढ़ता था। वह रविवार को चार बजे अपने छोटे भाई अमिताभ और गांव के ही अन्य दो बालकों के साथ गांव के पास से निकली सेंगर नदी के किनारे बकरी चराने के लिए गया था। बकरी चराने के दौरान सभी सेंगर नदी में नहाने लगे। आदित्य यादव ज्यादा गहराई में चला गया और नदी के पानी में तेज बहाव होने के चलते वह डूबने लगा। छोटे भाई और साथ आए बच्चों ने मदद के लिए चीख-पुकार मचाना शुरू कर दिया। बच्चों की चीख-पुकार को सुनकर पास ही बकरी चरा रही एक महिला दौड़ती हुई आई। नदी में उतरकर उसे जब तक बचाने का प्रयास करती, तब तक इससे पहले ही आदित्य नदी में लापता हो गया। आदित्य के डूबने पर उसका छोटा भाई रोता बिलखता अपने घर पहुंचा और भाई के डूबने की जानकारी दी। किशोर के परिजन ग्रामीणों के साथ भागकर पहुंचे, काफी खोजबीन की पर किशोर को खोजने में असफल रहे। घटना की सूचना पर थानाध्यक्ष अमित मिश्रा पुलिस टीम के साथ पहुंचे। थानाध्यक्ष ने किशोर के डूबने की जानकारी अपने उच्चाधिकारियों को देने के साथ स्थानीय गोताखोरों से किशोर की खोजबीन कराई लेकिन सफलता नहीं मिली। तब पुलिस ने किशोर के डूबने के स्थान से आठ किलोमीटर दूर ग्रामीणों के सहयोग से नौगांवा के पास नदी के पानी में जाल लगा दिया जिसपर बीस घंटे बाद किशोर का शव जाल में आकर फंस गया। जिसे पुलिस ने निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आदित्य मेधावी होने के साथ मृदुभाषी भी था उसकी मौत पर गांव में शोक छाया हुआ है। वहीं उसके माता-पिता के साथ परिजन रो -रो कर बेहाल है।

विश्व वृद्धदिवस के अवसर सम्मानित किये गये शतकवीर मतदाता

बहराइच। अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर तहसील सभागार बहराइच सदर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 286-बहराइच अन्तर्गत मतदेय स्थल 179-जू.हा.स्कूल छावनी सरकार के 101 वर्षीय मतदाता दयाराम, मतदेय स्थल 275-जू.हा.स्कूल वीरपुर की 101 वर्षीय मतदाता रामकली व मतदेय स्थल 410-जू.हा. रत्तापुर की 101 वर्षीय मतदाता रामरानी तथा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 284-मटेरा अन्तर्गत मतदेय स्थल 189-जू.हा.स्कूल महरथा के 101 वर्षीय मतदाता जब्बार व 242-प्रा.वि. कटेलिया भूपसिंह की 100 वर्षीय मतदाता रसूला को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ व मिष्ठान भेंट कर सम्मानित किया तथा वृद्धजन से आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बुजुर्ग मतदाताओं के दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतन्त्र की आन-बान-शान मतदाता हैं। डीएम ने कहा कि हमारे बुजुर्ग मतदाता आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। डीएम ने बुजुर्ग मतदाताओं का आहवान किया कि लोगों विशेषकर युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित करें। डीएम ने कहा कि मतदेय स्थल तक आकर मतदान करने में असमर्थ बुजुर्ग मतदाताओं को घर पर वोट देने की सुविधा प्रदान की जा रही है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं के पीछे मंशा यही हैं कि शत-प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। डीएम ने बताया कि बुजुर्ग मतदाताओं को सम्मानित करने के लिए जिले की सभी तहसीलों में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर, उप जिलाधिकारी डॉ. पूजा यादव, प्रशिक्षु पीसीएस प्रिन्स वर्मा, तहसीलदार अभय राज पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी तथा बुजुर्ग मतदाताओं के परिजन, राजस्व कर्मी व बूथ लेबिल अधिकारी मौजूद रहे।

बेड से चादर गायब, वार्ड में जगह नहीं...कहां जाएं मरीज

गाजीपुर। डेंगू का डंक जनपदवासियों के लिए कहर तो बरपा ही रहा है, दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग और मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकीय सुविधाओं की भी पोल खोल रहा है। सोमवार को भी आपातकक्ष में मरीजों की भीड़ लगी रही। मरीज कतार में खड़े होकर चिकित्सक से उपचार कराने में जुटे रहे। मौसम में परिवर्तन का दंश शहर से ग्रामीण इलाकों के लोग इन दिनों काफी झेल रहे हैं। साफ-सफाई का अभाव और दवा का छिड़काव न होने की स्थिति में डेंगू का डंक लोगों को चपेट में तेजी से ले रहा है। इससे पीड़ित मरीजों की संख्या लगातार मेडिकल कालेज के अस्पताल में बढ़ती जा रही है। कोई भी ऐसा वार्ड नहीं बचा है, जहां बुखारसे पीड़ित मरीज भर्ती न हो। यहीं नहीं बेडों की संख्या कम पड़ने पर मेडिकल कॉलेज की ओर से पुराने ओपीडी सभागार और ओपीडी कक्ष में बेड लगाकर भर्ती किया गया है। लेकिन स्थिति यह है कि जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते कहीं बेड से चादर गायब है तो कहीं बाथरूम में पानी नहीं आ रहा है तो कहीं सफाई का अभाव बना हुआ है। वहीं पुराने चर्म रोग विभाग के कक्ष में भर्ती अंजू के तीमारदार रामाश्रय राजभर ने बताया कि मियादी बुखार की शिकायत थी और लिवर इंफेक्शन था। तीन दिन से पैर में सूजन हो रहा है, चिकित्सक को बताने के बाद भी उसका उपचार नहीं हो पा रहा है, स्थिति में अब कहां जाए कुछ समझ में नहीं आ रहा है। वहीं दूसरे मरीजों के तीमारदारों ने बताया कि शौचालय में गंदगी है। प्राचार्य प्रोफेसर आनंद मिश्रा ने बताया कि व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। लापरवाही मिलने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

हापुड़ के युवा फुटबॉल खिलाड़ी ने रचा इतिहास- ईशान के नेतृत्व में पाकिस्तान को 3-0 से हराया

हापुड़। भारतीय फुटबॉल टीम अंडर -19 के कप्तान व हापुड़ जनपद के धौलाना ब्लाक के करीमपुर भाईपुर मिलक निवासी ईशान सिसोदिया ने बताया कि भारतीय फुटबॉलरों के दृढ़ संकल्प और प्रतिभा को प्रदर्शित किया, जिससे फुटबॉल लोककथाओं में उनका नाम अंकित हो गया है। साउथ एशिया चैम्पियनशिप द्वारा आयोजित चैम्पियन शिप 2023 को नेपाल की सरजमीं पर दशरथ स्टेडियम में भारतीय फुटबॉल टीम अंडर -19 टीम कप्तान ईशान सिसोदिया के नेतृत्व में पाकिस्तान टीम को 3-0 हराकर इतिहास रच चैम्पियन शिप ट्रॉफी पर कब्जा किया है। भारतीय फुटबॉल टीम अंडर -19 की यह जीत देश के खेल इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है।

नेपाल के दशरथ स्टेडियम में भारत के होनहार फुटबॉलरों ने अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान की मजबूत टीम को 3-0 से हरा दिया। भारतीय फुटबॉल टीम अंडर -19 के कप्तान व हापुड़ जनपद के धौलाना ब्लाक के करीमपुर भाईपुर मिलक निवासी ईशान सिसोदिया ने बताया कि भारतीय फुटबॉलरों के दृढ़ संकल्प और प्रतिभा को प्रदर्शित किया, जिससे फुटबॉल लोककथाओं में उनका नाम अंकित हो गया है। टीम के सभी प्रतिभागियों ने बेहतरीन कौशल का प्रदर्शन किया है। नेपाल के दशरथ स्टेडियम में खचाखच भरी भीड़ के सामने भारत ने 3-0 की शानदार जीत के साथ चैम्पियन शिप का खिताब जीता है। साउथ एशिया चैम्पियन शिप में छह देशों की टीमों ने शिरकत की। जिसमें पहला मैच बंगला देश को 3-0 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। दूसरा मैच भूटान 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। तीसरे मैच में नेपाल टीम को 3-2 से फाइनल में पाकिस्तान टीम से टक्कर ली। भारतीय फुटबॉल टीम अंडर-19 ने शनिवार को नेपाल के दशरथ स्टेडियम में पाकिस्तान टीम को करारी शिकस्त देकर 3-0 से मैच जीता और चैम्पियनशिप की ट्राफी का खिताब देश के नाम कर दिया। टीम कप्तान ईशान सिसोदिया के नेतृत्व में यह जीत भारत की तीसरी जीत है। नेपाल सरकार के खेल मंत्री ने टीम को ट्राफी देकर सम्मानित किया है। टीम के कोच सुधांशु पांडया की अगुवाई में अंडर-19 टीम फाइनल जीतने के लिए शानदार फॉर्म में रही।

अशोक विहार में पटाखा फैक्टरी पर छापा

गाजियाबाद। अशोक विहार कॉलोनी में पटाखा फैक्टरी में छापेमारी के मामले में पुलिस ने दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। दोनों भाई अपने पिता के साथ फैक्टरी चलाते हैं। फैक्टरी में दिल्ली से पटाखा बनाने के ऑर्डर मिल रहा था। एसीपी रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि अशोक विहार कॉलोनी में पटाखा फैक्टरी में छापेमारी के मामले में पुलिस ने दो भाइयों शाहिद और शोहेब को पकड़ा लिया है। इस फैक्टरी को चलाने वाला मुख्य आरोपी नईम अभी फरार है। पूछताछ में पता चला कि नईम अपने दोनों बेटों के साथ इस फैक्टरी में काम करते हैं। दिल्ली से पटाखा बनाने का ऑर्डर मिलता था।

सेवामित्र पोर्टल पर पंजीकरण कर जिले के विकास में भागीदार बन सकत हैं सेवाप्रदाता

बहराइच। जिला सेवायोजन अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि प्रदेश में सेवा क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेवामित्र पोर्टल को विकसित किया गया है। पोर्टल का मुख्य उद्देश्य सेवाप्रदाता (सर्विस प्रोवाइडर) और यूजर/कस्टमर/क्लाइन्ट (उपभोक्ता) को एक प्लेटफार्म पर लाना है ताकि यूजर/क्लाइन्ट को अपने रोजमर्रा सम्बन्धी कार्यों यथा पेन्टिंग, फिटिंग, इलेक्ट्रीशियन, प्लम्बर, एसी रिपेयर, टीवी मैकैनिक, पैथालॉजी जैसे 27 प्रकार की पूर्व संचालित सेवाओं के अतिरिक्त प्रोजेक्ट वर्क बेस सेवाएं यथा टैक्सी सर्विसेज, हाउस कान्स्ट्रक्शन, कैटरिंग सर्विसेज, आर्किटेक्ट/इन्टीरियर डिजाइनिंग सर्विसेज और टेन्ट सर्विसेज आदि सेवाएं भी प्रारम्भ की जा रही हैं। सेवा प्रदाताओं का वृहद डाटाबेस सेवामित्र पोर्टल पर उपलब्ध रहने से सेवाप्रदाता को भी पोर्टल के माध्यम से नियमित रूप से उपभोक्ता द्वारा सृजित मांग के अनुरूप कार्य मिलता रहेंगा।

जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि जिले के ऐसे सेवाप्रदाता जिनके द्वारा आमजनमानस को उनके द्वार पर ही सेवायें उपलब्ध करायी जा रही हैं, अपने फर्म/सेवा से सम्बन्धित अभिलेख किसी भी कार्य दिवस में जिला सेवायोजन कार्यालय, बहराइच में उपलब्ध करा सकते हैं। जिससे कि सम्बन्धित सेवाप्रदाताओं को पोर्टल पर सूचीबद्ध कर पंजीकरण की कार्यवाही की जा सके।

जिलाधिकारी मोनिका रानी की प्रेरणा से स्वावलम्बी बनी 05 महिलाएं

शहर की सड़कों पर पिंक आटो की सारथी बनेगी महिलाएं

बहराइच। गांधी जयन्ती के शुभ अवसर पर नगरीय विकास अभिकरण द्वारा संचालित स्वः रोज़गार कार्यक्रम (एस.ई.पी.आई.) अन्तर्गत चयनित तलाकशुदा निराश्रित 05 महिलाओं बिट्टा, सायरा, मेघा, शिव कुमारी व आरती को एम.एल.सी. डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, सदर विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल व जिलाधिकारी मोनिका रानी ने संयुक्त रूप से पिंक आटो की चाभी भेंट की तथा हरी झण्डी दिखाकर पिंक आटो को रवाना किया। उल्लेखनीय है कि नगरीय विकास अभिकरण द्वारा संचालित स्वः रोज़गार कार्यक्रम (एस.ई.पी.आई.) अन्तर्गत चयनित 05 महिलाओं को डीएम के निर्देश पर नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर के प्रयास से ड्राईव का प्रशिक्षण एवं ड्राईविंग लाइसेन्स बनवाया गया। इसके पश्चात लीड बैंक इण्डियन बैंक से प्रति महिला लाभार्थी को पिंक आटो की खरीद हेतु रू. 1.75 लाख का ऋण दिलाया गया है। जबकि लाभार्थी महिलाओं को आगा खान फाउण्डेशन की ओर से वर्दी उपलब्ध करायी गयी है।

लाभार्थी महिलाओं की हौसला अफज़ाई के एमएलसी, सदर विधायक व डीएम ने कलेक्ट्रेट के गेट तक आटो की सवारी भी की।

इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अवधेष कुमार मिश्र, नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर, प्रशिक्षु पीसीएस प्रिन्स वर्मा, जिला विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार पाण्डेय, डीसी मनरेगा के.डी. गोस्वामी, लीड बैंक प्रबन्धक जितेन्द्र नाथ श्रीवास्तव व अन्य अधिकारी, आगा खान फाउण्डेशन की सीमा शुक्ला, स्वयं शक्ति समूह की सुनीता यादव, डूडा की श्रीमती ज्योति तिवारी, अभिषेक गुप्ता व आशुतोष मिश्र व अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

त्रिगुट

बुधवार 04 अक्टूबर 2023

ज़ीरो पर्सेंटाइल वाले डॉक्टर पर होगा भरोसा ?

पिछले दिनों स्वास्थ्य मंत्रालय ने नीट पीजी में एडमिशन के लिए जीरो पर्सेंटाइल की घोषणा की इसी साल जुलाई में चले काउंसिलिंग सेशन में एमओसी ने इसे 50 टाइल रखा था। इतने पर सीटें नहीं भरी तो आई एम एस हित कई मेडिकल असोसिएशनों ने दरखास्त की थी। अब सरकार ने पर लाने की भी कम यानी शून्य कर दिया है। सवाल उठता है कि अगर पोस्ट ग्रेजुएशन की सीटें ही भरनी तो नीट पीजी टेस्ट की भी क्या जरूरत थी? सीटें भरने का इंतनाम तो एमबीबीस के मार्स के हिसाब से रैंकिंग कर हो जाता। जीरो पर्सेंटाइल का मतलब यह होता है कि उसमें मिनिमम मार्क्स नहीं होते। यहां तक कि जिनके पर्सेंटाइल माइनस में है, 1 या 15 है, ये भी अब एमडी -एमस वगैरह की डिग्री ले सकते है। जिन लोगों ने जीरो पर्सेंटाइल पर एमडी -एमस या डीएनबी बनाने का फैसला किया है। उनसे मेरा सवाल है कि क्या हम ऐसे डॉक्टर बनाना चाहते हैं, जिनकी क्वॉलिफिकेशन इतनी भी नहीं है कि ये 50 परसेंटाइल तक हासिल कर सकें? और अगर ऐसे लोग डॉक्टर बनेंगे 1 तो मरीजों का ये क्या गत बनाएंगे? लोग एमबीबीस में थे, हमारा पासिंग जब हम मार्क्स 50 पर्सेंट रखा जाता था। हमारे जो दोस्त बीए, बीससी वगैरह कर रहे होते थे, उनके पासिंग मार्क्स 33 पर्सेंट होते थे। ऐसे में हम लोगों का बड़ा गर्व महसूस होता था। चुनौती भी थी कि 50 पर्सेंट ना आए तो मरीज का इलाज कैसे करेंगे? जिसने 50 पर्सेंट लेकर एमबीबीस किया, अब उसे जीरो पर्सेंटाइल पर ही पीजी में एडमिशन दे देंगे तो क्या यह पीजी में जीरो पर्सेंटाइल पर पास हो जाएगा? अगर किसी को पता हो कि उसे जीरो पर्सेंटाइल में ही दाखिला मिल जाएगा तो वह क्यों पढ़ेगा ? एंट्रेस रखा ही इसीलिए जाता है कि कमजोर स्टूडेंट्स को दाखिला न मिले। लेकिन अब जो व्यवस्था की गई है, उससे यह मकसद पूरा नहीं हो रहा है। 7 इससे देश की चिकित्सा व्यवस्था पंगु हो जाएगी। डिफेंस सर्विसेस में या डीआरडीओ में तो आप नहीं कहते। जीरो सेंटाइल पर एडमिशन दे देंगे। फिर मेडिकल में इसकी इजाजत क्यों दी जा रही है? कहानी इतनी ही नहीं है। भर के प्राइवेट कॉलेजों में पोस्ट ग्रैजुएशन की काफी सीटें हैं जो खाली जा रही है। लगभग दस 13 हजार के बीच सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पीजी कोर्स की सालाना फीस पांच से दस हजार रुपये तक होती है। तीन साल का कोर्स होता है, जो बड़ी हद तीस-चालीस हजार में निपट जाता है प्राइवेट कॉलेजों में यही फीस एक से डेढ़ करोड़ रुपये तक होती है। सब जानते हैं कि सरकारी मेडिकल कॉलेज ही सबकी पहली चॉइस होते हैं, तो वहां तो सीटें बचती नहीं। सीटें बची है इन्हीं प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में करोड़ों रुपये का नुकसान इन कॉलेजों को हो रहा था। सरकार ने उसी की भरपाई करने के लिए पर्सेंटाइल को जीरो किया है। लेकिन जब इस तरीके से सीटें बिकने लगती है तो रकेट बनते हैं, मेडिकल माफिया पनपने लगते । हैं। इस बिंदु पर सरकारी सोच में साफ विरोधाभास [है जब एन एम सी बना तो उसने कहा कि हम क्वॉलिटी स्टैंडर्ड ऊ कर रहे है,जो डॉक्टर विदेश से पढ़कर आएंगे, उन्हें कम से कम दो से चार साल तक की ट्रेनिंग करनी होगी, तभी देश में प्रैक्टिस करने का लाइसेंस मिलेगा। लेकिन दूसरी तरफ जीरो पर्सेंटाइल पर दाखिला दिया जा रहा है। क्या यह विरोधाभास नहीं है।

अगर सरकार को वाकई नीट पी जी में सुधार लाना है तो सबसे पहले उसे प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की फीस की सीमा तय करनी होगी। सरकार उनसे कहे कि तुम्हारी सीट नहीं भर रही है तो फीस कम करो, देश में डॉक्टरों की कमी है। लेकिन यह न करके जीरो किया है। यानी क्वॉलिटी तो व नहीं होगी, अलबत्ता प्राइवेट कॉलेजों की कमाई जरूर बढ़ जाएगी। जीरो पर्सेंटाइल असल में एक समझता है और मेडिकल साइंस की पढ़ाई में इस तरह के समझौते बिलकुल भी स्वीकार नहीं किए जा सकते। दुनिया भर में भारतीय डॉक्टरों की बहुत इज्जत है इंडियन डॉक्टर पेट डॉक्टर कहे जाते हैं। युक-युस अमलई दुनिया भर में जहां कहीं भी मैं इलाज करने के लिए जाता है, भारतीय डॉक्टरों के लिए सबसे ज्यादा रेस्पेक्ट देखने को मिलती है। इसकी वजह यह है कि दुनिया हमारे के बारे में जानती है. है. एंट्स से लेकर पढ़ाई मिनिमम पचास पर्सेंट पाने का तप 25 पर्सेंट आ गया तो हमारी डिग्री में ऑनर्स लिखते है। पीजी में भी टफ कॉम्पिटिशन से हमने फाई किया। इस छवी से छनकर डॉक्टर निकले, दुनिया ने उन्हें हाथोहाथ लिया अब भी लेती है।

उत्सव है बुद्धत्व

बुद्धत्व मौलिक रूप से प्रांति है, विद्रोह है, बगावत है। काशी के पंडितों की सभा प्रमाणपत्र थोड़े ही देगी बुद्ध को! बुद्धपुरुष तुम्हें पोप की पदवियों पर नहीं मिलेंगे और न शंकराचार्यों की पदवियों पर मिलेंगे। क्योंकि ये तो परंपरा[हैं। और परंपरा में जो आदमी सफल होता है, वह मुर्दा हो तो ही सफल हो पाता है। परंपरा के द्वारा पद पाना सिर्फ मुर्दों के भाग्य में हैं, जीवंत लोगों के नहीं। यह सौभाग्य है जीवितों का और मुर्दों का दुर्भाग्य! इसलिए तुम कैसे पहचानोगे? और पूरी पहचान का तुम विचार ही मत करना। क्योंकि तुम पूरा पहचानोगे तो तुम बुद्ध हो जाओगे और तुम बुद्ध होते तो पहचानने की जरूरत न थी। तुम नहीं हो, इसीलिए तो पहचानने चले हो। इसलिए पूरे-पूरे का खयाल मत करना। छोटा सा टुकड़ा चांदनी का तैर आए तुम्हारे पास, तो बहुत धन्यभाग! अहोभाग! तुम उतने ही पर भरोसा करना। उस चांदनी के टुकड़े को पकड़ कर अगर बढ़ते रहे, चलते रहे, तो किसी दिन पूर चांद के भी मालिक हो जाओगे। किसी दिन पूरा आकाश भी तुम्हारा हो जाएगा। तुम्हारा है; लेकिन अभी तुम्हें पहुंचना नहीं आया, चलना नहीं आया। अभी तुम घुटने के बल चलते हुए छोटे बच्चे की भांति हो। अभी तुम्हें चलने का अभ्यास करना है। तो संत उदास नहीं होंगे। बुद्धपुरुष उदास नहीं होंगे। जिनको तुम देखते हो मंदिरों-मस्जिदों में बैठे गुरु-गंभीर लोग, लंबे चेहरों वाले लोग, बुद्धपुरुष वैसे नहीं होंगे। बुद्धपुरुष तो उत्सव है। बुद्धपुरुष तो ऐसा है जिसमें अस्तित्व के कमल खिल गए। बुद्धपुरुष गंभीर नहीं। बुद्धपुरुष के पास तो मृदुहास मिलेगा। हल्की-हल्की हंसी। एक मुस्कुराहट। एक स्मित। एक उत्सव। एक आनंदभाव। तो तुम्हारी आंसुओं से भरी आंखों और कारागृह में दबे चित्त के पास अगर तुम्हें कभी कोई एक स्मित, एक हास, एक उत्सव की झलक भी आ जाए, तो छोड़ा मत उन चरणों को। उन्हीं के सहारे तुम परममुक्ति और स्वातंर्त्य के आकाश तक पहुंच जाओगे। अब तक तो तुम्हारी पहचान पतझड़ से थी। तुम्हारा जीवन राग आंसुओं और रुदन से भरा था। तुमने जीवन का कोई और अहोभाव का क्षण जाना नहीं था। नरक ही नरक जाना था। जिस क्षण किसी व्यक्ति के पास तुम्हें लगे- हवा का झोंका आया-स्वच्छ, ताजा, मलयाचल से चलकर, पहाड़ों से उतर कर तुम्हारी घाटियों में, तुम्हारे अंधेरे में- हवा का ऐसा झोंका जिसके पास अनुभव में हो जाए, समझना बुद्धत्व करीब है। कुछ घटा है।

भारत में जैव ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देना ही होगा

प्रहलाद सबनानी

भारत अपनी ऊर्जा की कुल आवश्यकता का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा कच्चे तेल के रूप में आयात करता है एवं भारत के कुल आयात में कच्चे तेल की भागीदारी सबसे अधिक है। इससे भारत के विदेश व्यापार में असंतुलन पैदा होता है तथा विदेश व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। कच्चे तेल को परिष्कृत कर पेट्रोल एवं डीजल के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, जो कि जीवाश्म ऊर्जा की श्रेणी में आता है, इससे कार्बनडाई आक्सायड नामक गैस वातावरण में फैलती है और देश का पर्यावरण दूषित होता है। अतः अब समय आ गया है कि भारत में जीवाश्म ऊर्जा के उपयोग को कम करते हुए जैव ईंधन के उपयोग को बढ़ावा दिया जाय। इस दृष्टि से हाल ही में जी-20 सम्मेलन के इत्तर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन की घोषणा 9 सितम्बर 2023 को की। 9 संस्थापक सदस्य और 2 पर्यवेक्षक देश इस लॉचिंग में शामिल हुए। वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन के जरिए जैव ईंधन के लिए, भारत सदस्य देशों के साथ मिलकर, दुनिया के अन्य देशों को नई राह दिखाने का प्रयास कर रहा है। इस प्रयास से निश्चित रूप से दुनिया भर में ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पेट्रोल एवं डीजल पर निर्भरता कम होगी। इस गठबंधन से किसानों को अन्नदात्ता से ऊर्जादाता बनाने में मदद मिलेगी एवं इससे किसानों को आय का एक अतिरिक्त साधन प्राप्त होगा। इस अवसर पर श्री मोदी जी ने कहा कि वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन का शुभारम्भ स्थिरता और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में चल रहे प्रयासों में एक एतिहासिक क्षण है। इस गठबंधन में भारत, सिंगापुर, बांग्लादेश, इटली, अमेरिका, ब्राजील, अर्जेंटीना, मारिशस और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हुए हैं। साथ ही, 19 देश और 12 अंतरराष्ट्रीय संगठन भी इस गठबंधन का समर्थन कर चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी, अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन, विश्व आर्थिक मंच और विश्व एलपीजी एसोसीएशन का समर्थन भी इस गठबंधन को मिला है। यह संगठन उपभोक्ताओं और उत्पादकों को एक मंच प्रदान करेगा तथा इसके उद्देशों में शामिल हैं, प्रौद्योगिकी के विकास को सुविधाजनक बनाना, टिकाऊ जैव ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देना, हितधारकों की व्यापक स्तर पर भागीदारी से मजबूत मानकों का निर्धारण करना एवं इनके प्रमाण को आकार देना तथा जैव ईंधन के वैश्विक विकास में तेजी लाना है। यह गठबंधन ज्ञान के केंद्रीय संग्रहण और विशेषज्ञ केंद्र के रूप में कार्य करेगा। गठबंधन का लक्ष्य एक ऐसे उत्प्रेरक के रूप में काम करना है जो जैव ईंधन के विकास और व्यापक रूप से इसे अपनाने के लिए वैश्विक सहयोग को प्रोत्साहन देगा। यह गठबंधन जैव ईंधन को बदलाव के रूप में ऊर्जा स्त्रोतों के प्रमुख घटक के रूप में स्थापित करने, रोजगार और आर्थिक विकास में योगदान देने का प्रयास भी करेगा।

यह पहल विशेष रूप से भारत के लिए कई मोर्चों पर फायदेमंद साबित होगी। इससे प्रौद्योगिकी निर्यात और उपकरण निर्यात के रूप में भारतीय उद्योगों को अतिरिक्त अवसर प्राप्त होंगे। यह भारत के जैव ईंधन कार्यक्रमों जैसे पीएम जीवन योजना और गोवर्धन योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने में मदद करेगी। किसानों की आय में वृद्धि करने और रोजगार के करोड़ों नए अवसर पैदा करने में और भारतीय ईको सिस्टम के समग्र विकास में भी सहायक होगी। जीवाश्म ऊर्जा पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से भारत वैकल्पिक एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने पर काम कर रहा है। ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इसमें सौर, पवन, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा के उपयोग का विस्तार करना भी शामिल है। भारत के पास तेल और गैस के पर्याप्त भंडार मौजूद हैं। सरकार घरेलू एवं विदेशी तेल कम्पनियों को तटवर्ती अपतटीय दोनों तरह के अन्वेषण एवं उत्पादन गतिविधियों में शामिल कर रही है। भारत, परिवहन, औद्योगिक प्रक्रियाओं, प्राथमिकता भवनों सहित, विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता उपायों को प्राथमिकता दे रहा है। इसमें ऊर्जा कुशल तकनीकों को अपनाना, औद्योगिक प्रक्रियाओं का अनुकूलन करना और मजबूत ऊर्जा संरक्षण उपायों को लागू करना शामिल हैं। रणनीतिक तेल भंडार विकसित करना भी भारत के भविष्य के लिए काफी अहम है। साथ ही जीवाश्म तेल में ईंथेनाल का सम्मिश्रण भी किया जा रहा है ताकि पेट्रोल एवं डीजल के उपयोग को कम किया जा सके। आज समय की मांग है कि विश्व के समस्त देश ऊर्जा सम्मिश्रण के क्षेत्र में साथ मिलाकर काम करें। भारत ने सुझाव दिया है कि पेट्रोल में ईंथेनाल सम्मिश्रण को वैश्विक स्तर पर 20 प्रतिशत तक ले जाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं, अथवा वैश्विक भलाई के लिए कोई और सम्मिश्रण पदार्थ की खोज की जाए, जिससे ऊर्जा की आपूर्ति निर्बाध रूप से बनी रहे और पर्यावरण भी सुरक्षित रहे। वर्ष 2022 में वैश्विक ईथेनाल बाजार का मूल्य 9,906 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, जो एक अनुमान के अनुसार, 5.1 प्रतिशत की सीएजीआर की वृद्धि के साथ, वर्ष 2032 तक 16,212 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा। इससे भारत के लिए बड़े अवसर पैदा होंगे। भारत सरकार अपने तेल बिल आयात में कटौती करना चाहती है और शहरों में कार्बनडाई ओकसाईड प्रदूषण की मात्रा कम करना चाहती है। इस कार्यक्रम से वर्ष 2025 तक भारत को तेल आयात में लगभग 45,000 करोड़ रुपए और सालाना 6.3 करोड़ टन तेल की बचत होगी। इस कदम से भारत के किसानों को अन्नदात्ता से ऊर्जादात्ता बनाने में मदद मिलेगी और उन्हें आय का एक अतिरिक्त स्त्रोत भी प्राप्त होगा। पूरी दुनिया में जैव ईंधन का 80 प्रतिशत उत्पादन अमेरिका, ब्राजील और भारत में होता है। अमेरिका में विश्व के 50 प्रतिशत जैव ईंधन का उत्पादन होता है। ब्राजील में 30 प्रतिशत, और भारत में केवल 3 प्रतिशत उत्पादन होता है। शेष 17 प्रतिशत उत्पादन विश्व के अन्य देशों में होता है। उत्पादन के साथ साथ सौर ऊर्जा का 80 प्रतिशत उपभोग भी अमेरिका, ब्राजील और भारत में ही होता है। भारत जैव ईंधन के उत्पादन एवं उपभोग क्षेत्र में जिस तेजी से आगे बढ़ रहा है इससे अब उम्मीद की जा रही है कि भारत शीघ्र ही जैव ईंधन के उत्पादन एवं उपभोग में वैश्विक स्तर पर एक बड़ा केंद्र बन जाएगा।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा खपत करने वाला देश है और भारत की ऊर्जा की आवश्यकता में बड़ा हिस्सा जीवाश्म ऊर्जा के माध्यम से पूरा किया जाता है, जो कि बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। वैश्विक ऊर्जा खपत में भारत के हिस्सेदारी 2050 तक दोगुनी होने की सम्भावना है। ऊर्जा की बढ़ती मांग और आयात पर उच्च निर्भरता महत्वपूर्ण ऊर्जा सुरक्षा चुनौतियां खड़ी कर रही है। कच्चे तेल के आयात पर विदेशी मुद्रा की भारी भरकम राशि खर्च की जाती है। इसके अलावा जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग से उच्च कार्बन उत्सर्जन और स्वास्थ्य सम्बंधी चिंताएं भी खड़ी होती है। अतः घरेलू स्तर पर ईंथेनाल खपत के लिए पारम्परिक जीवाश्म ईंधन के साथ सम्मिश्रण करके तेल आयात पर निर्भरता को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत ने वर्ष 2001 में पेट्रोल में ईंथेनाल का मिश्रण पायलट आधार पर प्रारम्भ किया था। परंतु, ईंथेनाल सम्मिश्रण कार्यक्रम ने दिसम्बर 2014 से गति पकड़ी, जब केंद्र सरकार ने ईंथेनाल की खरीद के लिए मूल्य तंत्र विकसित किया और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को जैव रिफाईनरी स्थापित करने के निर्देश दिए। पिछले 7 वर्षों के दौरान ईंथेनाल की आपूर्ति वर्ष 2013-14 में 38 करोड़ लीटर से बढ़कर वर्ष 2020-21 में 322 करोड़ लीटर हो गई। इसी तरह ईंथेनाल सम्मिश्रण भी 2013-14 में 1.53 प्रतिशत से बढ़कर 2020-21 में 8.50 प्रतिशत से अधिक हो गया। मांग में वृद्धि के कारण ईंथेनाल निर्माण क्षमता भी 215 करोड़ लीटर से दुगुना होकर 427 करोड़ लीटर सालाना हो गई है। डिस्टीलरीज की संख्या 5 साल में 40 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2014-15 में 157 से बढ़कर वर्ष 2019-20 में 231 हो गई है।

केंद्र सरकार ने 20 प्रतिशत इथेनोल मिश्रित पेट्रोल को बेचने का लक्ष्य वर्ष 2023 कर दिया है। 20 प्रतिशत सम्मिश्रण स्तर पर ईंथेनाल की मांग वर्ष 2025 तक बढ़कर 1016 करोड़ लीटर हो जाएगी। इसलिए ईंथेनाल उद्योग का मूल्य 500 प्रतिशत से अधिक बढ़कर वर्तमान के लगभग 9,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 50,000 करोड़ रुपए हो जाएगा।

स्त्री पुरुष असमानता और गांधीजी

अरुण कुमार डनायक

स्त्री पुरुष में असमानता को लेकर गांधीजी के चिंतन में भारत की 85त्न आबादी का ख्याल था। 1918 में मुंबई में आयजित भगिनी समाज की बैठक में दिया गया उनका उद्बोधन इन्हीं चिंताओं को व्यक्त करता है ।गांधीजी चाहते थे कि स्त्रियाँ अपने कार्यों में पुरुषों की सहायता अवश्य लें, लेकिन स्त्री जाति की उन्नति के लिए स्वयं प्रयास करें।भारतीय समाज में स्त्रियों की अवनति का एक प्रमुख कारण सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक विषयों में पुरुष प्रधान व्यवस्था रही है ।स्मृति ग्रंथों में भी स्त्री का स्थान वर्ण व्यवस्था के अंतिम पायदान पर बैठे समुदाय के समान रखा गया है ।गांधी जी इस असमानता का एक कारण बाल विवाह तथा विधवाओं खासकर बाल विधवाओं पर लगे प्रतिबन्ध को मानते थे ।वे स्मृतियों में वर्णित नियंत्रणों के अलावा दुरावस्था में जीवन यापन को विवश स्त्रियों में जागृति लाने देश की सभ्रांत महिलाओं का आह्वान करने से पीछे नहीं हटे और उन्होंने स्मृतियों में स्त्रियों के सम्बन्ध वर्णित ऐसे आख्यानों का कडा विरोध करते हुए उन्हें ब्रह्म वाक्य मानने से इनकार कर दिया। गांधीजी ने भारत में धर्म की बागडोर के सुरक्षित रहने में स्त्रियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि नारी अपनी धार्मिक निष्ठा में पुरुषों से कहीं बढ़ चढ़कर रही है ।गांधीजी के अनुसार स्त्रियाँ पुरुषों की अपेक्षा अधिक विनम्र व दयालु होती हैं तथा वे मूक एवं गंभीर सहिष्णुता की प्रतीक रही हैं। लेकिन हिन्दू धर्मग्रंथों ने स्त्रियों पर अनेक आक्षेप किये जिसके कारण उनकी दुर्दशा हुई और वे पुरुषों के समान अधिकारों से वंचित कर दी गई ।गांधीजी के अनुसार 卐जब तक स्त्रियाँ दबी रहेंगी या उन्हें पुरुषों से कम अधिकार मिलेंगे तब तक भारत का सच्चा उद्धार नहीं हो सकता है। गांधीजी ने स्त्रियों को त्याग की मूर्ति माना और उनसे अपेक्षा की कि जैसा त्याग वे कुटुंब के लिए करती हैं वैसा ही त्याग देश के लिए करें।

गांधीजी मानते थे कि स्त्री पुरुष की सहचारिणी है , उसकी मानसिक शक्ति पुरुष के समान ही है और उसे पुरुष की छोटी से छोटी प्रवृत्ति में भाग लेने का समान अधिकार है।वे पुरुष वर्ग को प्राप्त स्वतंत्रता से स्त्रियों को वंचित रखने के पक्ष में नहीं थे ।साथ ही साथ वे स्त्री और पुरुष का दर्जा तो बराबरी का मानते थे ।पर दोनों एक हैं इसके बजाय वे दोनों की जोड़ी अपूर्व है, दोनों एक दूसरे के पूरक है और दोनों का काम एक दूसरे के बिना चल नहीं सकता है, ऐसा मानते थे ।इस धारणा के समर्थन में उनका तर्क था कि आदिकाल से ही स्त्रियाँ सूत कातने और पुरुष बुनने का काम मिल जुलकर करते थे ।गांधीजी का मानना था कि स्त्री अपने क्षेत्र में सर्वोपरि है और इसी कारण वे गृह व्यवस्था व अल्पायु बालकों की शिक्षा में स्त्रियों के वर्चस्व के हिमायती थे ।गांधीजी और महिला अधिकारों के वर्तमान समर्थकों के बीच एक बड़ा मतभेद इन बिन्दुओं को लेकर है। गांधीजी के विचार स्त्रियों की शिक्षा को लेकर स्पष्ट थे। विद्या के बिना मनुष्य का जीवन पशुवत है, विद्या के अभाव में स्त्रियाँ शुद्ध आत्मज्ञान से वंचित रह जाती हैं ।पढने लिखने से बुद्धि विकसित व तीव्र होती है और परोपकार करने की क्षमता बढ़ जाती है। इसीलिये पुरुषों ने स्त्रियों के शिक्षा संबंधी स्वाभाविक मानवीय अधिकार छीन लिए और इस कारण उनमें जागृति का अभाव है ।गांधीजी के अनुसार स्त्रियों का कार्यक्षेत्र गृह व्यवस्था है और उन्हें नौकरियाँ खोजने या व्यापार करने की आवश्यकता नहीं है, इस मान्यता के चलते वे स्त्रियों को अंग्रेज़ी भाषा सिखाने के पक्षधर भी नहीं थे ।हालांकि 1931 में उन्होंने कहा की 卐मैं चाहता हूँ कि सभी पदों, व्यवसायों और रोजगारों के दरवाजे स्त्रियों के लिए खुल जाएँ अन्यथा सच्ची समानता नहीं आ सकती ।卐यद्दपि वे उन्हें पुरुषों की भाँति शिक्षा ग्रहण कराने के समर्थक थे तथापि गांधीजी स्त्रियों को पुरुषों के जैसी शिक्षा देने की जगह आंतरिक प्रवृत्ति विकसित करने वाली शिक्षा देने के पक्षधर थे ।यंग इंडिया में वर्ष 1929 को लिखे एक लेख में गांधीजी ने कहा की जैसे-जैसे स्त्री जाति को शिक्षा द्वारा अपनी शक्ति का भान होता जाएगा वैसे-वैसे उसके साथ आज जो असमान व्यवहार किया जाता है उसका वह स्वभावतः उग्र विरोध करेगी। गांधीजी ने स्त्रियों के विरुद्ध अत्याचारों में विरासत संबंधी कानूनों की असमानता को कारण नहीं माना ।वे स्त्रियों को सम्पत्ति में अधिकार के प्रबल समर्थक नहीं थे वरन चाहते थे कि सम्पत्ति को लेकर स्त्रियाँ अपनी अमर्यादित आकांक्षाओं तथा सम्पत्ति संग्रह की वृत्ति पर अंकुश लगाएं ।इन विचारों के पीछे गांधीजी की मान्यता थी कि ऐसा करने से जायदाद का अनावश्यक विभाजन बचेगा। आधुनिक विचारकों की दृष्टि गांधीजी के यह विचार दकियानूसी हैं। स्त्रियों को मताधिकार मिले और वे भी पुरुषों के साथ धारा सभाओं में बैठे , ऐसे क्रांतिकारी विचार तो गांधीजी ने मई 1920 में नवजीवन में लिखे एक लेख के माध्यम से व्यक्त कर दिए थे ।लेकिन वे महिलाओं को ऐसे अधिकारों को दिए जाने पर प्रश्नचिंह लगाने से भी नहीं चूके ।इसी आलेख में उन्होंने लिखा कि जो महिलायें अपने सामान्य अधिकारों को नहीं समझती अथवा समझते हुए भी अपने अधिकारों को प्राप्त करने की शक्ति नहीं रखती ।वे मताधिकार लेकर क्या करेंगी ?गांधीजी की प्राथमिकता में स्त्रियों को मताधिकार दिलाने एवं उन्हें धारासभाओं में भेजने की अपेक्षा पुरुषों की ओर से जाने अनजाने में उनपर किये जाने वाले अत्याचारों से मुक्ति दिला भारत के गौरव व सम्मान को पुर्नस्थापित करना था। गांधीजी का स्वतंत्रता आन्दोलन एक सरकार को हटाकर दूसरी सरकार को प्रतिस्थापित करने तक सीमित नहीं था ।वे तो रामराज लाना चाहते थे ।इस आन्दोलन से स्त्रियों को विमुख कैसे रखा जा सकता था ।स्त्रियों में उत्साह को जागृत होता देख गांधीजी ने उनके जेल जाने को लेकर भी अपने सकारात्मक विचार जनवरी 1922 में ही व्यक्त करते हुए कहा कि 卐स्त्रियाँ जेल जाने हेतु अपना नाम दर्ज कराकर जेल जाने की आदत डालेंगी तो इससे पुरुषों के जेल जाने का मार्ग सुगम हो जाएगा।卐गांधीजी ने ऐसी महिलाओं की प्रसंशा भी की जिनके पति जेल गए। राष्ट्रीय मुस्लिम विश्वविद्यालय के मुख्य व्यवस्थापक ख्वाजा साहब जब गिरफ्तार हो गये तो उनकी पत्नी खुर्शीद बेगम ने गांधीजी को लिखा 卐आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि मेरे पति को सरकार ने गिरफ्तार कर लिया है अब विश्वविद्यालय को मैं चलाऊँगी ।उनकी इस निर्भयता पर गांधीजी ने नवजीवन के दिसंबर 1921 के अंक में धन्य है ऐसी नारी卐शीर्षक से लेख लिखा।

भाजपा का प्लान मध्यप्रदेश ये मॉडल क्यों हैं सुर्खियों में

ऋतुपर्ण दवे

क्या देश के अगले आम चुनाव के लिए दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में नया प्रयोग करने जा रही है ?क्या यही प्रयोग राजस्थान व छत्तीसगढ़ में भी होगा ? मध्यप्रदेश विधानसभा उम्मीदवारों की हालिया सूचियों में बड़े-बड़े नाम यहां तक केन्द्रीय मंत्री, सांसद और संगठन के छत्रपों के जारी हुए हैं। इससे न केवल दूसरे प्रतिद्वन्दी दलों की सांसें अटकी हुई हैं बल्कि खुद भाजपा के संभावित दावेदार भी हक्का-बक्का हैं। राजनीतिक पण्डितों का मानना है कि यह एक तीर से कई निशाने लगाने जैसा है। निश्चित रूप से भाजपा जो दांव खेल रही है वह भारत की राजनीति में कइयों को अटपटा या नया भले लगे लेकिन हवा का रुख भांपने वालों का मानना है कि राजनीतिक बैरोमीटर परसंभावित आंधी-तूफान के संकेत भांपतेहुए ही ऐसा बड़ा कदम उठाया होगा ?

फिलाहाल टिकट वितरण को लेकर मध्यप्रदेश मॉडल की जहाँ पूरे देश में चर्चा है। इसके राजनीतिक मायने भी बहुत गहरे हैं। भाजपा यहां कांग्रेस की 15 महीने पुरानी सरकार गिराकर फिर सत्ता में आई थी। अब भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयर्गीय, केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल, फग्गन सिंह कुलस्ते सहित प्रभावशाली सांसद राकेश सिंह (जबलपुर), गणेश सिंह (सतना), उदय प्रताप सिंह (होशंगाबाद), रीति पाठक (सीधी) को सीधी विधानसभा चुनाव के रण में उतारनाबताता है कि प्रदेश के किसी भी क्षेत्र को अछूता नहीं रख जहां-तहां ऐसे प्रत्याशी उतारेगी जो पूरे क्षेत्र में तो प्रभावी हों और कम से कम उस पूरे अंचल या संभाग में भी असर डालें। भाजपा ने शुरुआती सूची में मालवा-निमाड़, ग्वालियर-चंबल, महाकौशल-विन्ध्य, भोपाल-नर्मदापुरम पर जबरदस्त फोकस किया है। अब कयास है कि अगली सूची में शेष निमाड़, बुन्देलखण्ड, उत्तर पश्चिम मालवा, नर्मदा उद्गम संभाग (शहडोल) सहित बांकी सीटों में कइयों पर चौंकाने वाले प्रत्याशी देगी। अभी 320 सीटों में केवल 79 सीटों की घोषणा ने ही राजनीति में नई लहर पैदा कर दी है। इसमें भाजपा ने केवल वर्तमान 3 विधायकों की टिकट काटी है। सबसे चर्चित नाम मैहर से नारायण त्रिपाठी का है जिन्होंने हमेशा अपना बगावती सुर दिखाया। उनकी जगह श्रीकांत चतुर्वेदी को टिकट दिया जो ज्योतिरादित्य सिंधिया के करीबी हैं। वहीं सीधी से केदारनाथ शुक्ला की जगह सीधी सांसद रीति पाठक को टिकट देना अचंभित करने वाला है। सीधी के चर्चित पेशाब काण्ड के आरोपी प्रवेश शुक्ला को केदारनाथ शुक्ला का करीबी बताकर विपक्ष ने देश-प्रदेश में काफी हंगामा किया था। लगता है कि यह कहीं न कहीं डैमेज कंट्रोल है। इसी तरह नरसिंहपुर विधायक जालिम सिंह की टिकट उनके छोटे भाई केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल (दमोह सांसद)को देकर भोपाल-नर्मदापुरम अंचल की सभी सीटों को साधने की कोशिश हुई है। अभी महज 79 घोषित प्रत्याशियों के जरिए भाजपा ने मध्यप्रदेश में अपने मंसूबे साफ कर दिए हैं। आगे 241 सीटों पर प्रत्याशी तय होने बांकी हैं जिनमें उत्तरप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र की सीमा से जुडे तमाम क्षेत्र भीहैं।

क्षेत्रीयता के हिसाब से महाकौशल में सबसे ज्यादा 38 में से 22 सीटों पर,मालवा-निमाड़ में 66 में से 21, ग्वालियर-चंबल की 34 में से 15,भोपाल-नर्मदापुरम की 36 में से 7, विंध्य की 30 में 7 तो बुंदेलखंड की 26 में से 7 सीटों पर प्रत्याशीचयन हो चुका है। निश्चित रूप से चंद दिनों में मध्यप्रदेश सहित सभी पांच राज्यों में चुनावी अखाड़ा सजते ही एक से एक और ऐसी राजनीतिक तस्वीरें आएंगी जिनमें कई पहली बार दिखेंगी तो कई उम्मीदों से इतर भी होंगी। बावजूद इसके मध्यप्रदेश में मुकाबला भाजपा बनाम जनता दिख रहा है। कांग्रेस कमलनाथ के उदारवादी हिन्दू चेहरे पर दंगल में उतरने के बावजूद संगठन के लिहाज से भाजपा से उन्नीस क्या पंद्रह भी नहीं है। यहां विज्ञप्तिवीरों को छोड़ दें तो कांग्रेस धरातल पर सिवाय कुछ इलाकों के वर्षों से कहीं दिखी नहीं। गत वर्ष के नगरीय चुनावों में कई बूथों पर कांग्रेसी एजेन्ट तक नहीं थे। कहीं बहुमत में आकर भी अध्यक्ष की दौड़ में मात खा गई। ऐसे में मध्यप्रदेश का मुकाबला भाजपा और जनता के बीच है जिसमें रणीतिक रूप से भाजपा भारी पड़ेगी। राजस्थान में भी चुनावी सरगर्मी चरम पर है। गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे केसाथ हुईमहज15 मिनट की बैठक चर्चाओं में है। यहां भाजपा की200 सीटों पर निकली 4 परिवर्तन यात्राओं में जुटी भीड़, उसमेंभी ज्यादातर में वसुंधरा का गायब रहना और इसी बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की ताजा तस्वीरें सामने आने के गहरे मायने हैं। यहाँ प्रेशर पॉलिटिक्स कीपक रही नई खिचड़ी कौन खाएगा यही बड़ा सवाल है ?संकेतोंको समझें तोमध्यप्रदेश मॉडल के तहतकेंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल तथा कुछ अन्य सांसद मैदान में दिखेंगे। छत्तीसगढ़ में 90 विधानसभा सीटों में से 80 की सूची तैयार है। भाजपा ने 21 प्रत्याशियोंकी पहली सूची अगस्त में ही जारी कर दी थी। अब 3 अक्टूबर को प्रधानमंत्री के बस्तर आने से पहले दूसरी सूची जारी हो जाए ?मध्यप्रदेश मॉडल यहां भी चर्चाओं में है। चुनावी राज्यों के मुख्यमंत्री महीनों से ताबड़तोड़ दौरे, घोषणाएं और रेवड़ियां बांट लोगों को लुभाने में कोई कमीं नहीं छोड़ रहे हैं। तीनों हिन्दी पट्टी इलाकों में कहीं भी मौजूदा या पूर्व मुख्यमंत्री का चेहरा सामने नहीं रखना भाजपा की गंभीरता और विवशता दोनोंदिखाता है। मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह 17 वर्षों से मुख्यमंत्री हैं तो छत्तीसगढ़ में रमन सिंह 15 वर्ष तक मुख्यमंत्री रहे। दोनों के नाम पहली सूची में नहीं है। वहींराजस्थान में5बार सांसद, 4 बार विधायक और 2 बार मुख्यमंत्री रह चुकी वसुंधरा राजे अलग ही चर्चाओं में हैं। कभी लगता है कि भाजपा डरी हुई है तो कभी लगता है कि भाजपा गंभीर है और कभी लगता है कि भाजपा जनता के मिजाज को भांप, अपने अंदर हीसाफ-सफाई में तो नहीं लगी हुई है? अब वजह जो भी हो वो शीर्ष नेतृत्व जाने लेकिन जिस तरह के बयान गुजरे रविवार को सीहोर की एक जनसभा में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिए और कहा कि 'मैंने राजनीति की परिभाषा बदल दी है। मैं सरकार नहीं परिवार चला रहा हूं, मेरे जैसे भैया नहीं मिलेगा, जब मैं चला जाऊंगा तब आप सबको बहुत याद आऊंगा। उस बयान के राजनीतिक अखाड़े में कई मायने लगाए जा रहे हैं। वहीं जिस तरह से टिकट वितरण में अब तक जो सच सामने है उससे काफी कुछ समझा जा सकता है और बयान से जोड़ा भी रहा है। लेकिन इतना तो है कि विपक्ष को भी भाजपा कमतर नहीं आंक रही है क्योंकि छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठनात्मक रूप से राजस्थान-मध्यप्रदेश के मुकाबलेमजबूत है। राजस्थान की नई राजनीतिक खिचड़ी कांग्रेस-भाजपा दोनों के लिए चुनौती से कम नहीं है। मिजोरमऔर तेलंगाना का मिजाज तीनों राज्यों से अलग है। इसीलिए निश्चित रूप से मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ राज्यों के चुनाव, आम चुनावों की दिशा तय करने वाले तो साबित होंगे ही साथ भाजपा में भी अन्दरखाने संगठन व सत्ता मे बड़े बदलाव के संकेत देते नजर आ रहे हैं।

हे कागदेव जी ! पधारिए और सद्बुद्धि दीजिए

प्रभुनाथ शुक्ल

हे ! कागदेव आप कलयुग के पितृदेव हैं। हम आपकी श्रेष्ठता को नमन करते हैं। हम समदर्शी सृष्टि का भी अभिनंदन करते हैं, जिसने आपको पितृपक्ष यानी पखवारे भर के लिए श्रेष्ठ माना है। लेकिन आपका सम्मान देख इहलोकवासी पिताम्हों को ईर्ष्या होती है। कागदेव आप नाराज मत होइएगा। लेकिन धरती पर जीवित उन लाखों पिताम्हों की पीड़ा स्वर्गवासी पितरों को जरुर पहुंचा देना। कहा जाता है कि आप पितरों के प्रतिरुप हैं, लेकिन आजकल आप भी गायब हो चलें हैं। श्राद्ध की बलि के लिए आपको लोग खोजते फिर रहे हैं, लेकिन आप गायब हैं। इंसान खुद नहीं बता पा रहा कि आपके के गायब होने कि वजह क्या है। आप अगर यूँ ही गायब रहते हैं तो बाजारबाद बेहद खुश हो जाएगा। वह आपका प्रतिरुप बाजार में उतार कर पितृपक्ष में अपना बाजार चमकाएगा। हे ! कागभुसूंडी जी, आप बजारवाद के सिद्धांत को जानिए और पितरों की आत्मशांति के लिए प्रगट होइए।

हे कागदेव जी ! धरती पर घोर कलयुग है। कतिपय लोग अपने जीवित माता-पिता से अधिक अपने पालतू डॉगी को अधिक सम्मान देते हैं। उसे सुबह-शाम खुली हवा में मॉर्निंग वॉक कराते हैं। अपनी कार में घुमाते हैं। उसे चूमते और चाटते हैं। लेकिन माता-पिता को वृद्धा आश्रम में छोड़कर आते हैं। जबकि पितरों के श्राद्ध का दिखावा करते हैं। पितृपक्ष में स्वर्गवासी पितरों की आत्ममाओं का तर्पण अवश्य करते हैं। धरा पर सशरीर मौजूद पिताम्हों की उपेक्षा और पीड़ा का ख्याल नहीं रखते हैं। आपसे यह कहते हुए मुझे बेहदपीड़ा हो रही है कि आप कौवे के रुह में भी पितृपक्ष में जिंदा इंसानों से अधिक सम्मान पाते हैं। हे श्रेष्ठ चार्तुय ! निवेदन है कि धरती पर हमारे जो सदेह माता-पिता हैं, जो परित्यक्त और उपेक्षित हैं उन्हें भी सम्माननीय बनाइए। अधुना पीढ़ी को कुछ ज्ञान दीजिए।

हे काग स्वरुप में अवरित पितरदेव। आप तो पखवारे भर हलुवा-पूड़ी मेवा-मिश्री और खोए से बनी मिठाइयों के साथ भांति-भांति के पकवान छक कर खाते हैं। पूरे पखवारे भोज और सम्मान उड़ाते हैं। आप खुद के तर्पण के लिए खोवे की व्यवस्था कराते हैं। गंगा जल की तिलांजलि से प्यास बुझाते हैं। ब्राहमणों पर धन की वर्षा करवाते हैं। वैदिकमंत्रों के बीच पिंड़दान लेते हैं, लेकिन धतरतीवासी अपने वंशजों का जरा सा ख्याल नहीं करते हैं। वह बेचारे जर्जर शरीर में धरतीलोक में जिंदालाश की तरह पड़े हैं। कोई वृद्धा आश्रम में पड़ा है तो कोई सीलन भरे कमरे में। पितर पखवारे में भी उन्हें कोई घास नहीं डालता। इनकी संख्या दो-चार नहीं लाखों में है। वृद्धा आश्रमों में जीवन गुजारते हैं। संताने देश-विदेश में स्वांतः सुखाय का जाप करती हैं और मां-बाप को बोझ समझती हैं। परलोकवासी होने के बाद झूठे सम्मान में तेरहवीं पर देशी घी का भोज करते हैं। हे कागदेव ! ऐसे प्राणियों को आप कब सद्बुद्धि दोगे।

सफलता के लिए विचार और सपने ही काफी नहीं हैं

विजय गर्ग

विश्व के महानतम दार्शनिक चार्ल्स डिकेंस से उनके एक मित्र ने पूछा कि मैं तुम्हें अपना सबसे अच्छा मित्र मानता हूँ और प्रश्न पूछा कि एक बड़ा व्यवसायी बनने की कोशिश करने के बाद भी मुझे सफलता क्यों नहीं मिल रही है? मेरे प्रयासों में क्या कमी है? मेरे सवाल का जवाब देने के बजाय आप या तो चुप रह जाते हैं या विषय बदल देते हैं। डिकेंस ने अपने दोस्त को आगे जवाब दिया, दोस्त, मैं तुम्हें जवाब इसलिए नहीं देता क्योंकि ज्यादातर लोग सच सुनना पसंद नहीं करते।कर रहा है मैं सच बोलकर आपको नाराज नहीं करना चाहता था, लेकिन अब अगर आप अपनी असफलता का कारण पूछना चाहते हैं तो असली कारण यह है कि आपके प्रयासों की ऊंचाई आपके विचारों और सपनों से छोटी है। डिकेंस के मित्र ने उनसे पुनः प्रश्न किया, मित्र, मैं अपनी सफलता के लिए सच सुनने को तैयार हूँ, मुझे विस्तार से बताओ। डिकेंस ने कहा, दोस्त, तुम बड़े बिजनेसमैन बनने की सोचते हो, सपने भी देखते हो, लेकिन बड़ा बिजनेसमैन बनने के लिए तुम्हें अपना आराम खोना पड़ता है। इसके लिए आपको अपने अंदर एक जुनून विकसित करना होगा। जमीनी हकीकतों से लड़ रहे हैंके लिए है आपको अपनी आत्मा का मंथन करना चाहिए और देखना चाहिए कि आपके अंदर यह सब कुछ है? जिस दिन आप अपने अंदर यह गुण पा लेंगे, उस दिन आपको किसी से यह सवाल नहीं पूछना पड़ेगा। इस दुनिया में आज तक कोई भी ऐसा व्यक्ति पैदा नहीं हुआ जिसने बड़ा बनने, महान बनने, दूसरों से अलग होने और ऊंची मंजिल हासिल करने के बारे में न सोचा हो और न ही सपने देखे हों। यदि इस दुनिया में सोचने और सपने देखने से सफलता मिलती तो हर कोई अपना लक्ष्य और मंजिल पा चुका होता और उसमें मेहनत, संघर्ष और पुरुषार्थ की भावना नहीं होती।कोई महत्व नहीं रहेगा. निकम्मे, निकम्मे, आलसी लोगों और मेहनती, मेहनती और संघर्षशील लोगों में कोई अंतर नहीं होता।

लोग काम करना और संघर्ष करना बंद कर देंगे। जो लोग सिर्फ सोच और सपनों के सहारे सफलता हासिल कर लेते हैं, जब वे अपने मकसद में सफल नहीं हो पाते तो खुद में खामियां ढूंढने की बजाय अपनी किस्मत को दोष देने लगते हैं। वे अपने हाथ दिखाने लगते हैं. जो शिक्षक कक्षा में बच्चों को अच्छे परिणाम लाने के लिए मेहनत से पढ़ाने के बजाय केवल सोचते और सपने देखते हैं, वे कभी भी अपने उद्देश्य में सफल नहीं होते हैं। एमएसअफ्रीका के राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला ने कहा था कि सोचना और सपने देखना महान उपलब्धियों की नींव पर पहला कदम है, लेकिन अगर आप उस नींव पर कड़ी मेहनत और संघर्ष की दीवारें नहीं उठाते हैं और अगले चरण पर नहीं जाते हैं, तो महान उपलब्धियाँ आपसे कोसों दूर रहती हैं... जो लोग बड़ी-बड़ी जीतें और मंजिलें हासिल करते हैं, वे पहले दिन-रात अपने आराम और आराम की परवाह नहीं करते, लेकिन बाद में वही लोग इतिहास के नायक बन जाते हैं। सोचने और सपने देखने के साथ-साथ आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प का होना भी जरूरी है क्योंकिऐसा कभी नहीं हो सकता कि मंजिल की ओर बढ़ते समय मुश्किलें और चुनौतियाँ रास्ते में न आएं। वे कठिनाइयाँ और चुनौतियाँ ही मनुष्य की सोच और सपनों की परीक्षा लेती हैं। जिन लोगों की हिम्मत उन कठिनाइयों के आगे टूट जाती है, उनके विचार और सपने भी व्यर्थ हो जाते हैं। सोच और सपने बड़े होंगे तो ही सफलता की सीढ़ियां चढ़ेंगी। यह काम बहुत कठिन है, इसमें सफलता पाना बहुत कठिन है। इस कार्य में कई लोग पहले ही असफल हो चुके हैं, किसी भी कार्य को करने से पहले ऐसी बातें करना अकल्पनीय है।वे सपनों को घटिया बनाते हैं। दूसरों के लिए रोल मॉडल, उदाहरण और प्रेरणा बनने के लिए हमेशा कुछ ऐसा करें जो किसी और ने न किया हो। इतिहास कुछ ही लोग लिखते हैं और उसे पढ़ते तो सभी हैं, निर्णय व्यक्ति को करना होता है कि वह लेखक बनना चाहता है या इतिहास का पाठक।

इतिहास के पन्नो में सन 1824 की आजादी की लड़ाई

डॉ श्रीगोपाल नारसन

तीन अक्टूबर को सन1824 में लड़े गए कुंजा बहादुरपुर के स्वतंत्रता संग्राम को इतिहास के आइने से झांकते हुए रांघड़ व गुर्जर वीरों की बलिदान व शौर्य गाथा इतिहास के स्वर्णिम पन्नो में दर्ज है। । जनपद हरिद्वार के भगवानपुर विधानसभा क्षेत्र में स्थित है एक छोटा सा गांव है कुंजा । गुर्जर बाहुल्यता का यह गांव कभी एक छोटा सा गढ़ हुआ करता था और यहां के राजा एवं रांघड जाति के सूरमा तथा गुर्जर समाज के बहादुर सैनिकों की बहादुरी के किस्सों के साथ जुड़कर यह कुंजा से कुंजा बहादुरपुर हो गया। 3 अक्टूबर 1824 को तत्कालीन जिला ?सहारनपुर? (वर्तमान में जनपद हरिद्वार के कुंजा क्षेत्र में स्वतन्त्रता-संग्राम की ज्वाला प्रचंड रूप से भड़की थी। आधुनिक हरिद्वार जनपद में रूडकी शहर के पूर्व में लंढौरा नाम का एक कस्बा है जो सन 1947 तक पंवार वंश के राजाओं की राजधानी था । तब लंढौरा रियासत में 804 गाँव थे और यहां के शासको का प्रभाव समूचे पश्चिम उत्तर प्रदेश में था। हरियाणा के करनाल क्षेत्र और गढ़वाल में भी इस वंश के शासकों का व्यापक प्रभाव था। 1803 में अंग्रेजो ने ग्वालियर के सिन्धियाओं को परास्त कर समस्त उत्तर प्रदेश को उनसे युद्व हर्जाने के रूप में प्राप्त किया था । तब पंवार वंश की लंढौरा, नागर वंश की बहसूमा , भाटी वंश की दादरी व जाटो की कुचेसर आादि ताकतवर रियासतें अंग्रेजो की आँखों में कांटे की तरह चुभने लगी थी। 1813 में लंढौरा के राजा रामदयाल सिंह की मृत्यु होने पर उत्तराधिकारी के प्रश्न पर राज परिवार में गहरे मतभेद उत्पन्न हो गये । इस स्थिति का लाभ उठाकर अंग्रेजों ने रियासत को भिन्न दावेदारों में बांट दिया और एक बड़े हिस्से को अपने राज्य में मिला लिया। उस समय लंढौरा रियासत का ही एक ताल्लुका था, सहारनपुर-रूड़की मार्ग पर भगवानपुर के निकट स्थित कुंजा-बहादुरपुर । तब इस ताल्लुके मे 44 गाँव थे । सन् 1819 में विजय सिंह यहां के ताल्लुकेदार बने। लंढौरा राज परिवार के निकट सम्बन्धी व साम्राज्यवाद के विरोधी विजय सिंह के मन में अंग्रेजो के खिलाफ बहुत आक्रोश था। वह लंढौरा रियासत के विभाजन को मन से स्वीकार नहीं कर पाए। उधर क्षेत्र के किसानों को शासन कई वर्षों के सूखे के बाद भी बढते राजस्व चुकता करने को सता रहा था जिसने उन्हे संगठित विद्रोह करने के लिए मजबूर कर दिया। अपने विरूद्व खडे इन संगठनों को अंग्रेज डकैतो का गिरोह कहते थे।एक क्रान्तिकारी संगठन का प्रमुख नेता कल्याण सिंह उर्फ कलुआ गुर्जर था । देहरादून क्षेत्र में उसने अंग्रेजी राज्य की चूलें हिला रखी थी । दूसरे संगठन के प्रमुख कुंवर गुर्जर और भूरा गुर्जर थें। जो तब के सहारनपुर क्षेत्र में अंग्रेजों के लिए सिरदर्द बना हुआ था। इस प्रकार सहारनपुर-हरिद्वार-देहरादून क्षेत्र क्रांति का मंच बन चुका था। ताल्लुकेदार विजय सिंह स्थिति पर नजर रखे हुए थे उन्होने अपनी पहल कर पश्चिम उत्तर प्रदेश के सभी अंग्रेज विरोधी जमीदारों, ताल्लुकेदारों, मुखियाओं, क्रान्तिकारी संगठनों से सम्पर्क स्थापित किया और एक सशस्त्र क्रान्ति के माध्यम से अंग्रेजों को खदेड देने की योजना उनके समक्ष रखी। विजयसिंह के आह्वान पर ब्रिटिश किसानों की एक आम सभा सहारनपुर के भगवानपुर में हुई जिसमें सहारनपुर, हरिद्वार, देहरादून-मुरादाबाद, मेरठ और यमुनापार हरियाणा के किसानों ने भाग लिया। सभा में उपस्थित किसानों ने विजय सिंह की क्रान्तिकारी योजना को स्वीकार कर उनसे ही भावी मुक्ति संग्राम के नेतृत्व का आग्रह किया, जिसे उन्होने स्वीकार कर लिया।

कल्याण सिंह उर्फ कलुआ गुर्जर ने विजय सिंह के साथ मिलकर विजय सिंह अंग्रेजों से दो-दो हाथ करने का फैसला किया। इस गदर के आरम्भिक दौर में देहरादून क्षेत्र में सक्रिय कल्याण सिंह ने शिवालिक की पहाडियों में अच्छा प्रभाव स्थापित कर लिया। उसने नवादा गाँव के शेखजमां और सैयाजमां (जो अंग्रेजो के खास मुखबिर थे, और क्रान्तिकारियों की गतिविधियों की गुप्त सूचना अंग्रेजो को देते रहते थे।) पर आक्रमण कर इन गद्दारों की सम्पत्ति जब्त कर ली। इस घटना ने अंग्रेजों के लिये चेतावनी का कार्य किया पर वें कुछ न कर पाए । 30 मई 1824 को कल्याण सिंह ,रायपुर ग्राम से अंग्रेज परस्त गद्दारों को पकड़ कर देहरादून ले गया तथा देहरादून के जिला मुख्यालय के निकट उन्हें कडी सजा दी।कल्याण सिंह के इस दुस्साहस से सहायक मजिस्ट्रेट शोर बुरी तरह बौखला गया स्थिति की गम्भीरता को देखते हुये उसने सिरमोर बटालियन बुला ली। कल्याण सिंह के फौजी दस्ते की ताकत सिरमौर बटालियन से काफी कम थी अतः कल्याण सिंह ने देहरादून क्षेत्र छोड दिया, और उसके स्थान पर सहारनपुर, ज्वालापुर और करतापुर को अपनी क्रान्तिकारी गतिविधियों का केन्द्र बनाया। उसने 7 सितम्बर सन 1824 को करतापुर पुलिस चौकी को नष्ट कर हथियार लूट लिये। पांच दिन बाद उसने पर आक्रमण कर भगवानपुर जीत लिया। सहारनपुर के ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट ग्रिन्डल ने घटना की जांच के आदेश कर दिये। जांच में क्रान्तिकारी गतिविधियों के कुंजा के किले से संचालित होने के तथ्य प्रकाश में आये तो ग्रिन्डल ने विजय सिंह के नाम सम्मन जारी कर दिया, जिसे अनदेख कर विजयसिंह ने निर्णायक युद्व की तैयारी आरम्भ कर दी।एक अक्टूबर सन 1824 को आधुनिक शस्त्रों से सुसज्जित 200 पुलिस रक्षकों की कडी सुरक्षा में सरकारी खजाना ज्वालापुर से सहारनपुर जा रहा था। कल्याण सिंह के नेतृत्व में क्रान्तिकारियों ने कालाहाथा नामक स्थान पर इस पुलिस दल पर हमला कर खजाना लूट लिया और विजय सिंह के साथ मिलकर स्वदेशी राज्य की घोषणा कर दी और अपने नये राज्य को स्थिर करने के लिए अनेक फरमान जारी किये। रायपुर सहित बहुत से गाँवो ने विजयसिंह को राजस्व देना स्वीकार कर लिया अब तो चारों ओर आजादी की हवा चलने लगी और अंग्रेजी राज्य इस क्षेत्र से सिमटता प्रतीत होने लगा। कल्याण सिंह ने स्वतन्त्रता संग्राम को नवीन शक्ति प्रदान करने के उददेश्य से सहारनपुर जेल में बन्द स्वतन्त्रता सेनानियों व सहारनपुर शहर को जेल तोडकर मुक्त करने की योजना बनाई। क्रान्तिकारियों की इस कार्य योजना से अंग्रेजी प्रशासन चिन्तित हो उठा, और बाहर से भारी सेना बुला ली गयी। कैप्टन यंग को ब्रिटिश सेना की कमान सौपी गयी। जल्द ही अंग्रेजी सेना ही कुंजा के निकट सिकन्दरपुर पहुँच गयी। राजा विजय सिंह ने किले के भीतर और कल्याण सिंह ने किले के बाहर मोर्चा सम्भाला। किले में भारतीयों के पास दो तोपें थी। कैप्टन यंग के नेतृत्व में अंग्रेजी सेना जिसमें मुख्यतः गोरखे थे, कुंजा के काफी निकट आ चुकी थी।03 अक्टूबर को ब्रिटिश सेना ने अचानक हमला कर दिया। भारतीयों ने स्थिति पर नियन्त्रण पाते हुए जमीन पर लेटकर मोर्चा सम्भाल, जवाबी कार्यवाही शुरू कर दी। भयंकर युद्ध छिड गया, दुर्भाग्यवश इस संघर्ष में लडने वाले स्वतन्त्रता सेनानियों का सबसे बहादुर योद्वा कल्याण सिंह अंग्रेजों के इस पहले ही हमले मे शहीद हो गया पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुंजा में लडे जा रहे स्वतन्त्रता संग्राम का समाचार जंगल की आग के तरह फैल गया ।उधर बहसूमा और दादरी रियासत के राजा भी अपनी सेनाओं के साथ गुप्त रूप से कुंजा के लिए कूच कर गये। बागपत और मुजफ्फरनगर के आस-पास बसे चौहान गोत्र के कल्सियान किसान भी भारी मात्रा में इस स्वतन्त्रता संग्राम में राजा विजययसिंह की मदद के लिये निकल पडे। अंग्रेजों को जब इस हलचल का पता लगा तो उनके पैरों के नीचे की जमीन खिसक गयी। उन्होने बडी चालाकी से कार्य किया और कल्याण सिंह के मारे जाने का समाचार पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में फैला दिया। साथ ही कुंजा के किले के पतन और स्वतन्त्रता सैनानियों की हार की झूठी अफवाह भी उडा दी। अंग्रेजों की चाल सफल रही। अफवाहों से प्रभावित होकर अन्य क्षेत्रों से आने वाले स्वतन्त्रता सेनानी हतोत्साहित और निराश होकर अपने क्षेत्रों को लौट गये। तब अंग्रेजों ने बमबारी से किले को उडाने का प्रयास किया। किले की दीवार कच्ची मिटटी की बनी थी जिस पर तोप के गोले विशेष प्रभाव न डाल सकें। परन्तु अन्त में तोप से किले के दरवाजे को तोड गोरखा सेना किले में घुसने में सफल हो गयी। दोनों ओर से भीषण युद्व हुआ। सहायक मजिस्ट्रेट मिशोर युद्ध में बुरी तरह से घायल हो गया। परन्तु विजय श्री अन्ततः अंग्रेजों को प्राप्त हुई। राजा विजय सिंह बहादुरी से लडते हुए शहीद हो गये। ब्रिटिश सरकार के आंकडों के अनुसार 152 स्वतन्त्रता सेनानी शहीद हुए, 129 जख्मी हुए और 40 गिरफ्तार किये गये। लेकिन वास्तविकता में शहीदों की संख्या काफी अधिक थी। भारतीय क्रान्तिकारियों की शहादत से भी अंग्रेजी सेना का दिल नहीं भरा और युद्व के बाद उन्होने कुंजा के किले की दीवारों को भी गिरा दिया।

कहो तो कह दूं

तू नसीब में थी किसी और की, तुझे चाहते कोई और थे ...

चैतन्य भट्ट

ये चुनाव की टिकट भी लॉटरी जैसी हो गई है, जिस तरह से हजारों लोग लॉटरी खरीदते हैं इस आशा में कि उनके नाम की ही लॉटरी खुलेगी और पूरा माल उनकी जेब में आ जाएगा लेकिन खुलती किसी एक भाग्यशाली की है । ऐसा ही कुछ चुनावी टिकट का है पांच साल तक एड़ियां रगड़ने के बाद हर नेता इसी आशा में रहता है कि उसे इस बार अपनी पार्टी की टिकट मिल जाएगी । एक नहीं दो नहीं चार नहीं दर्जन भर कैंडिडेट होते हैं जो इस टिकट के सपने रात दिन देखते रहते हैं पॉलीटिकल पार्टी भी सबके पीठ पर हाथ रखकर यही आश्वासन देती हैं कि जाओ अपने इलाके में काम करो टिकट हम देंगे, बेचारे नेता इस धोखे में रात दिन पार्टी का काम करते रहते हैं, अपनी जेब से पैसा खर्च करते हैं, पार्टी के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं बड़े-बड़े नेताओं के साथ फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया पर डालते हैं ये दिखाने के लिए कि वो नेताओं के कितने करीबी हैं लेकिन जब टिकट की घोषणा होती है तो किसी एक को छोड़कर बाकी सब के चेहरे बासी फूल जैसे मुरझा जाते हैं कई बार तो ये भी होता है कि जिसने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि उसे चुनाव लड़ना होगा उसके हाथ में टिकट थमा दी जाती है कि जाओ चुनाव लड़ो । जबलपुर की ही पश्चिम विधानसभा को ही देख लो, चार-चार बार के सांसद जी को विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए पार्टी ने टिकट थमा दी। सांसद जी को कभी इस बात की आशा ही नहीं थी कि उन्हें विधानसभा का चुनाव भी लड़ना पड़ जाएगा इधर जो बेचारे एक दर्जन उम्मीदवार तरह-तरह के धतकरम कर रहे थे उन सबके सीने पर सांप लोट गया, लेकिन करें भी तो क्या करें हाई कमान ने जो तय कर दिया सो कर दिया ,उधर बड़े-बड़े केंद्रीय मंत्री जो टिकट बांटने के लिए तैनात किए गए थे पार्टी ने उनके हाथ में टिकट दे दिया कि जाओ सबसे पहले हमने तुमको ही टिकट बांट दिया । कहते हैं न कि नसीब से ज्यादा ना किसी को कभी मिला है और न मिलेगा वैसा ही सब कुछ आजकल चुनाव में होने लगा है, टिकट चाहने वाले की संख्या लगातार बढ़ती जाती है और क्यों न बढ़े हर नेता पार्षद, विधायक ,मंत्री बनने के सपने देखता आया है लेकिन सपना किसी एक का ही पूरा होता है। टिकट चाहने वालों की संख्या और जिसे टिकट मिल मिल गई है या दे दी गई है उनके बारे में यह मशहूर गीत सबसे ज्यादा मुफीद बैठता है तू प्यार है किसी और का, तुझे चाहता कोई और है उसे इस तरह से एडजस्ट किया जा सकता है तू नसीब में थी किसी और की, तुझे चाहते कई और थे

दिल का ऐतबार कैसे करें

दो-तीन दिन पहले हार्ट डे मनाया गया , दिल के तमाम एक्सपर्ट डॉक्टरों ने दिल के बारे में तरह-तरह का ज्ञान प्रकट किया। एक जानकारी में ये पता लगा कि दिल एक दिन में एक लाख बार धड़कता है अपने को तो ये मालूम था कि आशिक का दिल महबूबा को देखकर धड़कता है लेकिन यहां तो पता लगा कि बिना महबूबा के भी दिल एक लाख से भी ज्यादा बार धड़क रहा है डॉक्टर साहब कहते हैं कि तनाव न लो अब इन डॉक्टर साहब को कौन समझाए कि दुनिया में ऐसा कौन है जिसको तनाव न हो, खुद डॉक्टर साहब भी तनाव में रहते होंगे कि आज कोई मरीज आएगा कि नहीं आएगा ।, नेता को इस बात का तनाव है कि टिकट मिलेगी कि नहीं ,जिनको मिल गई उनको इस बात का तनाव है कि वोट मिलेंगे कि नहीं मिलेंगे, पति को पत्नी से तनाव है तो पत्नी को पति से तनाव, अफसर को अपने स्टाफ से तनाव है तो स्टाफ को अफसर से, बच्चों को पैदा होते ही से तनाव हो जाता है कि इतनी बड़ी जिंदगी इस जालिम दुनिया में अब जीनी है न जाने क्या-क्या भोगना पड़ेगा । अब आप भी बताओ जब इतने तनाव हो तो तनाव मुक्त आदमी कैसे रह सकता है, फिर डॉक्टर साहब कहते हैं खूब घूमो फिरो, हुजूर नौकरी करें कि घूमें फिरें कोई फ्री में तो घुमाता नहीं है , पैसे लगते हैं घूमने फिरने में, चलो किसी तरह से पैसा इकट्ठा करके घूमने निकल भी गए तो कब ट्रेन कैंसिल हो जाए किसी को नहीं मालूम, स्टेशन पहुंच कर पता लगेगा कि जिस ट्रेन से जाना है वो 15 दिन के लिए स्थगित कर दी गई है अब फिर तनाव, अपने खुद के वाहन से घूमने फिरने जाओ तो हर पच्चीस किलोमीटर पर टोल वाला खड़ा है जितना पैसा पेट्रोल में नहीं लगता उससे ज्यादा टोल वाला वसूल कर लेता है। दूसरी बात दिल का कोई भरोसा तो है नहीं इसलिए तो किसी गीतकार ने लिखा है दिल तो है दिल, दिल का एतबार क्या कीजे सही बात भी है क्योंकि दिल ना जाने क्या-क्या चाहता है जैसे एक गीत में ये भी कहा गया है दिल की आरजू है कोई दिलरुबा मिले अब आरजू तो ढेर सारी हैं लेकिन कोई दिलरुबा मिल तो जाए । हार्ट डे पर जितनी बातें डॉक्टर लोग बताते हैं उनमें से कोई पूरी नहीं हो सकती इसलिए दिल जैसा चल रहा है चलने दो उसको जिस दिन वो धड़कते धड़कते थक जाएगा उस दिन अपना राम नाम सत्य समझ कर ऊपर निकल लेना।

मुश्किल में हूं किधर जाऊं

कई बरस पहले आई पालकी फिल्म का बड़ा जोरदार गाना था मैं इधर जाऊं या उधर जाऊं बड़ी मुश्किल में हूं मैं किधर जाऊं, राजनेताओं के बारे में यह गाना बिल्कुल सटीक बैठ रहा है । नेता सुबह किसी पार्टी का गुणगान करता है तो शाम को दूसरी पार्टी के खेमे में बैठकर उसको पानी पी पीकर कोसता है तीसरे दिन उसी पार्टी में फिर वापस आकर अपने घर वापस आ गया कहकर फिर उसकी तारीफ में जुट जाता है कई नेताओं को तो ये समझ में नहीं आता कि वो जाए तो जाए कहां, इधर रहे या उधर , इधर टिकट नहीं मिल रही तो उधर कूद जाते हैं उधर भी मनाही हो जाती है तो फिर वापस इधर आ जाते हैं जैसे झूला एक बार इधर जाता है और एक बार उधर वैसा ही हाल अपने नेताओं के हो गए हैं,पहले यह कहा जाता था कि लोग राजनीति में सेवा करने के भाव से आते हैं अब ये सेवा मेवा में बदल गई है, इसलिए हर नेता सत्ता का मेवा खाने की ख्वाहिश में इधर से उधर लुढ़कता रहता है ये सिलसिला कभी खत्म नहीं होगा जब तक राजनीति रहेगी तब तक यह गाना बना ही रहेगा ।

रामलीला मैदान की पेंशन शंखनाद रैली

सनत कुमार जैन

देश भर के सरकारी कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन व्यवस्था को लागू करने की मांग की है। इसके लिए देशभर से सरकारी कर्मचारी रामलीला मैदान दिल्ली में इकट्ठे हुए। 1 अक्टूबर रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में जहां देखो वहां सरकारी कर्मचारियों के सिर नजर आ रहे थे। कई वर्षों से रामलीला मैदान में इस तरीके का प्रदर्शन देखने को नहीं मिला था। सरकारी कर्मचारियों के इस प्रदर्शन ने जेपी आंदोलन और अन्ना हजारे के आंदोलन की याद ताजा कर दी। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने इस प्रदर्शन का समर्थन किया था। कई कांग्रेस शासित राज्यों ने ओल्ड पेंशन योजना को लागू कर दिया है। कांग्रेस की मांग है, कि केंद्र सरकार पुरानी पेंशन योजना को बहाल करें। देश की सेवा करने वाले कर्मवीरों का सम्मान करें। दिल्ली पुलिस ने मैदान में टेंट लगाने की अनुमति नहीं दी। इसके बावजूद भी सरकारी कर्मचारी लाखों की संख्या में रैली में भाग लेने के लिए पहुंचे थे। कई प्रदेशों के हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी दिल्ली पहुंचे। सरकारी कर्मचारियों का कहना था, कि पहले की तरह केंद्र सरकार पुरानी पेंशन व्यवस्था को लागू कर देती है, तो इसमें राज्य सरकारों की कोई भूमिका नहीं रह जाएगी। इसलिए हम दिल्ली में ओल्ड पेंशन योजना लागू करने के लिए एकत्रित हुए हैं।

आखिरकार सरकारी कर्मचारी न्यू पेंशन योजना का विरोध क्यों कर रहे हैं। इसको समझने के लिए सरकार तैयार नहीं है। कर्मचारी कई वर्षों से समझाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन गतिरोध अभी भी बना हुआ है। पुरानी पेंशन योजना में जब कर्मचारी रिटायर होते थे। तब उन्हें मूल वेतन मान का 50 फ़ीसदी पेंशन के रूप में मिलता था। हर 6 माह में महंगाई भत्ता उसमें जोड़ दिया जाता था। इसके साथ ही सेवानिवृत्ति होते समय सरकारी कर्मचारियों को ग्रेच्युटी और फंड के रूप में एक मुस्त राशि मिलती थी। जिससे सरकारी कर्मचारी सेवा निवृत्ति के बाद अपने मकान और बच्चों की पढ़ाई लिखाई शादी इत्यादि की जिम्मेदारी पूरी कर पाते थे। नई पेंशन स्कीम में यह सारे प्रावधान नहीं है। जिसके कारण सरकारी कर्मचारियों में रोष देखने को मिल रहा है। सरकारी कर्मचारियों को यह भी आशंका है, कि पेंशन फंड की 50 फ़ीसदी राशि को म्युचुअल फंड में निवेश किया जा रहा है। जो बाजार के रहमो करम पर निर्भर होगा। जो पेंशन मिलेगी, उसमें महंगाई भत्ता जोड़ने का कोई प्रावधान नहीं है। महंगाई दिनों दिन जिस तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। उसके कारण पिछले तीन-चार सालों से सरकारी कर्मचारियों की भविष्य को लेकर चिंता भी बढ़ती चली जा रही है। शेयर बाजार में समय-समय पर तेजी और गिरावट के कारण शेयर बाजार में निवेश की गई राशि सुरक्षित रहेगी या नहीं, यह भी सबसे बड़ी चिंता का कारण है। सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारियों को एक मुस्त मिलने वाला फंड और ग्रेजुएटी भी नहीं मिल रही है। सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने के बाद परिवार को केवल पेंशन ही मिलेगी। इसी आशंका से सरकारी कर्मचारियों में सबसे बड़ा गुस्सा है। देश भर के लगभग एक करोड़ सरकारी कर्मचारी जो नई पेंशन योजना से जुड़े हुए हैं। उनके परिवार के 5 करोड सदस्य मतदाता की हैसियत भी रखते हैं। रामलीला मैदान में हुए प्रदर्शन के दौरान सरकारी कर्मचारियों ने केंद्र सरकार को सीधे-सीधे चेतावनी दे दी है, कि 5 करोड़ वोटो से भाजपा को हाथ धोना पड़ेगा। चुनाव कार्य में सरकारी कर्मचारी ही चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराते हैं। यदि वह केंद्र सरकार से नाराज होंगे, तो इसका भी असर कहीं ना कहीं मतदान में पड़ सकता है। सरकारी कर्मचारी ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर आर पार की मुद्रा में आ चुके हैं। हिमाचल और कर्नाटक के चुनाव परिणाम ने भी केंद्र सरकार को संकेत दिया था। लेकिन इसके बाद भी केंद्र सरकार ने नई पेंशन स्कीम और ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर कोई पुनर्विचार नहीं किया। यह कर्मचारियों के गुस्से का सबसे बड़ा कारण है। रामलीला मैदान में बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी एकत्रित हुए, इससे सरकार की चिंता पहली बार देखने को मिली है। सारे मीडिया से प्रदर्शन की खबरों को नहीं दिखाने और नहीं प्रिंट करने के लिए दबाव बनाया गया। इसके बाद भी सोशल मीडिया के माध्यम से सरकारी कर्मचारियों का यह प्रदर्शन सारे देश में फैल गया। केंद्र सरकार को समय रहते कर्मचारियों की इस चिंता को दूर करने की दिशा में काम करना चाहिए। अन्यथा, पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को न्यू पेंशन स्कीम के कारण भारी नुकसान होने की संभावना जताई जा रही है।

जीवन में विचार की आवश्यकता

कुटिल एवं असत्य विचार से मुक्ति का सरल उपाय सुविचार की भावना दृढ़ करना है। शांतिदायक सुविचार की गंगा प्रवाहित करने पर ही हम मानसिक दुर्बलता से मुक्त हो सकते हैं। प्रत्येक विचार अंतःकरण में एक मानसिक मार्ग का निर्माण करता है। हमारी समस्त आदतें ऐसे ही मानसिक मार्ग हैं, जो लगातार एक ही प्रकार के चिंतन मनन से विनिर्मित हुए हैं। तुम मनः प्रदेश में उत्तम रचनात्मक विचार ही प्रवेश करने दो। उत्कृष्ट विचारों को ही मन मस्तिष्क पर अंकित करो। जो प्रेम, ईश्वर , नीति के विरोधी विचार हों, उन्हें निकाल फेंको। जब तुम्हारे विचारों का केन्द्र भगवान, अल्लाह, ईश्वर होंगे, तो सुनिश्चित दिशाओं में ही हृदय का विकास होगा।

संसार के महापुरुषों ने जो अद्भुत कार्य किये हैं, विचार कला मर्मज्ञ के लिए उन कार्य का संपादन कदापि दुष्कर नहीं है। विचार करो कि तुम किस तत्त्व में, किस बात में, किस दशा में पिछड़ रहे हो? तुम्हारे मार्ग में कौन-कौन बाधाएं हैं? तुम गीली मिट्टी के नष्ट हो जाने वाले पुतले के सदृश, केवल देह नहीं हो। तुम अमर आत्मा हो। तुम सत्य, स्वतंत्र, शिव, कल्याण, बलवान, आनंदमय, निदरेष, स्वच्छ और पवित्र हो। तुम्हें ज्ञात होना चाहिए कि शक्ति ही जीवन है, शक्ति ही धर्म है। परमेर इस शक्ति का पुंज है। तुम परमेर के राजकुमार हो। अतएव तुम्हारी पैतृक सम्पत्ति शक्ति ही है। शक्ति तुम्हारे अंतर तथा बाह्य अंगों में पूर्णतः व्याप्त है। तुम्हारे रोम-रोम में संचार कर रही है। तुम्हारे नेत्रों में उसी शक्ति का प्रकाश है। अनंत शक्ति का विशाल समुद्र तुम्हारे पीछे है। निर्बलता, निराशा, भय तथा चिंता के संशयदायक विचार हृदय मंदिर से निकाल शक्ति के विचारों में लीन हो जाओ। परमेर ने सबको समान शक्तियां प्रदान की हैं। ईश्वर , अल्लाह के यहां अन्याय नहीं है। कितनी ही शक्तियों से कार्य न लेकर तुम उन्हें पुंठित कर डालते हो।

अन्य व्यक्ति उसी शक्ति को किसी विशेष दिशा में मोड़कर उसे अधिक परिपुष्ट एवं विकसित कर लेते हैं। अपनी शक्तियों को जाग्रत, विकसित कर लेना या शिथिल पंगु बना लेना स्वयं के हाथ में है। यदि तुम मन की गुप्त महान सामथ्र्यरे को जाग्रत कर लो और लक्ष्य की ओर प्रयत्न और उत्साहपूर्वक अग्रसर होना सीख लो तो जैसा चाहो आत्म निर्माण कर सकते हो। मनुष्य के मन में जिन महत्वाकांक्षाओं का उदय होता है और जो-जो आशापूर्ण तरंगें उदित होती हैं, वे अवश्य पूर्ण हो सकती हैं, यदि वह दृढ़ निश्चय द्वारा अपनी प्रतिभा जगा लें।

संक्षिप्त समाचार

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को एसडीएम ने किया सम्मानित

सलेमपुर। गांधी जयंती के अवसर पर सलेमपुर ब्लॉक के मधवारपुर निवासी 102 साल के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्रीराम पांडेय व उनकी पत्नी को तहसीलदार अलका सिंह ने सम्मानित किया। एसडीएम अलका सिंह सोमवार को उनके आवास पहुंची दंपती को माला व शाल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार गोपालजी, हलका के लेखपाल, गांव के प्रधान हरिश्चंद्र पांडेय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिवारीजन मौजूद रहे।

गांधी के विचारों पर चलने की जरूरत- एसडीएम

सलेमपुर। तहसील में गांधी और शास्त्री की जयंती पर सोमवार को एक गोष्ठी आयोजित हुई। एसडीएम श्याम नाथ त्रिपाठी ने कहा कि महात्मा गांधी के विचार आदर्श हैं। उनके विचारों को अपना कर चलने की जरूरत है। इस दौरान तहसीलदार अलका सिंह, नायब तहसीलदार डॉ.भागीरथी सिंह, गोपालजी, तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद मिश्र, परमानंद यादव आदि मौजूद रहे।

विश्व के शांतिदूत थे गांधी-डॉ. धर्मेंद्र

सलेमपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर सोमवार को कांग्रेस पार्टी कार्यालय पर गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में जिला सचिव डॉ. धर्मेंद्र पांडेय ने कहा कि महात्मा गांधी विश्व के शांति दूत थे।वह अहिंसा के पुजारी थे। कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय से गांधी चौक पहुंचे और महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किए। जिला उपाध्यक्ष भागीरथी प्रसाद ने कहा कि आज गांधीजी के सिद्धांतों को बचाने की जरूरत पड़ गई है। ब्लॉक अध्यक्ष मार्कंडेय मिश्र ने कहा कि वह आजादी के महानायक थे। आज देश में किसानों, मजदूरों के साथ अन्याय हो रहा है । इनको न्याय दिलाना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। गोष्ठी में दीनदयाल प्रसाद, प्रेमलाल भारती, मनोज सिंह, गोविंद मिश्र, सत्यम पांडेय, रामविलास तिवारी, लालसाहब यादव मौजूद थे।

बीमा कराने के नाम पर दंपती ने तीन लाख रुपये हड़पे

गोरखपुर। क्षेत्र के भगवानपुर निवासी अभय मणि त्रिपाठी से दंपती ने तीन लाख रुपये हड़प लिए। दंपती ने बीमा कराने के नाम पर रुपये लिए थे। समय सीमा पूरी होने पर पीड़ित ने पता किया तो मालूम हुआ कि उसकी रकम जमा ही नहीं की गई है। जानकारी के मुताबिक, अभय मणि त्रिपाठी ने दी तहरीर में लिखा है कि मेरी जान-पहचान मारकंडेय मिश्र और राजकुमारी से पहले से थी। उन्होंने बताया कि वह बीमा एजेंट हो गए हैं और एक स्कीम की भी जानकारी दी। उनकी बातों में आकर वर्ष 2019 में और 2020 में डेढ़-डेढ़ लाख रुपये दो बार बीमा करने के नाम पर दिया। बाद में पता चला कि दंपती ने रुपये जमा ही नहीं किए थे। दोनों ने मिलकर रुपये हड़प लिए। पुलिस पीड़ित की तहरीर पर बांसगांव थाना क्षेत्र के खमहुआ निवासी मारकंडेय मिश्र व राजकुमारी के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सीएम ने किया अपना गोरखपुर के लोगो का लोकार्पण

गोरखपुर। नवरात्र पर गुरु गोरक्षनाथ घाट पर रोजाना धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारी चल रही है। सोमवार को ओंकारम के संरक्षक, भजन गायक अनूप जलोटा और ओंकारम के अध्यक्ष नवारून चटर्जी ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। सीएम ने ओंकारम अपना गोरखपुर के लोगो का लोकार्पण किया। इस दौरान भजन गायक ने विभिन्न मुद्दों पर सीएम से चर्चा की।

नैतिकता भूले शिक्षक, जूते-चप्पल पहन गांधी-शास्त्री का किया माल्यार्पण

एटा। बच्चों को शिक्षा के साथ नैतिकता का पाठ पढ़ाने वाले शिक्षक ही इसे भूल गए। 2 अक्तूबर को विद्यालयों में गांधी और शास्त्री की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के दौरान जूते-चप्पल पहने हुए दिखाई दिए। ब्लॉक क्षेत्र की न्याय पंचायत सोंहार के प्राथमिक विद्यालय ब्रिसिंगपुर, प्राथमिक विद्यालय नगला हंसी, उच्च प्राथमिक विद्यालय कुवंरपुर नगरिया, पूर्व माध्यमिक विद्यालय जैतपुरा में शिक्षक-शिक्षिकाएं गांधी और शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प भेंट करने के दौरान जूते-चप्पल पहने हुए थे। बीएसए दिनेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच कराई जाएगी।

जाम से मुक्ति के लिए वार्कशॉप पर बस स्टैंड का प्रस्ताव

एटा। आगरा रोड स्थित वर्कशॉप पर नया बस स्टैंड बनाने की पहल की गई है। ताकि जीटी रोड स्थित बस स्टैंड पर लगने वाले जाम से मुक्ति मिल सके। अगर मंजूरी मिल जाती है तो जिले के लिए यह सौगात होगी। यहां आगरा-बरेली जाने वाली बसों का ठहराव किया जाएगा। इससे शहर के लोगों को लाभ होगा।परिवहन निगम का रोडवेज वर्कशॉप करीब 10 एकड़ के क्षेत्रफल में फैला हुआ है। इसमें से करीब 5 एकड़ जमीन उपयोग में ही नहीं ली जा रही है। इस जमीन पर एक नया बस स्टैंड बनाने के लिए पहल की गई है। इसकी मंजूरी कराने में शासन और प्रशासन के अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। अगर शासन और प्रशासनिक स्तर से अमल किया जाता है तो शहर के लोगों को बड़ी सौगात मिल सकती है। मंजूरी मिल जाती है तो जीटी रोड पर वाहनों का जमावड़ा कम हो जाएगा और आगरा व मुख्य मार्ग पर लगने वाले जाम से लोगों को होने वाली परेशानी से भी मुक्ति मिल जाएगी।

ट्रैफिक के डायवर्जन का हो इंतजाम...तभी पूरा हो पाएगा काम

गोरखपुर। बरगदवां-नकहां ओवरब्रिज के निर्माण कार्य के पूरा होने में अभी वक्त लगेगा। बरगदवां तिराहे से रेलवे क्रॉसिंग तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। इस रूट पर गाड़ियों की आवाजाही इतनी ज्यादा है कि काम कराने में बाधा आ रही है। इसे देखते हुए सेतु निगम के अधिकारी अब ट्रैफिक डायवर्जन का विकल्प तलाश रहे हैं। छोटी व बड़ी गाड़ियों को अलग-अलग रास्तों से गुजारने की योजना तैयार की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि ट्रैफिक डायवर्ट होने के बाद तेजी से काम पूरा कराया जाएगा। अगर ये दावे सही भी हो जाएं, तब भी करीब एक साल का समय लग जाएगा, तब तक लोगों को दुश्वारियां झेलनी पड़ेंगी।

सौ साल से अधिक उम्र के मतदाताओं को सम्मानित किया

गढ़मुक्तेश्वर। एसडीएम अंकित कुमार ने बताया कि रविवार को डीएम प्रेरणा शर्मा के निर्देश पर सौ साल से अधिक की उम्र वाले मतदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि गढ़ के ईश्वरी देवी, निर्मला देवी, चरणलाल, बक्सर के गिरीराज और ब्रजनंदन, वहीं अल्लाबख्शपुर के जगवीर, शिवचरण, हुकमो और शाहपुर चौधरी की हरप्यारी को सम्मानित किया। एसडीएम ने कहा कि आगे भी लोकसभा समेत अन्य चुनावों में इसी तरह उमंग के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। इस मौके पर तहसीलदार सीमा सिंह, नायब तहसीलदार पवन कुमार, पुष्पेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

श्रद्धांजलि समारोह में शामिल हुए संत और शिक्षाविद्

गोरखपुर। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि पर सोमवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। चौक बाजार महाराजगंज की तीनों संस्थानों में कटक, उड़ीसा से महंत शिवनाथ तथा प्रयागराज से ज्योतिष मणि त्रिपाठी उपस्थित रहे। गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ भरोहिया पीपीगंज में विद्या चैतन्य महाराज और प्रो. रवि शंकर सिंह, भौतिक विज्ञान दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय उपस्थित रहे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज में गोविवि के कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, डीवीएनपीजी कॉलेज सिविल लाइंस में पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के पूर्व संकायाध्यक्ष डॉ. आध्या प्रसाद द्विवेदी उपस्थित रहे। महाराणा प्रताप सीनियर सेकेंडरी स्कूल मंगला देवी मंदिर बेतियाहाता में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खडवासला के पूर्व आचार्य प्रो. राजेंद्र भारती मौजूद रहे। महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस में प्रो. शोभा गौड़, महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय और महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज रामदत्तपुर की दोनों संस्थानों में डॉ. शशि प्रभा सिंह उपस्थित रहीं। इसी तरह से अन्य शिक्षण संस्थाओं में भी अलग-अलग लोग शामिल हुए।

मिल्क वैन ने रेलवे बैरियर तोड़ा,लगा जाम

गाजियाबाद। एक तेज रफ्तार मिल्क वैन ने जल्दबाजी के चक्कर में हापुड़ रेलवे क्रासिंग का बैरियर तोड़ दिया। इसके बाद मोदीनगर-हापुड़ मार्ग पर भीषण जाम लग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मशक्कत के बाद याद यातायात सामान्य कराया। रेल अधिकारियों के अनुसार सोमवार शाम करीब 6:30 बजे वन्देभारत ट्रेन पास कराने के लिए हापुड़ मार्ग स्थित रेलवे फाटक बंद किया गया। इसी दौरान राज चौपले की ओर विपरीत दिशा में आ रही एक तेज रफ्तार मिल्क वैन ने बैरियर में टक्कर मार दी। क्षतिग्रस्त बैरियर उछल कर दूर जा गिरा।

रंगीन लाइटों से रेल सह सड़क पुल होगा रोशन

गाजियाबाद। गंगा नदी पर स्थित नवनिर्मित रेल सह सड़क पुल के ऊपर एवं अंदर करीब पांच करोड़ की लागत से 494 थीम युक्त रंग बिरंगी (फ्लैश वाली) आकर्षक लाइट लगाई जाएगी। इसका डेमो ट्रायल बीते जनवरी माह में किया जा चुका है। वजह दिसंबर में इस परियोजना के होने वाले उद्घाटन से पहले इन अत्याधुनिक लाइटों को लगाने की तैयारी है, जिसका उद्देश्य पुल से गुजरते समय ट्रेनों के संचालन में जहां किसी तरह का अवरोध न होने पाए। जब कोई इस रेल सह सड़क पुल या पास से शाम को अथवा रात के समय गुजरे तो उसे कुछ अलग महसूस हो सके। इसके डेमो ट्रायल के दौरान आकर्षक लाइटों की रोशनी से नवनिर्मित रेल सह सड़क पुल सहित आसपास के इलाके भी जगमगा उठे थे। विभागीय अधिकारियों की माने तो पुल के एकदम उपर हिस्से पर दोनों तरफ करीब 108 लाइट, वहीं पुल के अंदर जिससे ट्रेन होकर गुजरेगी वहां करीब 386 लाइट लगाई जाएगी, जो बारह विभिन्न कलर रोशनी विखेरेगी।

युवती से इंस्टा पर दोस्ती, छह महीने चैट; फिर युवक ने दोस्त संग कार में किया दुष्कर्म

हापुड़। सीओ ने बताया कि दोनों आरोपियों को दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया है, आरोपियों के पास से घटना में प्रयोग की गई कार, एक मोबाइल बरामद हुआ है। हरियाणा के युवक ने इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती के बाद युवक ने हाफिजपुर क्षेत्र की युवती को गढ़ बुलाया और गंगा किनारे ले जाकर साथी के साथ कार में दुष्कर्म किया। कोतवाली पुलिस ने दोनों आरोपियों को कार के साथ गिरफ्तार कर लिया है। सीओ आशुतोष शिवम ने बताया कि 30 सितंबर को हापुड़ के थाना हाफिजपुर क्षेत्र की एक युवती ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। जिसमें उल्लेख किया है कि उसकी हरियाणा के पलवल निवासी अनूप नामक युवक के इंस्टाग्राम पर दोस्ती हो गई थी। जिसके बाद करीब छह माह तक व्हाट्सएप पर बात होती रही। पीड़िता ने बताया कि अनुप ने उसको मिलने के लिए गढ़ गंगा क्षेत्र में बुलाया था। दोपहर को करीब 12 बजे वह ऑटो में सवार होकर गढ़ में आंबेडकर गेट पर पहुंची, जहां से अनुप और उसके साथ गाड़ी में सवार साथी ने कार में बैठा लिया और खादर क्षेत्र में गंगा तट पर ले गए। यहां अनुप ने अपने साथी दीपेश के साथ युवती से बारी बारी कर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। जिसके बाद दोनों आरोपी उसको नक्का कुआं मंदिर के पास छोड़कर लौट गए। घटना के बाद पीड़िता जैसे तैसे कर कोतवाली पहुंची और आपबीती सुनाई और आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

सीओ ने बताया कि दोनों आरोपियों को दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया है, आरोपियों के पास से घटना में प्रयोग की गई कार, एक मोबाइल बरामद हुआ है। कोतवाली पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

मैनपुरी रॉयल क्लब ने टूंडला इलेविन को 4 विकेट से हराया

टूंडला। असन चौराहा स्थित क्रिकेट खेल मैदान में सोमवार को स्व. अरविंद मिश्रा व डॉ. प्रदीप मिश्रा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट ग्रुप-सी का अंतिम मैच खेला गया। मैनपुरी के रॉयल क्लब ने टूंडला इलेविन को 4 विकेट से हराते हुए मैच जीत लिया। मैनपुरी के रॉयल क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। 40 ओवर के मैच में टूंडला इलेविन ने 30 ओवरों में 183 रन का स्कोर खड़ा किया। बल्लेबाज तुषार ने 65 रन, सूरज कुमार गौर ने 27 रन और दुष्यंत शर्मा ने 27 रनों का सहयोग दिया। गेंदबाजी में हैप्पी यादव ने व चिराग राठौर ने तीन-तीन विकेट लिए। जवाब में खेलने उतरी मैनपुरी के रॉयल क्रिकेट क्लब ने सधी हुई बल्लेबाजी की। मैनपुरी ने 33.3 ओवर में छह विकेट खोकर टूंडला इलेविन के लक्ष्य को भेदते हुए चार विकेट से जीत हासिल की। बल्लेबाज हैप्पी यादव ने 35 रन, जय कुमार ने 39 रन और चिराग राठौर ने 25 रन बनाए।

मेडिकल कॉलेज से मरीजों को रेफर करने के खेल पर कसेगी लगाम

एटा। मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी से मरीजों के रेफर किए जाने का मुद्दा जिले के प्रभारी मंत्री के सामने उठाया गया। इस पर प्रभारी मंत्री ने इमरजेंसी से रेफर मरीजों के विवरण की जांच-पड़ताल करने के निर्देश दिए। कहा है कि मरीज किस हालात में रेफर किया जा रहा है, इसकी जांच कराई जाए, जिससे हकीकत का पता चल सके कि मरीज को क्यों रेफर किया गया किस चिकित्सक ने रेफर किया। इसके बाद स्थानीय स्तर पर मॉनीटरिंग शुरू करा दी गई है। मेडिकल कॉलेज खुला तो लोगों को उम्मीद थी कि बेहतर चिकित्सकों के साथ संसाधन बढ़ेंगे और हर मर्ज का यहीं इलाज मिल जाएगा। समय के साथ कॉलेज में संसाधन बढ़े। चिकित्सक भी बड़ी संख्या में तैनात हैं। जिले के लोगों को बेहतर उपचार नहीं मिल पा रहा है। इमरजेंसी की बात करें तो यहां दुर्घटना सहित अन्य गंभीर स्थिति के मरीजों को तत्काल रेफर कर दिया जाता है। रविवार को जिले के प्रभारी मंत्री केपी मलिक आए हुए थे। ऐसे में व्यापारी नेताओं सहित अन्य लोगों ने यह मुद्दा प्रभारी मंत्री के सामने उठाया। उन्होंने डीएम से मामले की जांच कराने की बात कही थी। कहना था, पता किया जाएगा कि एक दिन में यहां से कितने मरीज रेफर हो रहे हैं, उसे क्या दिक्कत थी और किस डॉक्टर ने मरीजों को रेफर किया है। सीएमएस डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि रेफर किए जाने वाले मरीजों का विवरण देखा जाएगा जांच होगी कि उन्हें रेफर क्यों किया गया ? संबंधित चिकित्सक की भी जानकारी की जाएगी।

दो दिन में 15 मरीज हुए रेफर

मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी के आंकड़ों पर गौर करें तो दो दिन में ही यहां से 15 मरीजों को रेफर किया गया है। 30 सितंबर को इमरजेंसी से 10 मरीजों को रेफर किया गया था। जबकि एक अक्तूबर को यहां से पांच मरीज रेफर हुए।

क्लीनिक सील करने गई स्वास्थ्य विभाग की टीम को घेरा, गाड़ी तोड़ने का प्रयास

हापुड़। देहात थाना क्षेत्र के गांव खढ़खड़ी में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने फर्जी क्लीनिक सील कर दिया। क्लीनिक सील करने से गुस्साए क्लीनिक संचालक ने ग्रामीणों के साथ मिलकर टीम को घेर लिया और अभद्रता करते हुए गाड़ी तोड़ने की कोशिश की। टीम ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। नोडल अधिकारी ने थाने में मामले की तहरीर दी है। एसीएमओ डॉ.केपी सिंह ने बताया कि खड़खड़ी में झोलाछाप द्वारा क्लीनिक चलाए जाने की शिकायत मिली थी। इसका संज्ञान लेकर गांव में जांच की गई। जांच के दौरान क्लीनिक संचालक डॉ.राजीव वर्मा के पास किसी प्रकार की मेडिकल शैक्षिक योग्यता नहीं पाई गई। जिस पर डॉ.राजीव को नोटिस देकर क्लीनिक सील कर दिया गया। क्लीनिक सील करने से गुस्साए क्लीनिक संचालक ने ग्रामीणों को एकत्र कर हंगामा शुरू कर टीम का घेराव कर अभद्रता करने लगा। डॉ.केपी सिंह ने बताया कि सरकारी वाहन को तोड़ने का भी प्रयास किया गया।

बिना आमद कराए ही भागा सिपाही, दोनों ने मोबाइल फोन किए बंद

गाजियाबाद। नगर कोतवाली के साईं उपवन में युवती से छेड़छाड़ और मंगेतर से थप्पड़ मारने के मामले में पुलिस पांच दिन बाद भी न तो आरोपी सिपाही व होमगार्ड को गिरफ्तार कर पाई और न ही घटना में शामिल तीसरे व्यक्ति का नाम पता लगा पाई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सिपाही को निलंबित किया गया लेकिन वह लाइन में बिना आमद कराए ही भाग गया। वहीं होमगार्ड कमांडेंट की ओर से भी आरोपी होमगार्ड के नोटिस जारी किया है लेकिन वह भी घर पर नहीं मिला। दोनों ने मोबाइल फोन भी बंद कर लिए। सिपाही और होमगार्ड पर भ्रष्टाचार, छेड़छाड़ और धमकी देने धारा में मुकदमा दर्ज हुआ था।

नगर कोतवाती क्षेत्र की पीआरवी पर तैनात सिपाही दिगंबर और होमगार्ड राकेश कुमार ने अपने एक साथी के साथ साईं उपवन में गौतमबुद्धनगर की युवती अपने मंगेतर के साथ घूमने गईं थीं।

वहां सिपाही और होमगार्ड ने उन्हें धमकाया। उनके साथी ने पांच लाख रुपये की मांग की। सिपाही और होमगार्ड ने युवती के साथ छेड़छाड़ की और संबंध बनाने का दबाव बनाया। घटना 16 सितंबर की है। मामले में पुलिस ने 28 सितंबर को मुकदमा दर्ज किया था। पांच दिन बाद भी पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई।

दोनों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी

एसीपी निमिष पाटिल ने बताया कि होमगार्ड राकेश कुमार और सिपाही दिगंबर की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। दोनों अपने घरों पर नहीं मिले हैं। उनके पकड़े जाने पर ही तीसरे व्यक्ति के बारे में जानकारी मिल सकेगी। तीसरे व्यक्ति के बारे में मैनुअल जानकारी से भी पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जारी किया नोटिस, बर्खास्ती की रिपोर्ट तैयार की

सीओ होमगार्ड राकेश कुमार राय ने बताया कि पुलिस की ओर से होमगार्ड के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के संबंध में पत्र मिला।

होमगार्ड राकेश को निलंबित कर दिया गया है। बर्खास्ती की रिपोर्ट तैयारी की गई है। जांच के बाद बर्खास्ती की कार्रवाई की जाएगी।

सौतेले पिता ने मासूम बेटे को बेचा, दिव्यांग मां-बाप की सेवा के लिए महिला ने 65 हजार में खरीदा

गाजीपुर। यूपी के गाजीपुर जिले में तीन वर्षीय मासूम को सौतले पिता ने 65 हजार रुपये में कानपुर की एक महिला को बेच दिया था। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बच्चे को उसकी मां को सौंप दिया गया है। यूपी के गाजीपुर जिले में एक सौतेले पिता ने अपने तीन वर्ष के बेटे को 65 हजार रुपये में एक महिला को बेच दिया। महिला अपने दिव्यांग माता-पिता की देखभाल के लिए बच्चे को खरीदा था। इधर, बेटे की मां ने अपहरण का मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस ने 48 घंटे के अंदर कानपुर देहात से बच्चे को बरामद कर लिया। रविवार को गाजीपुर एसपी ओमवीर सिंह ने मामले का खुलासा किया है।

एसपी के मुताबिक, शहर कोतवाली क्षेत्र के महराजगंज बिंद पुरवा निवासी नीलम बिंद के पति की मौत हो गई थी। उससे तीन वर्ष का बेटा था। इधर, नीलम ने दूसरी शादी कानपुर देहात निवासी संजय यादव से एक महीने पहले ही की थी। वह उसके घर आता-जाता था। नीलम की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे के मुताबिक 28 सितंबर की रात उसका बेटा रात लापता हो गया।

ऐसे बच्चे तक पहुंची पुलिस

सुबह होने पर उसने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। अपहरण का मामला पुलिस ने दर्ज करते हुए तलाश शुरू की। महिला के बयान के आधार पर उसके दूसरे पति के बारे में जानकारी हासिल की। सर्विलांस पर मोबाइल नंबर लगाया तो लोकेशन कानपुर देहात पता चला। साथ ही इसकी भी जानकारी हुई की वह कानपुर देहात की एक महिला से अधिक बातचीत करता था।

शक के आधार पर पुलिस अधीक्षक ने टीम गठित की। टीम ने बालक के सौतेले पिता को महराजगंज रेलवे क्रासिंग से गिरफ्तार किया तो सच्चाई सामने आ गई। बालक के सौतेले पिता ने बताया कि बालक का उसने ही अपहरण किया और उसे नौवादपुर थाना सट्टी कानपुर देहात की निवासी शशिबाला को 65 हजार रुपये में बेच दिया था। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार किया तो पता चला कि उसने अपने दिव्यांग माता-पिता की देखभाल के लिए बच्चे को खरीदा है। एसपी ने बताया कि कानपुर देहात से बीते 30 सितंबर को दोनों गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही उसके कब्जे से अपहृत बालक और 65 हजार रुपये बरामद कर लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों का चालान न्यायालय भेज दिया।

कहीं बच्चा चोरी करने के लिए ही तो नहीं की थी शादी

सौतेले पिता ने पैसे के लालच में अपने तीन वर्ष के बेटे को बेच दिया। एसपी के मुताबिक अपहृत बालक सहमा हुआ था। जबकि उसकी मां रो-रोकर बेहाल थी। पुलिस अभी इस मामले की और गहनता से जांच करने में जुटी हुई है। शक जाहिर किया जा रहा है कि कहीं आरोपी सौतेला पिता ने बालक के अपहरण लिए ही तो शादी नहीं की थी। एसपी का कहना है कि इससे इन्कार भी नहीं किया जा सकता। फिलहाल जांच की जा रही है।

मछलियों का शिकार कर रहे वृद्ध की नदी में डूबकर मौत

हमीरपुर। संगम तट पर सोमवार को नाव से मछलियों का शिकार कर रहे वृद्ध की नदी में डूबकर मौत हो गई। आसपास मौजूद मछुआरों ने घटना की सूचना परिजनों की दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को सूचित किया।सदर कोतवाली क्षेत्र के मेरापुर मोहल्ला निवासी विक्रम ने बताया कि सोमवार को दादा चत्तुर निषाद (75) नदी में नाव लेकर मछली पकड़ते थे। संगम के पास नदी में मछली पकड़ने के दौरान पानी में फिसल जाने से नदी में डूबकर मौत हो गई। आसपास मौजूद कुछ मछुआरों ने देखा तो उनका हाथ दिख रहा था। उन्होंने घर में सूचना दी। बताया कि उनके दो बच्चे हैं। नाती महेंद्र ने बताया कि करीब एक माह से वह नाव में ही रहते थे। उसी में खाना बनाते खाते थे। कोतवाल दुर्गविजय सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। कहा कि नाव से फिसलकर नदी में गिरने से उसकी डूबकर की मौत होने की तहरीर परिजनों ने दी है। कहा कि आगे की कार्रवाई की जा रही है।

व्यापार मंडल की चेतावनी, जीएसटी अफसरों के खिलाफ खोलेंगे मोर्चा

इटावा। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उप्र के जिलाध्यक्ष आलोक दीक्षित ने सोमवार को हुई बैठक में यह बात कही। बताया कि अब उनका संगठन ऐसे जीएसटी अधिकारियों के खिलाफ दो-दो हाथ करेगा। जो छोटे दुकानदारों का उत्पीड़न करते हैं। अब किसी भी छोटे कस्बा अथवा गांव में जीएसटी अधिकारी जीएसटी पंजीकरण के लिए दबाव बनाते हैं तो उनको घेर कर बैठाया जाएगा व बड़े अधिकारी को बुलाकर उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई कराई जाएगी। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उप्र का आरोप है कि जीएसटी विभाग के अधिकारी व कर्मचारी गांव व कस्बों में दुकान चलाने वाले ऐसे व्यापारियों का उत्पीड़न कर रहे हैं, जिनका टर्नओवर कभी 40 लाख के दायरे को छू नहीं सकता है। जबकि सरकार ने 40 लाख तक टर्नओवर वाले व्यापारियों जीएसटी पंजीकरण से बाहर रखा है। विभागीय अधिकारी व कर्मचारी सरकारी आदेश को दरकिनार कर अधिकारी अवैध वसूली के लिए दबाव बनाकर व्यापारियों का उत्पीड़न कर रहे हैं प्रदेश उपाध्यक्ष अखिलेश वर्मा ने कहा कि सराफा व्यवसायी किसी अंजान व्यक्ति से कोई सामान न खरीदें। खरीदते भी हैं तो उस व्यक्ति का आधार कार्ड, फोन नंबर अवश्य लें और उस सामान की पूरी कीमत दें। अन्यथा व्यापार मंडल उनकी कोई मदद नहीं कर पाएगा। शहर अध्यक्ष संजय वर्मा ने व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए कहा।

महिला व्यापार मंडल की प्रदेश महासचिव सुशीला राजावत ने महिला व्यापारियों की समस्याओं से अवगत कराया।

साजिद बने जिला उपाध्यक्ष

व्यापार मंडल की बैठक के दौरान साजिद हुसैन को संगठन का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। सभी ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष कामिल कुरैशी, जिला उपाध्यक्ष राजीव मिश्रा, युवा जिलाध्यक्ष रियाज अब्बासी, महिला जिलाध्यक्ष अर्चना कुशवाहा, युवा शहर अध्यक्ष बल्लू मंसूरी आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

युवक की कुल्हाड़ी व डंडे से पीटकर हत्या

हमीरपुर। पूर्व में हुए विवाद के चलते रविवार देर शाम खेत से लौट रहे युवक पर कुल्हाड़ी व डंडे से हमला कर लहूलुहान कर दिया। परिजन उसे सीएचसी लाए, जहां से गंभीर हालत में चिकित्सकों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मुस्करा थानाक्षेत्र के बसवारी के शिवनी डेरा निवासी बलवान यादव ने बताया कि वह अपने बड़े भाई मदनपाल यादव (38) के साथ रविवार रात करीब साढ़े आठ बजे खेतों से मूंगफली फसल की कतराई कराकर घर लौट रहे थे। बताया कि वह भाई से करीब 50 मीटर आगे चल रहा था। जैसे ही वह गांव के पास पहुंचे, तभी पीछे से तीन लोगों ने एक राय होकर पीछे चल रहे उसके भाई पर कुल्हाड़ी व लाठी डंडों से हमला कर दिया। जिससे वह लहूलुहान होकर रास्ते पर गिर पड़ा। जब उसने शोर सुनकर पीछे देखा तो हमलावरों को ललकारा। जिसपर सभी आरोपी उसे घायल अवस्था में छोड़कर मौके से भाग गए। बताया कि आनन फानन में उसे सीएचसी मुस्करा लेकर आए। जहां से उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। और जिला अस्पताल में आते ही चिकित्सकों ने भाई को मृत घोषित कर दिया। बताया कि मृतक तीन भाइयों में बीच का था। जो अपने पीछे चार मासूमों नैंशी (12), रक्षा (10), नीतू (7) व राज (5) को रोता बिलखता छोड़ गया। वहीं पत्नी सोनम व बूढ़ी मां रो-रोकर बुरा हाल बना रखा है। एसपी डॉ. दीक्षा शर्मा ने बताया कि अभी तक तहरीर नहीं मिली है। परिजनों ने धारदार औजार व डंडे से हत्या का आरोप लगाया है। परिजन बार बार बयान भी बदल रहे हैं।

मिट्टी का खनन करते ट्रैक्टर, जेसीबी पकड़ी

इटावा। पुलिस व खनन विभाग की टीम ने गांव नगला उदय सिंह क्षेत्र में अवैध रूप से मिट्टी का खनन करते ट्रैक्टर, जेसीबी बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की कार्रवाई से खनन माफिया में खलबली मची है। खनन माफिया दिन भर ट्रैक्टर व जेसीबी मशीन और आरोपी को छुड़ाने के लिए प्रयास करते रहे, लेकिन पुलिस की सख्ती के चलते कामयाब नहीं हो सके। गौरतलब है कि इस क्षेत्र में पिछले काफी समय से पुलिस को शिकायतें आ रही थीं कि यहां पर कुछ लोग अवैध रूप से मशीनों से मिट्टी का खनन किया जा रहा है। रविवार देर रात को जैसे ही थाना प्रभारी मुकेश कुमार सोलंकी को इसकी सूचना मिली तो उन्होंने तत्काल पुलिस टीम को क्षेत्र की ओर रवाना किया।

मौसा-भतीजे ने गंगा तट पर की दरिंदगी- युवती को अगवा कर किया सामूहिक दुष्कर्म, आरोपी फौजी के खिलाफ रिपोर्ट तैयार

हापुड़। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सोमवीर सिंह ने बताया कि 30 सितंबर को हापुड़ के हाफिजपुर थाना क्षेत्र की एक युवती ने मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें असम की तीन नंबर बटालियन में तैनात दीपेश ने अपने भतीजे अनूप निवासी हरियाणा पलवल के साथ मिलकर गंगा तट पर ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया था। हरियाणा के पलवल के युवक ने अपने मौसा के साथ हाफिजपुर की युवती को गढ़ गंगा तट पर ले जाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देने के मामले में कोतवाली पुलिस ने फौजी मौसा की करतूतों का चिट्ठा तैयार कर लिया है, जिसे मंगलवार को सेना के कमांडेंट को भेजा जाएगा। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सोमवीर सिंह ने बताया कि 30 सितंबर को हापुड़ के हाफिजपुर थाना क्षेत्र की एक युवती ने मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें असम की तीन नंबर बटालियन में तैनात दीपेश ने अपने भतीजे अनूप निवासी हरियाणा पलवल के साथ मिलकर गंगा तट पर ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया था। जिसके बाद दोनों आरोपी पीड़िता को बीच रास्ते में छोड़कर भाग गए थे।

कोतवाली प्रभारी ने बताया कि युवती का आरोप है कि छह माह से फौजी के भतीजे अनूप से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी, तभी से बार बार आरोपी मिलने के लिए कह रहा था। 30 सितंबर को जब गढ़ में मिलने पहुंची तो आरोपी अनूप ने अपने मौसा के साथ मिलकर घिनौनी घटना को अंजाम दिया था। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि सेना में तैनात दीपेश के खिलाफ रिपोर्ट तैयार कर ली गई है, युवती द्वारा लगाए गए आरोपों के आधार पर रिपोर्ट असम के भारतीय सेना कमांडेंट को भेजी जाएगी।

शादीशुदा है फौजी, कर डाली दरिंदगी

अपने भतीजे की बातों में आकर युवती को अकेला पाकर अपना आपा खो बैठा और दीपेश ने युवती के साथ दरिंदगी की। पुलिस के अनुसार पूछताछ में दीपेश ने बताया कि वह शादीशुदा है, 10 दिन पहले ही अवकाश पर आया था लेकिन हवस में अंधा होकर दीपेश ने अपनी नौकरी भी दांव पर लगा दी है।

घर में घुसकर ईंट से किए ताबड़तोड़ वार, परिजनों को भी नहीं लगने दी भनक

ग्रेटर नोएडा। आरोपी पिंकी से मिलने आया था। पिंकी ने ही दरवाजा खोलकर उसे अंदर बुलाया, लेकिन किसी बात पर दोनों में विवाद हो गया। दरवाजे के पास रखी ईंट से वारकर सुमित ने पिंकी की हत्या कर दी। ग्रेटर नोएडा के हबीबपुर गांव में पिंकी (23) की हत्या के मामले में पुलिस का दावा है कि कन्नौज निवासी प्रेमी सुमित ने उसकी हत्या की है। सोमवार को मुठभेड़ के बाद पुलिस ने सुमित और उसके चचेरे भाई कौशल को गिरफ्तार किया है। शनिवार रात सुमित पिंकी से मिलने उसके घर पर गया था। पिंकी ने ही अंदर से दरवाजा खोला।

इसके बाद किसी बात पर विवाद होने पर आरोपी ने ईंट से पहले सिर और फिर चेहरे पर कई वार कर हत्या कर दी। आरोपी घर से नकदी-आभूषण लूटकर भाग गया। पिंकी के पास सो रहे परिजन को इसकी जानकारी नहीं हुई। अगले दिन रविवार को ग्रामीण ने हत्या की जानकारी थाने पर दी। इस वजह से खुलासे को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

डीसीपी सुनीति और एडीसीपी डॉ. राजीव दीक्षित ने बताया कि पिंकी की हत्या के खुलासे के लिए तीन टीमों का गठन किया गया था। आरोपी सुमित से पूछताछ के बाद पता चला कि उसकी पिंकी से डेढ़ दो साल से पहचान थी। वह पहले पिंकी के घर में ही किराये पर रहता था, लेकिन दोनों के संबंध की जानकारी होने पर वह गांव में ही दूसरे घर में किराये पर रहने लगा था, लेकिन पिंकी के घर अक्सर मिलने आता था। शनिवार रात भी वह पिंकी से मिलने आया था। पिंकी ने ही दरवाजा खोलकर उसे अंदर बुलाया, लेकिन किसी बात पर दोनों में विवाद हो गया। दरवाजे के पास रखी ईंट से वारकर सुमित ने पिंकी की हत्या कर दी। आरोपी घर से एक बैग लूटकर ले गया। इसमें दो लाख के सोने-चांदी के आभूषण और 15 हजार रुपये और आधार कार्ड आदि सामान थे। आरोपी ने बैग चौगानपुर के पास कहीं छुपा दिए थे। पुलिस ने सुमित और कौशल को सोमवार को संगम विहार, दिल्ली से गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपी की निशानदेही पर बरामदगी के लिए चौगानपुर पुलिस चौकी से आगे सीएनजी पंप के पास ले गई। पुलिस ने नकदी, आभूषण और पिंकी का मोबाइल बरामद किया है।

पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनकर आरोपी ने चलाई गोली

चौगानपुर में बैग और सामान की बरामदगी के दौरान आरोपी ने पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनकर गोली चलाई। इसमें पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गया। जवाबी कार्रवाई में सुमित के पैर में गोली लगी। पुलिस का कहना है कि वारदात के बाद आरोपी सामान छुपाकर कौशल के साथ दिल्ली चला गया था। पुलिस का कहना है कि पिंकी की दिसंबर में शादी होनी थी, आरोपी इससे खुश नहीं था। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद की बात सामने आ रही है।

यह सवाल भी उठ रहे

पिंकी के कमरे में उसकी मां-बहन भी सो रही थी लेकिन उन्हें घटना की जानकारी नहीं हुई।

सुमित के घर में आने और वारदात कर फरार होने के परिवार के अन्य सदस्यों को जानकारी नहीं हुई।

परिजन ने घटना की सूचना पुलिस को नहीं दी, एक ग्रामीण ने थाने जाकर हत्या की सूचना दी।

पिंकी ने दरवाजा खोलकर सुमित को बुलाया तो ऐसा क्या विवाद हुआ कि चेहरा कुचलकर हत्या की।

घर में लगे सीसीटीवी के तार किसने हटाए थे।

पिंकी के पिता की मौत भी एक राज है, ग्रामीण उनकी की हत्या की आशंका जता रहे थे।

यह है पूरा मामला

हबीबपुर गांव में पिंकी, मां प्रकाशो देवी और अन्य परिजनों के साथ रहती थी। शनिवार रात पिंकी घर की दूसरी मंजिल पर मां, बड़ी बहन और उनकी बेटी के साथ कमरे में सो रही थी। रात में ही ईंट से चेहरा कुचलकर व सिर में वारकर पिंकी की हत्या कर दी गई। रविवार सुबह शव दूसरे कमरे में लहूलुहान हालत में पड़ा मिला, लेकिन परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को नहीं दी।

सुबह लगभग करीब छह बजे पिंकी को परिजन दादरी लेकर गए थे। बताया गया है कि वह किसी निजी अस्पताल में गए थे और बाद में वापस गांव आए। पिंकी की हत्या की सूचना पड़ोस में रहने वाले ग्रामीण सुबह लगभग 8:40 पर थाने जाकर पुलिस को दी। पिंकी के पिता जीत सिंह की डेढ़ साल पहले संदिग्ध हालत में मौत हुई थी। इससे पहले पिंकी के एक भाई की भी मौत हो चुकी है।

डब्लूडब्लूएफ की टीम ने बिजनौर से शुरू की गणना

चार अक्तूबर को गढ़मुक्तेश्वर पहुंचेगी टीम

हापुड़। दो से छह अक्टूबर तक गणना में बिजनौर से गढ़मुक्तेश्वर और गढ़मुक्तेश्वर से नरौरा बुलंदशहर के बीच डॉल्फिन की गिनती की जाएगी। इस बार एक बोट की बजाय दो बोट में टीमें डॉल्फिन की गणना करेंगी और उनकी जीपीएस लोकेशन सेट करेंगी। गंगा में डॉल्फिन की गणना सोमवार से शुरू हो गई है।

दो से छह अक्टूबर तक गणना में बिजनौर से गढ़मुक्तेश्वर और गढ़मुक्तेश्वर से नरौरा बुलंदशहर के बीच डॉल्फिन की गिनती की जाएगी। चार अक्टूबर को टीम गढ़मुक्तेश्वर पहुंचेगी। इस बार एक बोट की बजाय दो बोट में टीमें डॉल्फिन की गणना करेंगी और उनकी जीपीएस लोकेशन सेट करेंगी। प्रभागीय वन अधिकारी संजय कुमार मल्ल ने बताया कि डब्लूडब्लूएफ के अधिकारी चार अक्टूबर को ब्रजघाट और गढ़ क्षेत्र में पहुंचेंगे। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी जीपीएस सिस्टम से डॉल्फिन को लोकेट किया जा रहा है। दो टीमें डॉल्फिन की गणना करेंगी। डॉल्फिन के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए 1991 में केंद्र सरकार द्वारा बिहार में सुल्तानगंज से कहलगांव के बीच 50 किमी लंबाई में फैली गंगा नदी को विक्रमशिला गांगेय डॉल्फिन अभ्यारण्य घोषित किया गया था। यूपी में डॉल्फिन के आवास संरक्षण की पहल करते हुए विश्व प्रकृति निधि भारत एवं वन विभाग के संयुक्त प्रयास से गढ़मुक्तेश्वर से नरौरा बैराज के बीच की लगभग 100 किमी गंगा नदी को रामसर साइट 2005 में घोषित कराया गया था। पर्यावरणविद व डॉल्फिन गार्जियन भारतभूषण गर्ग ने बताया कि वर्ष 2018 में बिजनौर से लेकर नरौरा तक रामसर साइट में 28 डॉल्फिन मौजूद थी। वर्ष 2019 मे बढ़कर 32 और 2020 में हुई गणना में 41 तक गिनती पहुंच गई, जिसमें छोटे बच्चे भी शामिल हैं। इसके बाद से लगातार इनकी संख्या बढ़ रही है।

विशषज्ञों के अनुसार, डॉल्फिन का एक नाम गांगेय है। जिसकी उत्पत्ति गंगा अवतरण के समय से ही मानी गई है। यह साफ और शुद्ध जल मे निवास और प्रजनन करती है। यह भी कहा जा सकता है कि जहां डॉल्फिन होती है, वहां का पानी बिनी किसी टेस्टिंग के पीने योग्य होता है। इस बार भी इनकी संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

चार स्वर्ण सहित ताइक्कांडो टीम ने जीते 11 मेडल

फर्रुखाबाद। राज्य स्तरीय ओपन ताइक्कांडो प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने प्रतिभा का जलवा बिखेरा। 13 सदस्यीय टीम ने चार स्वर्ण सहित 11 मेडल जीते। टीम कोच ने सभी का उत्साहवर्धन किया। सूबे की राजधानी लखनऊ में 30 सितंबर से एक अक्तूबर तक हुई यूपी ओपन स्टेट ताईक्कांडो चैंपियनशिप में जिले के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। टीम की सीनियर वर्ग की खिलाड़ी निधि माधुर (अंडर 57किलोग्राम), सनी दिवाकर (अंडर 54 किलोग्राम), सागर दिवाकर (अंडर 58 किलोग्राम) विनीत कुमार सोमवंशी (अंडर 68 किलोग्राम) में स्वर्ण पदक जीता। इसी वर्ग के (अंडर 46 किलोग्राम) में मुस्कान, (अंडर 53 किलोग्राम) में रूबी ने सिल्वर मेडल जीता। सब जूनियर वर्ग के (अंडर 27 किलोग्राम) भारवर्ग में आदित्य बाथम ने ब्रांज, (अंडर 44 किलोग्राम) भारवर्ग में वैष्णवी आर्या ने सिल्वर, जूनियर वर्ग के (अंडर 42 किलोग्राम) भारवर्ग में पायल ने सिल्वर, (अंडर 45 किलोग्राम) भारवर्ग में हर्ष तथा (अंडर 45 किलोग्राम) भारवर्ग में कृष्ण कुमार ने ब्रांज मेडल जीता। इस दौरान एसोसिएशन के सचिव व कोच अजय सिंह ने सभी विजेता खिलाड़ियों को उनके उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

दबंगों ने पिता व दो पुत्रों को किया लहूलुहान

नवाबगंज। खेत की मेड़ कटने पर हुए विवाद में एक दबंग ने ग्रामीण को पीट दिया। बचाने आए पिता पर भी हमला बोल दिया। इस घटना में पिता व दो पुत्रों का सिर फट गया। पुलिस ने घायलों का डॉक्टरी परीक्षण कराया। थाना क्षेत्र के ग्राम नगला दमू निवासी सुखेंद्र सिंह गंगवार की पड़ोसी गांव इमादपुर में जमीन है। उनका बड़ा पुत्र विवेक सोमवार को खेत देखने इमादपुर गया था। खेत की मेड़ पड़ोसी दबंग युवक ने काट दी, जिसका विवेक ने विरोध किया। इससे नाराज दबंग ने विवेक के ऊपर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे विवेक का सिर फट गया। उसने मोबाइल से घटना की सूचना पिता सुखेंद्र सिंह को दी। कुछ ही देर में सुखेंद्र अपने छोटे पुत्र विकास के साथ खेत पर पहुंचे। जहां दबंगों ने विकास का भी मारपीट कर सिर फोड़ दिया। बचाने आए पिता को भी घायल कर दिया। तीनों घायलों को थाने लाया गया। पुलिस ने घायलों का डॉक्टरी परीक्षण कराया है। सुखेंद्र की तहरीर पर पुलिस ने इमादपुर के सुरेंद्र सिंह, अभिषेक, जयकेश, पवन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दोनों के बीच 10 वर्ष से थे प्रेम संबंध

फिरोजाबाद। महिला और पुरुष के बीच प्रेम संबंध करीब 10 वर्ष से थे। शुरुआत में परिजन व पति ने विरोध किया। दोनों के नहीं मानने पर परिजन बाद में परिजन ने भी विरोध करना बंद कर दिया। तभी से दोनों लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। थाना जसराना के गांव कटैना हर्षा निवासी सत्यप्रकाश परिवार के भरण पोषण के लिए राजस्थान के जयपुर के पास नौकरी करता है। गांव में उसकी पत्नी संतोषी अपनी 5 पुत्रियों एवं एक पुत्र के साथ रह रही थी। इसी दौरान सामने रहने वाले दिवाकर सिंह एवं संतोषी में प्रेम संबंध हो गई। एक दूसरे से प्रेम संबंधों की जानकारी होने पर पहले तो परिजन ने विरोध किया, लेकिन दोनों के नहीं मानने पर परिजन ने भी दोनों के संबंध को स्वीकार कर लिया और फिर दोनों पति-पत्नी के रूप में रहने लगे।

मीडिया को जानकारी होने के बाद पहुंची पुलिस

महिला एवं पुरुष की मौत की जानकारी ग्रामीणों एवं परिजन को सुबह 6 बजे ही हो गई थी। परिजन ने मामले को दबाने के उद्देश्य से पुलिस को नहीं बताया। बाद में दोपहर में मामले की जानकारी मीडिया को हुई तो पुलिस गांव में पहुंची और कार्रवाई की।

शिकोहाबाद के जिला संयुक्त चिकित्सालय में नहीं बाल रोग विशेषज्ञ

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में शिकोहाबाद के जिला संयुक्त चिकित्सालय में बाल रोग विशेषज्ञ नहीं है। यहां वायरल पीड़ित बच्चों का उपचार भगवान भरोसे है। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में वायरल बुखार के केस बढ़ते जा रहे हैं। अधिकांश बच्चे वायरल बुखार की चपेट में है। विशेषज्ञ न होने से इनका उपचार फिजिशियन और फार्मासिस्टों के भरोसे हैं। संयुक्त चिकित्सालय में बाल रोग विशेषज्ञ न होने के कारण फार्मासिस्ट एवं फिजिशियन ही वायरल बुखार से जंग लड़ रहे हैं। शिकोहाबाद क्षेत्र में वायरल बुखार का प्रकोप कुछ इस कदर हावी है कि हर रोज चार से 6 घंटा बीतने के बाद एक या दो केस सामने आ रहे हैं। अधिकांशतः बच्चे ही वायरल बुखार की चपेट में आ रहे हैं। इनको जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया जा रहा है। लेकिन यहां भी व्यवस्था कुछ ज्यादा अच्छी नहीं है। चिकित्सालय में बाल रोग विशेषज्ञ न होने के चलते फिजिशियन और फार्मासिस्ट ही बच्चों का उपचार कर रहे हैं। यहां रात के समय में आने वाले मरीजों का इमरजेंसी के डॉक्टर एवं फार्मासिस्ट उपचार करते हैं। जिला संयुक्त चिकित्सालय, शिकोहाबाद के सीएमएस सत्यप्रकाश शर्मा ने बताया कि हमारे यहां कोई भी बाल रोग विशेषज्ञ नहीं है। इस वजह से कभी-कभी परेशानी होती है। हमने बाल रोग विशेषज्ञ की तैनाती की मांग की है।

नशे में धुत परिचालक का वीडियो वायरल

फतेहपुर। डिपो में तैनात एक परिचालक का नशे में धुत वीडियो वायरल हुआ है। परिवहन निगम ने मामले को संज्ञान में लिया है। परिचालक से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जल्द ही उस पर कार्रवाई हो सकती है। संवाद न्यूज एजेंसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। फतेहपुर डिपो में दो दिन पहले एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें डिपो परिसर में खड़ा एक परिचालक नशे में झूम रहा है। परिचालक लखनऊ रूट पर चलता है। उस दिन वह ड्यूटी में जाने से पहले नशे की हालत में झूमता दिख रहा है। एआरएम विपिन अग्रवाल ने मामले को संज्ञान में लेकर परिचालक से स्पष्टीकरण मांगा है। उनका कहना है कि स्पष्टीकरण मिलने के बाद परिचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बाप ने नाबालिग बेटी को बनाया हवस का शिकार, दो बार गर्भपात भी करवा चुका है

फतेहपुर। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ दुष्कर्म, गर्भपात और पास्को एक्ट का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। वहीं, पीड़ित नाबालिग किशोरी का मेडिकल कराया है। फतेहपुर जिले के बहुआ कस्बे में हैवान बने बाप ने इंसानियत की हदें पार करते हुए पिता-पुत्री के रिश्ते को शर्मशार कर दिया। दरअसल, मामला है कि पिता अपनी ही नाबालिग बेटी को हवस का शिकार बनाता रहा। पीड़ित बेटी की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। ललौली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 17 वर्षीय नाबालिग किशोरी ने अपने पिता के ऊपर आरोप लगाया है कि उसकी मां की 2018 में मौत हो गई थी। उसके बाद से पिता ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। गर्भ ठहरने पर दो बार दवा खिलाकर गर्भपात भी करवा दिया। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ दुष्कर्म, गर्भपात और पास्को एक्ट का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। वहीं, पीड़ित नाबालिग किशोरी का मेडिकल कराया है। कार्यवाहक थाना प्रभारी चंद्रभूषण यादव ने बताया है कि मुकदमा दर्ज किया गया है और कार्रवाई की जा रही है।

पांच सालों तक हैवान पिता की शिकार बनती रही नाबालिग

पीड़ित बेटी ने आरोप लगाया है कि उसकी मां की मौत 2018 में हो गई थी। उसका बड़ा भाई बाहर रहकर कमाता है और पिता ट्रक चालक है। मां की मौत के समय वह 12 साल की थी। तभी घर मे एक रात अकेली पाकर हैवान पिता ने उसके साथ जबरन संबंध बनाए।उसने जब जब विरोध किया, तो मारपीट कर यातनाएं देते हुए पांच सालों तक जबरन अवैध संबंध बनाता रहा।

मध्य अक्तूबर तक गर्मी से निजात मिलनी मुश्किल

फतेहपुर। सर्द मौसम की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन गर्मी से निजात मिलती नहीं दिख रही है। मौसम विशेषज्ञ के अनुसार अगले 15 दिनों तक गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद कम ही है। इस बीच अधिकतम तापमान 36 से 38 के बीच रहेगा। गर्म तापमान से लोग गर्मी से परेशान रहेंगे। ऐसा मौसम आगे भी बना रहने की संभावना जताई जा रही है। अक्तूबर में तापमान में गिरावट होने लगती है और सर्दी का अहसास होने लगता हैं। पिछले साल सितंबर के अंत से 12 अक्टूबर तक भारी बारिश हुई थी। मौसम विशेषज्ञ के अनुसार कई सालों का रिकार्ड टूटा था। लेकिन इस वर्ष गर्मी लगातार अपना सितम बनाए हुए है। इसकी वजह तापमान में गिरावट नहीं होना है। अभी भी अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री तक है। इससे गर्मी कम नहीं हो रही है। एक अनुमान के मुताबिक अगले 4 से 5 अक्टूबर के बीच बारिश की संभावना जताई जा रही है, लेकिन उम्मीद कम ही है। जब तक अधिक बारिश नहीं होगी, तब तक मौसम में ठंड नहीं बढ़ेगी। इस वजह से संभावना जताई जा रही है कि 15 अक्तूबर तक मौसम में गर्माहट बनी रहेगी। ऐसे हालात पूरे महीने भी बन सकते हैं। पिछले सालों की अपेक्षा इस साल गर्मी का मौसम अधिक महीनों तक रहने की उम्मीद है। मौसम विशेषज्ञ डॉ. वसीम खान ने बताया कि तीन चार दिनों में बारिश के सिस्टम बन रहे हैं, लेकिन उम्मीद कम ही है।

दिसंबर में तापमान 6 डिग्री सेल्सियस तक हैं पहुंचता

सर्द मौसम के दिनों दिसंबर महीने में औसतन न्यूनतम तापमान 8 से 6 डिग्री के बीच पहुंचता है। अधिकतम तापमान भी 27 डिग्री तक रहता है। लेकिन ग्लोबल वार्मिंग के कारण इस साल दिसंबर में भी औसत तापमान तक नहीं पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।

बदनीयती से युवतियों को खेत में घसीट ले गए दबंग

शिकोहाबाद। दावत में शामिल होने के लिए जा रहीं युवतियों को दबंगों ने बदनीयती के चलते जबरन बाजरा के खेत में खींच लिया। घटना का विरोध करने पर दबंगों ने परिजन व युवतियों को बेरहमी से पीटा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया है। थाना नसीरपुर क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में रहने वाली युवतियां क्षेत्र में ही किसी दावत में शामिल होने के लिए जा रही थीं। जब वह घर से निकलकर कुछ दूरी पर पहुंची।

आरोप है कि तभी कुछ दबंगों ने उन्हें बदनीयती के चलते जबरन बाजरे के खेतों में खींच लिया और उनके साथ छेड़छाड़ करने लगे। युवतियों की चीख-पुकार की आवाज सुनकर बचाव के लिए उनके परिजन भी मौके पर पहुंच गए। जिन्होंने घटना का विरोध किया तो दबंगों ने युवतियों एवं उनके परिजन को बेरहमी से पीटकर घायल कर दिया। परिजन का आरोप है कि दबंगों ने छेड़छाड़, पिटाई करने के अलावा उनके आभूषण भी लूट लिए हैं। पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय में उपचार के लिए भर्ती कराया है।

नो एंट्री में वाहनों की भरमार, खमोश खड़े जिम्मेदार

फर्रुखाबाद। शहर में आए दिन हर तरफ जाम यूं ही नहीं लगता। इसके पीछे यातायात पुलिस की शह दोषी है। सुबह आठ से रात आठ बजे तक मुख्यमार्ग पर नो-एंट्री जोन है। ई-रिक्शा, कार, टेंपो आदि वाहनों का प्रवेश रोकने के लिए घुमना, पक्कापुल, आईटीआई चौराहा, कोतवाली, चौक, तिकोना पर यातायात के दरोगा, सिपाही व होमगार्ड के जवान लगे हैं। हालात ऐसे कि किन्हीं खास वजहों के चलते उनके सामने ही प्रतिबंधित वाहन धड़ल्ले से आते-जाते हैं, मगर वह रोकने तक की जरूरत नहीं समझते। यही वजह है कि शहर का हर चौराहा-तिराहा और मुख्य बाजार में जाम लगना आम बात हो गई है। जिम्मेदारों का सच जानने के बावजूद बड़े अधिकारी भी इन पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रहे हैं। इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।किसी भी शहर के विकास में सबसे बड़ी बाधा बाजार का जाम होता है। यही हाल यहां का भी है। लालगेट से पक्कापुल व तिकोना तक नो-एंट्री जोन है। इसे सख्ती से लागू करने के लिए यातायात महकमा ने लालगेट, चौक व आईटीआई चौराहे पर दरोगा, सिपाही व होमगार्डों की तैनाती कर रखी है। यही नहीं रेलवे रोड स्टेट बैंक गली, तलैया फजल इमाम मोड़, घुमना, नितगंजा, पक्का पुल, तिकोना पर ई-रिक्शा, कार, टेंपो आदि वाहनों को रोकने के लिए होमगार्ड तैनात हैं। मगर यह सब अपने दायित्वों का कितना निर्वहन कर रहे हैं, इसकी सोमवार दिन में ली गई तस्वीरें साफ गवाही दे रही हैं। शाम करीब साढ़े चार बजे लालगेट पर सुरक्षा कर्मी खड़े थे। उनके सामने ही प्रतिबंधित वाहनों का शहर में घुसना और निकलना बदस्तूर जारी था। दोपहर में तलैया फजल इमाम से होकर लाल सराय में घुसने वाले वाहनों को रोकने के लिए मोड़ पर एक सुरक्षा कर्मी कुर्सी पर मुस्तैद था। उसके सामने ही ई-रिक्शा निकल रहे थे। मगर टोकने तक की जरूरत नहीं समझी। यही हाल पक्कापुल का दिखाई दिया। मुख्यमार्ग के हालात ऐसे हो जाते हैं कि 20-20 ई-रिक्शा की लाइनें लगी दिखती हैं। यातायात उपनिरीक्षक रजनेश कुमार ने बताया कि संकरी गलियों से ई-रिक्शा मुख्यमार्ग पर पहुंच जाते हैं।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार सफाई कर्मी की मौत

फर्रुखाबाद। गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर देर शाम गांव में सफाई कर घर लौट रहे एक बाइक सवार सफाई कर्मी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हेलमेट न लगाए होने से सिर में गंभीर चोटें आईं। सूचना पर पहुंचे परिजन उसे लोहिया अस्पताल लाए। जहां मृत घोषित कर दिया गया। अमृतपुर थाना क्षेत्र के गांव नगला हूसा निवासी वीरपाल (45) राजेपुर क्षेत्र के गांव ताजपुर में सफाई कर्मी के पद पर तैनात थे। दो अक्तूबर गांधी जयंती के उपलक्ष्य में गांव में चल रहे विशेष सफाई अभियान में रविवार देर शाम तक काम किया। इसके बाद वह अपनी बाइक से घर जा रहे थे। रात करीब साढ़े नौ बजे वह जब बदायूं मार्ग पर तौफीक की मड़ैया कलक्टरगंज के सामने पहुंचे तो तेज रफ्तार किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। इससे वह बाइक समेत वह दूर जा गिरा। हेलमेट न लगाए होने से वीरपाल के सिर में गंभीर चोटें आईं। सूचना पर पहुंचे परिजन और पुलिस उन्हें पहले राजेपुर सीएचसी ले गए। वहां से लोहिया अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वीरपाल चार भाइयों में सबसे छोटे थे। बड़े भाई प्रेमपाल, चंद्रपाल, महेंद्र पाल हैं।

स्वच्छता अभियान जारी, फिर भी चारों ओर गंदगी भारी

एटा। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत वृहद स्तर पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान की शुरूआत पहली अक्टूबर को जिले के प्रभारी मंत्री केपी मलिक ने मेडिकल कॉलेज में झाड़ू लगाकर की थी। इसके बाद भी शहर में कई जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। शहर ही नहीं पूरे जिले में ही गांधी-शास्त्री जयंती पर साफ-सफाई अभियान चलाया गया। स्वच्छता ही सेवा है अभियान के तहत नगर पालिका अध्यक्ष सुधा गुप्ता, अधिशासी अधिकारी संजय कुमार गौतम ने पालिका परिसर में झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की। लेकिन एक ओर जहां सफाई अभियान चल रहा है तो वहीं दूसरी ओर कई स्थानों पर अभी भी गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जिसकी वजह से संक्रामक रोग फैलने का खतरा बना हुआ है। सफाई करने वालों की नजरें उस ओर नहीं पहुंच पा रही हैं।

रामलीला मैदान के सामने गंदगी का अंबार

शहर में 10 अक्टूबर से रामलीला का शुभारंभ होने जा रहा है। इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। लेकिन शिकोहाबाद रोड की ओर मैदान में काफी ज्यादा गंदगी का ढेर लगा हुआ है। इस गंदगी से लगातार उठती बदबू की वजह से आसपास रहने वाले लोग काफी परेशान हैं। पास में ही यहां लोग खानपान की चीजों का ठेला लगाते हैं। इन ठेले पर खाने-पीने के लिए लोग आते हैं। यहां की चीजों को खाकर लोग बीमार भी पड़ सकते हैं। पास में ही फल बेचने वाले रामू ने बताया कि कई बार नगर पालिका में शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

किदवई नगर पुलिया पर डलावघर से बाहर सड़क तक फैला रहता है कूड़ा

स्वच्छता ही सेवा है के तहत शहर में साफ- सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत विभिन्न माध्यमों से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। इसके बाद भी शहर में कई स्थानों पर दिनभर कूड़ा पड़ा रहता है। तो कई स्थानों पर डलाबघर से बाहर पूरी सड़क पर कूड़ा पड़ा दिखाई देता है। ऐसा ही नजारा शहर में कट्टीघर के पास किदवई नगर पुलिया पर दिखाई देता है। जहां डलावघर से बाहर पूरी सड़क पर कूड़ा फैला रहता है। जिसकी वजह से उठती बदबू से लोगों का रास्ता निकलना तक मुश्किल हो जाता है।

संदिग्ध हालात में नहर में मिला मछुआरे का शव

फर्रुखाबाद। अचरा रोड स्थित झब्बूपर नहर पुल के नीचे पानी में मछुआरे का शव तैरता मिला। उसके सिर में गहरी चोट लगी थी। परिजनों ने मछली पकड़ने के विवाद में गांव के कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया। वहीं, पुलिस मामले को एक हादसा मानते हुए जांच कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के गांव झब्बूपुर निवासी शीशराम कश्यप के 32 वर्षीय पुत्र अशोक का शव गांव के पास ही नहर पुल के नीचे पानी में तैरता मिला। सुबह परिजन वहां पहुंचे। शव को निकालकर घर ले आए। सूचना पर सीओ सोहराब आलम, इंस्पेक्टर जेपी पाल मौके पर पहुंचे। कुछ देर बाद फोरेंसिक टीम भी पहुंच गई। टीम ने घटनास्थल व अन्य स्थानों से नमूने लिए। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुल के पास ही आग की राख व शराब के खाली पौये आदि मिले। इंस्पेक्टर ने बताया यहां मृतक ने रात को मछली भूनकर खाई और शराब पी है। पुलिस का मानना है कि अशोक रोजाना नहर में मछली पकड़ने का काम करता था। रात में मछली पकड़ते समय किसी तरह उसका पैर फिसल गया होगा। पुल के नीचे नुकीली ईंट से टकराकर घायल हो गया।

अशोक के भाई दीनदयाल का कहना है कि उनके भाई से गांव के कुछ लोगों से मछली पकड़ने को लेकर विवाद हुआ था। उसकी टकोरे से हमला कर हत्या कर दी है। पुलिस का कहना है कि भाई नशे की हालत में हैं इसलिए ऐसा बोला रहा है। नशा उतरने के बाद सही बात सामने आएगी। एसआई अनिल सिकरवार ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। दो माह पूर्व अशोक की पत्नी सुमन चार बेटियों के साथ मायके चली गई थी। अशोक अपने बड़े भाई के घर खाना खाता था। अशोक के 5 भाई और दो बहनें हैं।

महिला से दुष्कर्म के बाद पति को धमकाया

फतेहपुर। घर में घुसकर युवक ने महिला के साथ दुष्कर्म किया। महिला ने आपबीती पति को बताई। पति शिकायत लेकर आरोपी के पास पहुंचा। आरोपी ने युवक से झगड़ा किया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने उच्चाधिकारियों के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया है। मलवां थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला (28) जुलाई माह में मायके गाजीपुर थाना क्षेत्र के एक गांव आई थी। महिला का आरोप है कि गंभीर गांव निवासी राम सिंह 20 जुलाई की दोपहर घर आया। पिता को पूछने के बहाने अंदर घुस आया। वह घर में अकेली थी। अकेला होने का फायदा उठाकर दुष्कर्म किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। दुष्कर्म के बाद किसी को कुछ न बताने की बात कही। उसने पति को आपबीती बताई। पति आरोपी राम सिंह के घर पहुंचे। घटना को लेकर पूछताछ करने लगे। इस पर वह पति से झगड़ने लगा और मारपीट पर आमादा हो गया।

जैथरा चेयरमैन को जान से मारने की धमकी, थाने में भी अभद्रता

एटा। जैथरा के नगर पंचायत अध्यक्ष को जान से मारने की धमकी दी गई। बातचीत के लिए थाना प्रभारी और विधायक ने आरोपी को थाने पर बुलाया तो वहां भी अभद्रता की गई। चेयरमैन की तहरीर पर एक भाजपा नेता सहित दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। भाजपा नेता एसडीओ विद्युत को धमकाने के मामले में दो दिन पहले ही जमानत पर छूटकर आया है।

चेयरमैन विवेक कुमार गुप्ता ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब 12.15 बजे अपने आवास से एटा की ओर निकले थे। थाने के पास सुनील बौद्ध की चाय की दुकान है। इसके सामने अनुराग उर्फ जीतू राठौर निवासी ग्राम चिलौली और उसके साथी सुनील शाक्य निवासी मोहल्ला शास्त्रीनगर ने मेरी ओर उंगली से इशारा कर गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। चेयरमैन ने कहा है कि अनुराग राठौर और उसके साथियों से उन्हें व परिवार को जान-माल का खतरा है। यह भी बताया कि सुनील बौद्ध की चाय की दुकान पर अपराधिक किस्म के लोग एकत्रित होते हैं। चेयरमैन की तहरीर पर दोनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जब चेयरमैन तहरीर देने थाने पर पहुंचे थे, उसी समय वहां अलीगंज विधायक सत्यपाल सिंह राठौर भी पहुंच गए। अनुराग को भी थाने पर बुलाया गया। लेकिन वहां भी अनुराग के तेवर तीखे थे। चेयरमैन ने बताया कि थाने में भी आरोपी ने अभद्रता की। उस समय वहां विधायक और थाना प्रभारी फूलचंद मौजूद थे। उन लोगों ने आरोपी की फटकर भी लगाई। बता दें कि अनुराग के विरुद्ध एसडीओ विद्युत जैथरा ने कार्यालय में घुसकर धमकाने और सरकारी कार्य में बाधा डालने की रिपोर्ट लिखाई थी। जिसमें उसने 26 सितंबर को कोर्ट में सरेंडर किया और 28 सितंबर को जमानत पर रिहा हुआ।

चेयरमैन चुनाव से चल रहा विवाद

विवेक गुप्ता निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े और जीते थे। जबकि भाजपा की टिकट पर पूर्व चेयरमैन विजेंद्र सिंह चौहान ने चुनाव लड़ा था, जिन्हें पराजय का सामना करना पड़ा। आरोपी अनुराग राठौर पूर्व चेयरमैन पक्ष का है और चुनाव के समय से ही विवेक गुप्ता से विवाद की स्थिति बन गई थी। चेयरमैन ने जो प्रार्थना पत्र दिया, उसके आधार पर जैथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। इसकी जांच शुरू करा दी गई है। सुरक्षा के लिए पूर्व में उन्होंने आवेदन किया था। इसका निर्णय जिला सुरक्षा समिति ही लेती है। - सुधांशु शेखर, सीओ अलीगंज

आबाद गांवों तक पहुंचेगी रोडवेज बसें, सर्वे शुरू

फर्रुखाबाद। जिले के सभी आबाद गांवों में रह रहे लोगों को रोडवेज बस सेवा मुहैया कराने की मंशा से सर्वे का काम शुरू कर दिया गया है। प्रबंध निदेशक के निर्देश पर यह काम छह दिन में पूरा होना है। इसके लिए दो टीमें लगा दी गई हैं। एआरएम समेत पांच कर्मचारी गांव-गांव जाकर मार्गों का स्थरीय निरीक्षण, यात्रियों की उपलब्धता का आंकलन कर विस्तृत रिपोर्ट भेजेंगे। सोमवार को एआरएम की अगुवाई में बनाई गई टीम कई गांवों तक गई। राज्य सड़क परिवहन निगम गांवों के नाम पर मेरापुर, साहबगंज, नौली, सहसापुर गांवों में ही रोडवेज बसों की सेवा दे पा रहा है। करीब 15 सालों से कमालगंज के कालीनदी किनारे बसे गांव गदनपुर तुर्रा, गंगा और रामगंगा के दोआब में बसे गांव अर्जुनपुर, सरह होकर कड़हर तक जाने रोडवेज बस भी बंद चल रही है। इन गांवों को जाने वाले मार्ग पहले से काफी अच्छे हैं। अब राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने जिले के सभी आबाद गांवों तक रोडवेज सेवा शुरू करने के लिए सर्वे करने के निर्देश दिए थे। इसी के अनुपालन में क्षेत्रीय प्रबंधक ने दो टीमों का गठन कर दिया। पहली टीम में शामिल एआरएम आरसी यादव, एटीआई कासिम खां व रामप्रकाश दो से चार अक्तूबर और दूसरी टीम में शामिल एटीआई केके तोमर व राजेश भारती पांच से सात अक्तूबर तक संभावित सभी गांवों तक जाएंगे। सोमवार को एआरएम आरसी यादव ने अपनी टीम के साथ असेवित गांवों का सर्वे शुरू कर दिया है। सर्वे टीमों को गांवों तक जाकर मार्ग की स्थिति, गांवों में यात्रियों की संख्या का आंकलन, डिपो से दूरी समेत कई बिंदुओं पर रिपोर्ट बनानी है। यही नहीं टीमों को यह भी बताना है कि किस मार्ग पर किस श्रेणी की बस का संचालन किया जा सकता है।

मसलन 26 सीट, 38 या 40 सीट और बड़ी बस का उल्लेख भी करना है। ये टीमें सात अक्तूबर की शाम तक अपनी रिपोर्ट क्षेत्रीय कार्यालय को उपलब्ध करवाएंगे। क्षेत्रीय प्रबंधक अपने यहां के सभी डिपो की रिपोर्ट 10 अक्तूबर तक प्रबंध निदेशक कार्यालय को भेजेंगे। निगम की सख्ती से उम्मीद है कि आने वाले दिनों में गांवों में रहने वाले लोगों को रोडवेज बसों की सुविधा मिल जाएगी। एआरएम आरसी यादव ने बताया कि स्थानीय स्तर से रिपोर्ट समय से भेज दी जाएगी।

चारा काटने गई मां, बेटी पर हमला

फतेहपुर। थाना क्षेत्र बेसड़ी गांव में चारा काटने गई मां बेटी पर जानलेवा हुआ। हमले में घायल मां बेटी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बेसड़ी निवासी पुतन पुत्र राजपाल पासवान ने थाने में तहरीर दी कि पत्नी श्रीमती और बेटी खुशबू दो अन्य महिलाओं के साथ 29 सितंबर को 11 बजे राजकरन तिवारी के खेत में चारा काटने गई थीं। वहां पहले से मौजूद गांव का ही भीकखू पुत्र अयोध्या लोधी घास काटने को लेकर बेटी खुशबू को गाली गलौज करते हुए पीटने लगा। पत्नी श्रीमती बचाने दौड़ी, तो उसे भी गाली गलौज करते डंडे से मारपीट की। डंडा लगने से पत्नी के सिर पर गंभीर चोट आई। थाना अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया मुकदमा दर्ज कर आरोपी को पकडऩे प्रयास किया जा रहा है।

सोते में बालिका को उठा ले गया, दुष्कर्म का प्रयास

फतेहपुर। घर के बाहर बहन के साथ सो रही बड़ी बहन को अगवा कर युवक ने दुष्कर्म का प्रयास किया। ग्रामीणों की घेराबंदी पर आरोपी एक बाग में बालिका को छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने बालिका का मेडिकल परीक्षण कराया और आरोपी को गिरफ्तार किया है। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली नौ साल की बालिका कक्षा तीन में पढ़ती है। बालिका 29 सितंबर की रात घर के बाहर सात साल की छोटी बहन के साथ सो रही थी। उसके बगल की चारपाई पर मां छोटे बेटे को लेकर सो रही थी। करीब रात एक बजे मानपुर कठेरवा गांव का अर्जुन लोधी बालिका के दरवाजे पहुंचा। वह सो रही नौ साल की बालिका को उठा ले गया। घर के करीब 50 मीटर दूर कर्वी की फसल में ले गया और छेड़खानी करने लगा। खेत के पास रहने वाली एक महिला लघुशंका को उठी थी। महिला शोर सुनकर मौके पर पहुंची। महिला के शोर मचाने पर अर्जुन बालिका को लेकर भाग निकला। महिला ने ग्रामीणों और परिजनों को खबर दी। गांव के लोग बालिका की खोजबीन में जुट गए। सूचना पर पुलिस भी पहुंची।

ग्रामीणों ने बालिका को घर से करीब 500 मीटर दूर बाग में रोते बिलखते पाया। सही सलामत मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया। आरोपी को गिरफ्तार किया।

महिला एक माह से लापता, हत्या कर शव गायब करने की आशंका

एटा। थाना निधौली कलां क्षेत्र से महिला एक माह से लापता है। इसकी हत्या कर शव गायब करने की आशंका जताई गई है। भाई ने महिला के पति सहित सात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। ससुरालीजन घर छोड़कर भागे हुए हैं, पुलिस जांच में जुटी है। थाना जलेसर क्षेत्र के गांव बलेसरा रेजुआ निवासी इब्राहिम ने बहन शायरा बानो निवासी गांव नाडर थाना निधौली कलां के लापता होने की रिपोर्ट लिखाई है। आशंका जताई है कि बहन की हत्या कर शव को गायब कर दिया गया है। आरोप है कि बहन का पति निसार, सास आमना बेगम, जेठ सहीक व अंसार, जेठानी जमीला बेगम, देवरानी सलमा और ननद शमा निवासी बरा भौंडेला थाना अवागढ़ परेशान करते थे। निसार व्यापार करने के लिए दो लाख रुपये की मांग करता आ रहा था।

बताया कि बहन की शादी करीब 13 वर्ष पहले की थी। आरोप है कि करीब एक माह पहले हमने बहन से बात करने के लिए कॉल की तो बात नहीं कराई और बहाना बना दिया। चार दिन पहले गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने बताया कि शायरा एक माह से लापता है और ससुराल वाले भागे हुए हैं। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपी घर छोड़कर भाग गए हैं, इनकी तलाश की जा रही है।

नई लाइन चालू होने से पहले लाखों का तार चोरी

एटा। थाना जलेसर क्षेत्र स्थित विद्युत सब स्टेशन बेरनी की नई 33 केवीए लाइन के 16 खंभों से पहली अक्तूबर की रात चोर तार चोरी कर ले गए। करीब डेढ़ किमी दूरी के तारों को चोरी करने में काफी समय लगने के बावजूद बेखौफ चोर वारदात को अंजाम देकर आसानी से फरार हो गए। रविवार को तार चोरी होने की सूचना पर विद्युत निगम के अधिकारियों में हड़कंप मच गया।

इसके बाद निरीक्षण किया गया और तार चोरी होने की तहरीर अवर अभियंता कैलाश शर्मा ने देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। तार की कीमत लाखों रुपये की बताई जा रही है। थाना प्रभारी जगदीश चंद्र ने बताया कि तार चोरी होने की तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच कराई जा रही है।

भाकियू का प्रदर्शन, दबाव में एसडीएम ने छोड़े ट्रैक्टर

फर्रुखाबाद। चकबंदी वाले गांव में मेड़ तोड़ने की शिकायत पर पहुंची पुलिस ने किसानों के तीन ट्रैक्टरों को सीज कर दिया। विरोध में भाकियू टिकैत गुट ने जोरदार प्रदर्शन किया। एसडीएम और सीओ के सामने ही पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसान नेताओं का गुस्सा देख अधिकारी बैकफुट पर आ गए। एसडीएम के आदेश पर बिना जुर्माना वसूले ही तीनों ट्रैक्टरों को छोड़ दिया गया। थाना क्षेत्र के गांव बहोरा में पिछले सालों चकबंदी शुरू कराई गई थी। इसमें कुछ खेतों की नाप हो गई। किसानों के विरोध के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। ऐसे में कुछ किसान नई जगह और कुछ अपने पुराने खेतों को जोत रहे हैं। इसी को लेकर आए दिन विवाद के हालात पैदा हो जाते हैं। बीते दिन गांव के ही ओम प्रकाश, विजय बहादुर और ब्रजमोहन ने थाने में शिकायत की। कहा कि कुछ लोगों ने उनकी मेड़ तोड़कर खेत जोत लिया है। पुलिस ने शिवनाथ सिंह, अशोक कुमार, शिव रतन को पकड़कर तीनों के ट्रैक्टरों को भी थाने में बंद कर सीज कर दिया था। यही नहीं शिवनाथ पर शांतिभंग की कार्रवाई भी कर दी थी।

किसानों पर पुलिसिया कार्रवाई की जानकारी होने पर सोमवार को भाकियू टिकैत गुट के मंडल उपाध्यक्ष प्रभाकांत मिश्रा, प्रमुख महासचिव लक्ष्मी शंकर जोशी, जिलाध्यक्ष अरविंद शाक्य, कमलेश शाक्य, अभिषेक, अमित राजपूत, संतराम वर्मा की अगुवाई में ट्रैक्टरों व कारों से करीब 300 लोग बैंक ऑफ इंडिया के सामने पहुंचे। यहां प्रदर्शन शुरू कर दिया गया। सूचना पर सीओ मोहम्मदाबाद अरुण कुमार, थानाध्यक्ष योगेंद्र सोलंकी, आसपास के चौकी प्रभारी और पुलिस लाइन से दो ट्रक फोर्स बुलाया गया। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि जब तक ट्रैक्टरों नहीं छोड़े जाते, तब तक पंचायत खत्म नहीं होगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त एसडीएम गजराज सिंह को भी बुला लिया गया। उन्होंने किसान नेताओं को समझाने का प्रयास किया, मगर वह नहीं माने। किसानों ने कहा कि यदि दोबारा किसानों को परेशान किया, तो थाने के अंदर संग्राम होगा। अधिकारी किसानों के सहयोग की बजाय उत्पीड़न कर रहे हैं। किसानों का गुस्सा देख एसडीएम ने बिना जुर्माना वसूले ही सीज ट्रैक्टरों को छोड़ने के आदेश दिए। किसानों को ट्रैक्टर मिलने के बाद पंचायत खत्म कर दी गई।

धान की फसल पर कीटों का हमला, किसान परेशान

इटावा। इस बार जिले में सामान्य बारिश होने की वजह से धान की फसल को लेकर किसानों में खुशी थी, लेकिन धान की बालियों पर कीट ने हमला बोलना शुरू कर दिया है। यह बालियों के रस को चूस कर उन्हें खोखला कर रहे हैं। ऐसे में किसानों को बड़ा नुकसान होने की चिंता सता रही है। सबसे ज्यादा 1718 वैरायटी के धान में कीट लग रहे हैं।

अक्तूबर के पहले पखवारे में कुछ किसानो के धान पक गए हैं, लेकिन 60 से 70 प्रतिशत के करीब किसान ऐसे है जिन्होंने धान की पिछैती फसल बोई है। इनके धान में अभी बालियां निकल रही हैं। मौसमी परिवर्तन के चलते इन बालियों में कई प्रकार से रोग लगने शुरू हो गए हैं। इससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। 1692, 1718, 1847 और 1509 प्रजातियों का धान इस बार जिले में 16 हजार हेक्टेयर बोया गया है। इनमें 1718 प्रजाति में सबसे ज्यादा कीटों का प्रभाव देखने को मिल रहा है। इसके प्रभाव से धान की बाली सूखकर सफेद हो जाती हैं और उसमें दाना भी नहीं पड़ पाता है। तना छेदक सूड़ी धान की कलिकाओं की पत्तियां छेद कर अंदर ही अंदर तने को खोखला कर गांठ तक चली जाती हैं। प्रकोप होने पर बालियां नहीं निकलती हैं। जो बाली निकली भी हैं, वह सूखकर सफेद हो रही हैं। उसमें दाने नहीं बनते हैं। किसानों के अनुसार इससे फसल की पैदावार पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

जिला कृषि अधिकारी कुलदीप राणा ने बताया कि धान की फसल को गंधी कीट रस चूसक से बचाने के लिए 100 एमएल इमिडा क्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत की दर से स्प्रे करें। दस किलो केनवेल रेट 0.4 प्रतिशत की दर से बुरकाव करें। तना छेदक से बचाव के लिए लेम्बडा सायहेलोथिन पांच प्रतिशत 250 एमएल प्रति एकड़ का छिड़काव करें। उन्होंने बताया कि यदि ये दोनों समस्याए एक ही खेत में हैं तो लेम्बडा सायहेलोथिन और थायमेंथाक्सिन 200 एमएल प्रति एकड़ का छिड़काव करें। बाली निकलने के साथ शुरू हो जाता है कीटों का प्रकोप कृषि विशेषज्ञ डॉ. विजय बहादुर जायसवाल के मुताबिक, धान की बालियां निकलने के बाद कुछ कीट लगते हैं। यह बालियों में बैठकर दाना बनने से पहले ही बालियों के अंदर का रस चूस लेते हैं। इससे दाना नहीं बनता है। किसान इसका जैविक और रसायनिक उपचार कर कीटों से अपनी फसल को बचा सकते हैं। जानकार बताते हैं कि यदि शीघ्र इस बीमारी की रोकथाम के उपाय नहीं किए गए तो दस से 15 फीसदी उपज में कमी आ सकती है। गलसा बीमारी में पत्तियों पर नाव की आकृति के भूरे धब्बे हो जाते हैं।

किसानों की बात

- नगला तुला निवासी किसान इसरार ने कहा कि खेत में बाली निकल रही है। डर लग रहा है कि कहीं बाली पर रोग न लग जाए। आसपास कई खेतों में रोग लगा है। ऐसे में कृषि जानकार के पास जाकर परामर्श लेंगे। टड़वा स्माइलपुर निवासी किसान सोनू दुबे ने कहा कि फसल में रोग के कारण कीट बाली का रस चूस लेते हैं। इस समय धान में बाली निकल रही है, लेकिन साथ ही कीट का प्रकोप होने लगा है। इससे धान की पैदावार भी घटेगी।

तना मुलायम होने से 1718 को ज्यादा पकड़ते हैं कीट

बीते वर्ष 1718 धान की प्रजाति की कीमतों में अच्छा उछाल देखने को मिला था इसे देखते हुए इसबार जिले में इसका रकबा बढ़ा है। जिले में चार हजार हेक्टेयर जमीन में इस प्रजाति को बोया गया है। कृषि जानकार बताते हैं कि इस प्रजाति का तना मुलायम होता है। इसके कारण इसमें कीटों का प्रकोप अधिक रहता है।

स्वच्छता की गूंज के बीच सामुदायिक शौचालयों में ताले

इटावा। स्वच्छता की गूंज के बीच सामुदायिक शौचालयों में ताला न खुलने से सन्नाटा पसरा रहा। चारों तरफ प्रेरणा मिलने के बाद भी शौच के लिए खेतों का रुख करना ग्रामीणों की मजबूरी है। केयर टेकर व रखरखाव सामग्री पर प्रति माह नौ हजार रुपये खर्च हो रहे हैं। कायमगंज ब्लॉक क्षेत्र के गांव जिजपुरा में कंपिल रोड पर सामुदायिक शौचालय बना है। करीब डेढ़ बजे इस शौचालय में ताला पड़ा था। केयर टेकर का अता पता नहीं था। ग्रामीणों से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि यहां गांव की सोनी तैनात हैं। सामुदायिक शौचालय मात्र दिखावा बनकर रह गया है। ग्रामीणों को शौच की सुविधा नहीं मिल पा रही। यही हाल गांव लखनपुर, सत्तार नगर, पितौरा का था। गांव जिजपुरा निवासी बलवीर सिंह ने बताया कि सामुदायिक शौचालय अक्सर बंद रहता है। गांव में बहुत से लोगों के पास शौचालय नहीं है। इससे मजबूर होकर ग्रामीणों को खुले में शौच जाना पड़ रहा है। गांव के ही सुमित कुमार ने बताया कि सुबह कुछ देर के लिए शौचालय खुलता है। इसके बाद ताला ही लगा रहता है। न खुलने का पता और न ही बंद होने का कोई समय है। सरकार के लाखों करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी बने शौचालय बिना इस्तेमाल के ही कंडम हो रहे हैं। सचिव विवेक बाबू मिश्रा ने बताया कि इस मामले में जानकारी की जाएगी। ग्रामीणों को सामुदायिक शौचालय की सुविधा दी जाएगी। वहीं, राजेपुर ब्लॉक क्षेत्र के गांव हमीरपुर सोमवंशी में सामुदायिक शौचालय ताला लगा था। शौचालय के आसपास कूड़ा के ढेर लगे थे। क्षेत्रीय ग्रामीणों की मानें बाढ़ प्रभावित अधिकतर ग्राम पंचायतों के सामुदायिक शौचालयों का लोगों को लाभ नहीं मिल पा रहा है।

बाबू ने भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व को पढ़ाया अहिंसा का पाठ - सुशील कुमार

मां तिलेसरा देवी पी0जी0 में धूम धाम से मनायी गयी बाबू और शास्त्री जी की जयंती

त्रिगुट संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मां तिलेसरा देवी पी0जी0 कॉलेज के प्रांगण में आज 2 अक्टूबर 2023 को देश और दुनिया को अहिंसा, शांति, व सद्भाव का मार्ग दिखाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं सादगी के प्रतीक तथा किसानों को देश की रीढ़ मानने वाले भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती को मनाया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0सुधीर श्रीवास्तव ने झंडारोहण किया एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री तथा भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित किया। तत्पश्चात महाविद्यालय के सेमिनार हाल में संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी की शुरुआत बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर की छात्रा अनामिका के सरस्वती वंदना व स्वागत गीत से हुई । बी0एड0 विभागाध्यक्ष डॉ0अश्वनी कुमार ने महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री जी के संघर्षों व जीवन की सादगी से परिचय कराया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 अभिषेक पांडेय जी ने अपने विचार द्वारा दोनों महान विभूतियों के जीवन के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी।महाविद्यालय के रवि कुमार जी , अर्जुन प्रसाद जी , अभ्युदय सिंह , इंद्रेश कुमार , डॉ0 अभिषेक कुमार , राम जी प्रजापति , सुनीता , साधना यादव , आशा मौर्य व राहुल वर्मा ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किया ।महाविद्यालय के मुख्य नियंता डॉ0 सुशील कुमार ने अपना विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि महात्मा गांधी जी ने अपने कर्मों द्वारा भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व को अहिंसा का पाठ पढ़ाया। गांधी जी ने अपनी वाणी द्वारा जिस समाज की स्थापना की उससे प्रभावित होकर करोड़ों लोग उनके साथ आंदोलन में कूद पड़े जबकि लाल बहादुर शास्त्री जी ने अपनी सादगी द्वारा भारत में चरम स्थान प्राप्त किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि गांधी जयंती को मानना ही नहीं बल्कि गांधी एक विचार है जिसके द्वारा देश को उसके विकास के चरम तक ले जाया जा सकता है द्य जिस तरह उन्होंने अहिंसा को अपनाया और सत्य,अहिंसा और स्वदेशी की भावना को जगाने का प्रयास किया वहीं शास्त्री जी ने अपने सादगी द्वारा देश की जनता को सीखने के लिए प्रेरित किया है। कार्यक्रम का जीवंत और सफल संचालन संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ0 अशोक कुमार जी ने किया।

पुलिस को दिया धन्यवाद

गोंडा। थाना धानेपुर पुलिस ने गुमशुदा लड़के को सकुशल बरामद कर उसके परिजनो को किया सुपुर्द पुलिस अधीक्षक गोण्डा अंकित मित्तल ने 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत अभियान चलाकर अपहृत/गुमशुदा लोगो की शीघ्र बरामदगी करने के निर्देश जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को दिए थे। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना धानेपुर के उपनिरीक्षक रुदल प्रसाद दूबे द्वारा गुमशुदा शिवा को बरामद कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया। गुमशुदा शिवा बिना बताए अपने घर से कही चले गए थे। जिसके संबंध में गुमशुदा भाई द्वारा थाना धानेपुर में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। अपनो से मिलकर गुमशुदा व परिजनों के चेहरे पर मुस्कान लौटी तथा परिजनो ने गोण्डा पुलिस को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया। उक्त सराहनीय कार्य की आमजनमानस में भी काफी सराहना की जा रही है।

राष्ट्र की एकता व अखण्डता की दिलाई गई शपथ

अलावल देवरिया गोंडा। 2 अक्टूबर 1869 को पोरबंदर में जन्मे महात्मा गांधी की 154वीं जयंती जिला गन्ना अधिकारी गोण्डा कार्यालय परिसर में मनायी गयी। जिला गन्ना अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व प0 लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर स्वच्छता व सत्य निष्ठा के साथ राष्ट्र की एकता व अखंडता की शपथ दिलाई गई और उनके आदर्शों पर चलने की सलाह दी। जिला गन्ना अधिकारी ने वहां पर मौजूद अधिकारी व कर्मचारियों को बताया कि महात्मा गांधी का जन्मदिन 2 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिन को सम्मान दिवस के तौर पर देखा जाता है और गांधी जी के देश की आजादी में रहे योगदान को याद किया जाता है। मोहनदास करमचंद गांधी स्वतंत्रता के लिए संघर्ष में एक प्रमुख किरदार थे जिन्होंने देश के लिए अपनी जान तक दे दी। उनके सिद्धांतों और प्रयासों ने स्वतंत्रता की दिशा में भारत की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गांधीजी ने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से भारत की को आज़ाद कराने के लिए अहिंसा का रास्ता चुना था।

महात्मा गांधी को उनके विचारों के लिए याद किया जाता है। उनके दर्शन ने दुनिया भर में अहिंसक आंदोलनों और नागरिक अधिकार अभियानों के लिए प्रेरणा के तौर पर काम किया है। इसके अलावा महात्मा गांधी ने धार्मिक सहिष्णुता की पुरजोर वकालत की और भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के लिए मजबूत प्रयास किए। गांधी जयंती उनको श्रद्धांजलि देने के तरीके के रूप में पूरे देश में मनाई जाती है, और इस दिन भारत में राष्ट्रीय अवकाश रहता है। इस अवसर पर अखंड प्रताप सिंह, अर्जुन सिंह नबा रिज़वी, सबूर बाबू आदि कर्मचारी उपस्थित रहे ।

श्री रामलीला महोत्सव कार्यक्रम को लेकर हुई चर्चा

पूर्व वर्षो से भी अधिक भव्य एवं सुंदर होगा रामलीला मंचन-टेकड़ीवाल

बहराइच संवाददाता

बहराइच। श्री मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान रामलीला कमेटी(रजि0) की बैठक रविवार को अध्यक्ष श्री श्याम करन टेकड़ीवाल की अध्यक्षता में थोक कपड़ा कमेटी अतिथि भवन पर संपन्न हुई जहां आगामी श्री रामलीला मंचन एवं शोभा यात्रा के साथ ही रामलीला महोत्सव पर विस्तृत चर्चा की गई। इस मौके पर अध्यक्ष श्री टेकड़ीवाल ने बताया कि इस वर्ष श्री रामलीला महोत्सव का मंचन पूर्व वर्षो से भी अधिक भव्य एवं सुंदर होगा। इस वर्ष श्री रामलीला कमेटी के द्वारा रामलीला मंचन को और व्यापक एवं विस्तृत रूप देने के लिए सांस्कृतिक धार्मिक और देशभक्ति से परिपूर्ण कार्यक्रमों को मंच प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

इस प्रकार रहेंगे कार्यक्रम का आयोजन

15 अक्टूबर समाज को संदेश प्रदान करती हुई नगर भृमण को छावनी के पंचायती मन्दिर से रामलीला स्थल तक निकलेगी भव्य शोभायात्रा।

24 अक्टूबर को दशहरा

27अक्टूबर भरतमिलाप

28अक्टूबर को राजगद्दी विशातखाना चबूतरा पर होगा तथा 29 अक्टूबर को घण्टाघर प्रांगण में राजगद्दी के उपलक्ष्य पर सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा।

श्री मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान रामलीला कमेटी अध्यक्ष श्री श्याम करन टेकड़ीवाल ने बताया कि 16 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक प्रतिदिन रामलीला स्थल पर सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन होगा।

सौ वर्ष से अधिक समय से होती चली आ रही यहां की रामलीला

एक शताब्दी से अधिक होती चली आ रही है। इस रामलीला की सबसे बड़ी खास बात यह है कि यह अभी तक निर्बाध गति से होता चला आ रहा है।नवरात्रि शुरू होते ही श्रद्धालु परिवार के साथअपनी अहम सहभागिता दर्ज कराते हुए पूरे नवरात्रि भर रामलीला का आनंद उठाते हैं। इस रामलीला के बारे में बताया जाता है कि1905 में रामलीला की शुरुआत यहीं से हुई थी।जहाँ शहर के अलावा आस-पास के गाँव की बुजुर्ग, महिला, पुरुष, बच्चे भारी संख्या में रामलीला देखने आते है।

बैठक में कमलशेखर गुप्ता, संतोष अग्रवाल, राहुल रॉय, जितेन्द्र अग्रवाल जय जय, सुरेंद्र मातनहेलिया, विनय जैन, राधेश्याम त्रिपाठी एडवोकेट, जितेंद्र सिंह,राजेन्द्र गुप्ता, अंशुमान यज्ञसेनी, पुष्पनाथ तिवारी, संजय टंडन, उत्कर्ष श्रीवास्तव, मनोज गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष ब्रजेश पांडेय, अरविंद सोनी, सुशील कुमार बेबी, आकाश जायसवाल, सिद्धार्थ सिंह, देवेंद्र मिश्र, पूरन सिंह चौधरी,रवि पाठक,पुलकित अग्रवाल सहित रामभक्त उपस्थित रहे।

महाराजा देवी बक्श सिंह इंटर कॉलेज में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई गांधी जयंती

जनक राम वर्मा

अलावल देवरिया गोंडा। महाराजा देवी बख्श सिंह इंटर कॉलेज बेलसर गोंडा में हर्षोल्लास के साथ महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के पूर्व छात्र, सेवानिवृत्ति अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा क्षय रोग नियंत्रण अधिकारी उत्तर प्रदेश डॉ हनुमान सिंह विशेन रहे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि ने विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों तथा गणमान्य नागरिकों के साथ ध्वजारोहण किया। तदुपरांत विद्यालय के श्री राम सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अजीत सिंह ने मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र एंव स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। मुख्य अतिथि डॉ. हनुमान सिंह विशेन ने अपने संबोधन में महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके जीवन से हमें प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने आगे ने कहा कि आज के दिवस को हम स्वच्छता दिवस के रूप में भी मनाते हैं, कहते हैं कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है इसलिए हम सभी को स्वच्छता पर विशेष बल देना चाहिए। इस अवसर

पर रामनाथ पांडेय , स्वामीनाथ द्विवेदी, पंडित श्यामधर शुक्ला, बृजेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. पदम नाथ पांडेय आदि ने भी अपने विचार रखे। विद्यालय के प्रधानाचार्य माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अजीत सिंह ने आए हुए अतिथियों का स्वागत कर उनका आभार प्रकट किया। इस अवसर पर स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना विद्यालय की छात्रा नेहा मोदनवाल एंव दिव्यांशी उपाध्याय ने प्रस्तुत किया। विद्यालय के पूर्व छात्र राकेश आर्य ने बापू का प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम गाकर लोगों का मन मोह लिया। विद्यालय के स्काउट और गाइड तथा एनसीसी कैडेट्स ने मुख्य अतिथि के सम्मान में कलर पार्टी और गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया। इस दौरान मुख्य अतिथि के द्वारा विद्यालय प्रांगण में नवनिर्मित 11 शौचालय का भी लोकार्पण किया एवं पौध रोपण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक एवं स्वच्छता के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले श्रीमती रीता सिंह, श्यामधर शुक्ला, रामचंद्र चौहान, बुझावन, मुन्नालाल बारी आदि को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक अशोक कुमार ने किया। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों के साथ नगर पंचायत बेलसर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता हेतु प्रभात फेरी निकाल कर जन जागरण किया। इस दौरान चित्रकला, भाषण रंगोली एवं निबंध आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं अभय तिवारी, उत्सव पांडेय, सोनम विश्वकर्मा, तहरीन आँचल प्रजापति, ज्योति भारती, शोभित पांडेय आदि को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर योगेंद्र प्रताप सिंह बाबा, चंद्र प्रताप सिंह, हरिश्चंद्र सिंह, शैलेंद्र प्रताप सिंह मोनू प्रतिनिधि नगर पंचायत बेलसर, जय बक्स सिंह चौहान, अर्जुन सिंह, राजेश कुमार सिंह जिला उपाध्यक्ष मा.शि स. द्वारिका प्रसाद रामदास गुप्ता राज किशोर तिवारी रणजीत सिंह, मन्नू सिंह सभासद, विजय शुक्ला, भोला सिंह एडवोकेट, राज बहादुर सिंह, डॉ.पवन प्रताप सिंह, ले.आनंद कुमार पांडेय, मजहर उल हक अंसारी, राजेश चंद्र पांडेय जिला क्रीडा सचिव, अनिल सिंह, सुग्रीव प्रसाद, कन्हैयालाल, चंद्रशेखर, शशि कुमार सिंह, रघुनाथ द्विवेदी, मोहम्मद यूनुस, उमेश चंद्र गुप्ता, रंजीत कुमार, संजीव सिंह, अमित वर्मा, पवन गुप्ता, लक्ष्मी नारायण मिश्रा, विशाल वर्मा, सुजीत श्रीवास्तव, रामेश्वर प्रताप सिंह, देवेंद्र यादव, सुरेंद्र यादव, कुँवर भगवती सिंह, धीरेंद्र प्रताप सिंह, अनूप सिंह, आदि के साथ विद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया शुभारम्भ

डा0 नरेन्द्र बहादुर सिंह

अयोध्या । जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 संजय जैन ने आज से चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर अभियान का शुभारम्भ किया। जिलाधिकारी ने अभियान में लगे लोगों को व्यक्तिगत साफ सफाई रखने एवं वातावारण को स्वच्छ बनाने के लिए अपने पास-पड़ोस के लोगों को प्रेरित करने की शपथ दिलाई। यह अभियान 3 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2023 तक व दस्तक अभियान 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2023 तक चलेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार प्रदेश के हर गांव, ब्लॉक व जनपद के साथ-साथ पूरे प्रदेश को दिमागी बुखार से मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए 11 विभागों के आपसी समन्वय से जनपद में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान 31 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि संचारी रोग हमारे गांव अथवा क्षेत्र में रहने वाले परिवारों के आर्थिक और पारिवारिक नुकसान का एक बड़ा कारण हो सकते हैं। अतः हम शपथ लेते हैं कि संचारी रोग से लड़ाई में हम हर संभव प्रयास करेंगे कि हमारा परिवार व समुदाय इन रोगों से मुक्त रहें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय जैन ने कहा कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के दौरान फ्रंटलाइन वर्कर (आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता) घर-घर जाकर बुखार, इंफ्लुएंजा लाइक इलनेस से ग्रसित लोगों के साथ-साथ संभावित क्षय रोगियों व कुपोषित बच्चों को चिन्हित करेंगी। इसके अलावा वह क्षेत्रवार ऐसे मकानों को सूची बनाएंगी जहां घरों के भीतर मच्छरों का प्रजनन पाया गया हो। इस दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ता फिजिकल डिस्टेंसिंग, हाथों की धुलाई और मास्क की अनिवार्यता पर विशेष ध्यान रखेंगे। संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुभारंभ अवसर पर नोडल अधिकारी वीबीडी डा पुष्पेंद्र कुमार, अर्बन नोडल डा वेद प्रकाश त्रिपाठी, डाव राजेश चैधरी सहित स्वास्थ्य विभाग से डी एच ई आई ओ,फाइलेरिया नियंत्रण अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी, यूनिसेफ, नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी ने प्रतिभाग किया।

शूटिंग खिलाड़ियों को सिटी मजिस्ट्रेट ने मेडल पहनाकर किया सम्मानित

त्रिगुट संवाददाता

अयोध्या। गुड़गांव के सुहाना जीडी गोयनका विश्व विद्यालय में ऑल इंडिया ओपन शूटिंग चैंपियनशिप का आयोजन 26 से 29 सितंबर तक किया गया था, जिसमें भवदीय शूटिंग रेंज अयोध्या के सात खिलाड़ियों ने प्रतिभा किया था सातों खिलाड़ियों ने जीत हासिल कर मेंडल प्राप्त किया, मेडल पाने वालों में शहर के विशिष्ट डॉ डीआर भुवन को गोल्ड मेडल,साहयक शिक्षा निदेशक बेसिक अयोध्या मंडल राम सागर पति त्रिपाठी को गोल्ड मेडल, ब्लाक पीटीआई अजय सिंह को 1 गोल्ड मेडल व 1 सिल्वर मेडल वही जैनुल खान को 1 सिल्वर मेडल, अयोध्या पुलिस से नीलू शर्मा को 1गोल्ड मेडल, वंशिका चौधरी को 1 सिल्वर व 1 ब्रोंज मेडल,सपना भारती को 1 सिल्वर मेडल प्राप्त हुए वहीं भवदीय शूटिंग रेंज अयोध्या के सानिध्य में लखनऊ शील्ड डिफेंस कालेज के 5 खिलाड़ियों में से विवेक को ब्रोंज, हर्ष सिंह सिल्वर, वेदान्शी द्विवेदी को ब्रोंज, गीतांजली को सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ, खिलाड़ियों के साथ लखनऊ से आए ग्रुप कैप्टन आलोक चटर्जी के साथ अमरेंद्र प्रताप सिंह रहे मौजूद,जीतकर अयोध्या पहुंचे खिलाड़ियों का सिटी मजिस्ट्रेट अरविंद कुमार द्विवेदी ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया, सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया, खिलाड़ी डॉक्टर डीआर भुवन को अब तक 44 मेडल मिल चुके हैं, अपनी जीत का श्रेय डॉक्टर भुवन ने मंडल कोच सनी वर्मा को दिया है, वही सनी वर्मा ने कहा कि अच्छा प्रदर्शन हमारे भवदीय शूटिंग रेंज के खिलाड़ियों ने किया है , हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि इसी तरह आगे बढ़े, और जिले का नाम रोशन करें।

धूमधाम से मनाया गया गांधी व शास्त्री जयन्ती

बलरामपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री का जन्म दिवस धूमधाम से मनाया गया। प्राथमिक विद्यालय भटपुरवा, चौधरीडीह, बजतडीह, मंगरा कोहल, भौरही, सिंहपुर, लखौरा कम्पोजिट विद्यालय शिवपुरा, परसिया गोसाई, हरैंया, ललिया, बलदेवनगर, विनोहनी, ब्लाक मुख्यालय शिवपुरा, वन क्षेत्राधिकारी कार्यालय बनकटवा, थाना ललिया, सिरसिया, हरैंया, महाराजगंज तराई, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय शिवपुरा, सशस्त्र सीमा बल चेक पोस्ट खंगरा, डगमरा, गन्धैला, सुइया, सनपथरी, कोयलावास आदि जगहों पर राष्ट्रध्वज फहराया गया। शिक्षकगण अरविन्द श्रीवास्तव, विजय शंकर तिवारी, पवन शुक्ला, विनोद तिवारी, रिचा, रेनू खातून, शकीला खान, पुष्पलता शर्मा, मंजू गुप्ता आदि मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत एक घायल

बलरामपुर। हरैंया थाना क्षेत्र के अन्तर्गत चौधरीडीह के पास एक डीसीएम ने बाइक सवार को टक्कर मार दिया जिसमें राज कुमार थाना पचपेड़वा ग्राम सोहटी की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि एक अन्य घायल हो गया। डीसीएम को सिरसिया पुलिस ने पकड़ लिया। शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया।

सत्य , अहिंसा और सादगी की प्रति मूर्ति थे गांधी जी और शास्त्री जी - अखिलेश मौर्य

त्रिगुट संवाददाता

मयाबाजार (अयोध्या) । श्री राम लाल संतराम इंटर कालेज दिलासीगंज अयोध्या में गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती को धूम धाम से मनाया गया द्य इस अवसर पर श्री राम लाल संतराम इंटर कालेज दिलासीगंज अयोध्या के प्रवक्ता जीव विज्ञान अखिलेश मौर्य ने कहा कि गांधी जी और शास्त्री जी की जयंती को मनाना ही नहीं बल्कि गांधी जी और शास्त्री जी एक विचार है जिसके द्वारा देश को उसके विकास के चरम तक ले जाया जा सकता है। जिस तरह उन्होंने अहिंसा को अपनाया और सत्य,अहिंसा और स्वदेशी की भावना को जगाने का प्रयास किया वहीं शास्त्री जी ने अपने सादगी द्वारा देश की जनता को सीखने के लिए प्रेरित किया है। श्री मौर्य ने आगे बताते हुए कहा कि गांधी जी ने अपनी वाणी द्वारा जिस समाज की स्थापना की उससे प्रभावित होकर करोड़ों लोग उनके साथ आंदोलन में कूद पड़े जबकि लाल बहादुर शास्त्री जी ने अपनी सादगी द्वारा भारत में चरम स्थान प्राप्त कि विद्यालय के समस्त शिक्षकों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये द्य कॉलेज के प्रधानाचार्य आशुतोष सिंह ने कहा कि हम सभी को आज के दिन ही नही प्रेत्यक दिन स्वच्छता को अपनाना चाहिए और पास पड़ोस की साफ सफाई करनी चाहिए द्य इस अवसर पर अध्यापक एवं छात्र, छात्राओं द्वारा स्वच्छता अभियान और प्रभातफेरी निकाली गई और सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया द्य अध्यापक एवं अध्यापिकाओं में मुन्ना चौहान , हरिश्चंद्र यादव , देवकीनंदन , रमेश , तीर्थ राज सिंह अजय , हरिभान यादव , सुनील सिंह , राम जियावन , दुर्गा प्रसाद , जंत्रीप्रसाद वर्मा , उदय प्रताप,सरोज , देवमती , रितिका , आरती के साथ प्रतिभाग छात्र एवं छात्राओं में दिव्यांशी, सरिता , शिल्पा , अनामिका , रिचा , नैन्सी , सुनैना , सलोनी , रोशनी , खुशी,आयुष, नितिन, अवधेश, दुर्गेश, अंजली , दीपक , अरमान , समीर अभिषेक , अनमोल , देवांग सहित कई छात्र छात्रायें मौजूद रहे ।

अहिंसा का रास्ता अपनाकर देश आजाद कराने वाले महा मानव थे बापू-राजेश महाराज

बलराम मौर्य

अयोध्या। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती आज चक्र तीर्थ मोहल्ला श्री अयोध्या तीर्थ पुरोहित धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के कार्यालय पर मनाया गया। इस दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश महाराज की अध्यक्षता में उनका जन्मदिन मनाया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश महाराज ने कहा कि पूज्य बापूजी जी ने देश के लिए आजादी दिलाने में अहिंसा का रास्ता अपना कर आजाद कराने वाले बापू जी को शत शत नमन आज हम सभी को बापू जी के विचारों पर चलने और अपनाने की जरूरत है घनश्याम दास पहलवान ने कहा कि आज पुरोहित समाज, और संत महंत बड़ी ही धूम धाम से बापू जी के विचारों को अपनाने का प्रयास कर रहे हैं । गगन सरकार ने भूरि भूरि प्रशंसा श्री अयोध्या तीर्थ पुरोहित धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश महाराज जी की करते हुए कहा कि आज महातमा गाँधी और लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्म दिन मनाने का एतिहासिक कार्य किया जा रहा है । मैं राजेश महाराज जी को हृदय से आभार द्य इस दौरान अन्य नागरिकों ने भी उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नमन और याद किया। इस अवसर पर पुजारी देवगन शरन सरकार ,श्री कोठारी नंदलाल दास जी महाराज, सूरज शर्मा, घनश्याम दास पहलवान,बाबूराम, बजरंगी पांडे,निर्मल पांडे,मांगू लाल पांडेशुभम पांडे, कन्हैया पांडे, चंदा सिंह महिला मोर्चा अध्यक्ष,नवीन शर्मा ,मोहित सोनकर ,हरिराम सोनकर उर्फ खजांची, पार्षद अनिकेत यादव, सोमनाथ,प्रमोद साहू, अनुराग पांडे विराट पांडे कर्मराज पांडे, शंभू नाथ पांडे,प्रदीप पांडे,रंजीत पांडे,कविराज दास, रितेश मिश्रा,पवन कुमार, वीमेन्द्र श्रीवास्तव, अश्विनी श्रीवास्तव,विकास सोनकर, अनूप पांडे, आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

गांधी व शास्त्री जयंती श्रद्धा पूर्वक मनाई गई

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच ।आदर्श कल्याण सेवा समिति द्वारा संचालित एवं केंद्र सरकार द्वारा अनुदानित ओल्ड एज होम राजापुर माफी में गांधी जयंती का आयोजन संस्था के प्रबंधक श्री अनिल कुमार प्रधान जी के द्वारा किया गया

सर्वप्रथम भूतपूर्व मजिस्ट्रेट श्री अशोक कुमार प्रधान एवं श्रीमती सुमन प्रधान जी के द्वारा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के प्रतिमा का अनावरण किया गया और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई आश्रम की वार्डन श्रीमती अनुराधा जी के द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई श्रीमती सुमन प्रधान जी द्वारा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन शैली के बारे में कुछ शब्द प्रकट किए गए शादी उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया आश्रम के वृद्ध जनों ने कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें गीत भजन गांधी जी माता कस्तूरबा का अभिनय किया तालियों की गड़गड़ाहट के साथ जैन समूह ने सभी वृद्ध जनों का उत्साह वर्धन किया।

डॉ मनीष श्रीवास्तव एवं पारुल प्रधान जी के द्वारा माल्या अर्पण व पुष्पांजलि अर्पित की गई डॉ मनीष श्रीवास्तव ने अपने कुछ भाव अपने शब्दों में प्रकट किया ।डॉ मनीष श्रीवास्तव, पारुल प्रधान की सौम्यागिका द्वारा सभी वृद्ध जनों को

स्टील के टिफिन वह मिष्ठान वितरण किए गए साथ ही सभी स्टाफ को भी टिफिन व मिष्ठान वितरण किया तत्पश्चात श्रीमती सुमन प्रधान द्वारा गांधी जी के प्रिय भजन गायन के द्वारा प्रस्तुत किया गया आश्रम की योगा टीचर श्रीमती अंजुला पांडे द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया अनेक प्रधान व सुपइंजीनियर पीयूष प्रधान के द्वारा सभी वृद्ध जनों को अंग वस्त्र व मिष्ठान फल वितरण किए गए।

पूर्व मजिस्ट्रेट श्री अशोक कुमार प्रधान ने कहा उम्र किसी की मोहताज नहीं हम जिस उम्र में भी हो मन से बच्चे ही होते हैं। इसी के साथ प्रबंधक अनिल प्रधान ने सभी वृद्ध जनों का आशीर्वाद लिया गया।

भारत की तरक्की में व्यापारियों की अग्रणी भूमिका-शास्त्री विनोद आर्य

व्यापारी स्वाभिमान यात्रा गोंडा पहुंचने पर व्यापारियों ने किया भव्य स्वागत

निज संवाददाता

गोण्डा। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल स्वर्ण जयंती वर्षगांठ पर व्यापारी स्वाभिमान यात्रा प्रदेश अध्यक्ष माननीय मुकुंद मिश्रा जी के नेतृत्व में गोंडा पहुंचने पर व्यापारियों ने भव्य स्वागत किया संगठन की ओर से जिला अध्यक्ष शास्त्री विनोद आर्य,युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष जितेंद कृष्ण ने मुख्य अतिथि,प्रदेश अध्यक्ष मा0 मुकुंद मिश्रा जी एवं विशिष्ट अतिथि चेयरमैन मा0महेंद्र मयूर जैन, अशोक कंसल पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष,दिनेश बंसल, संत मिश्रा प्रदेश युवा महामंत्री,प्रदेश कार्यालय अधीक्षक मा0सुनील पांडेको मुकुट एवं वैदिक पटुका शाल भेंट करके सम्मानित किया प्रदेश अध्यक्ष व्यापारीयो के हित के लिए व्यापार कल्याण बोर्ड एवं व्यापारियों का प्रतिनिधि जिलाधिकारी की बैठक में व्यापारियों का प्रतिनिधित्व के लिए तत्काल पत्र जारी करने की घोषणा की सभी विशिष्ट अतिथियों ने भी व्यापारी की कल्याणकारी योजनाओं के बारे चर्चा की अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को सम्मान देने वालों में प्रमुख आनंद मिश्रा डा0बीबी मिश्रासीआईबी राष्ट्रीय महासचिव रमाकांत मिश्रा डॉ रमेश मौर्य, वजीरगंजअतुल पाठक मयंक सरन,अयूब आलम आदि रहे कारगिल योद्धा विजय सिंह कारगिल को प्रदेश अध्यक्ष सम्मानित किया बैठक अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शास्त्री विनोद आर्य ने किया प्रेस भेट वार्ता में व्यापार संगठन के बारे में विस्तार से पत्रकार बंधुओ को व्यापारी कल्याण के लिए की जा रही योजनाओं के बारे में बताया गोण्डा व्यापारी स्वाभिमान यात्रा का नेतृत्व कर रहे जिला अध्यक्ष ने नगर के मुख्य मार्ग झूलेलाल चौराहा से होता हुआ गुरु नानक चौराहा भारत मिलन चौराहा होता हुआ वजीरगंज बाजार कुमार क्लिनिक डॉ रमेश मौर्य ने टीम के साथ स्वागत किया यहीं से अयोध्या अंबेडकर नगर के लिए व्यापारी स्वाभिमान यात्रा प्रस्थान हुई।

RNI No. 46071/85

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक **टी.रजा रिज़वी** ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।

गोण्डा कार्यालय

फोन/फैक्स-05262-230683

मो0- 09415120085

लखनऊ कार्यालय-

फोन- 0522-4028445

मो0- 09415249085

:- E-mail :-

trigutdainik@gmail.com